सूचना

एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 15 अगस्त को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अगस्त के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

– संपादक

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 19 | गुवाहाटी | गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस और कम्युनिस्टों के कारण हुआ था देश का विभाजन : सोनोवाल — पेज 3

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत — पेज 4

देश का विभाजन फिर से ना हो नई पीढ़ी को समझना होगा : उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी — पेज 5

जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ना... — पेज 8

राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन, कहा–

विश्व में भारत का कद हुआ ऊंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपना संबोधन शुरू किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सभी देशवासी 78वें स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लहराते हुए तिरंगे को देखना – चाहे वह लाल किले पर हो, राज्यों की राजधानियों में हो या हमारे आस-पास हो – हमारे हृदय को उत्साह से भर देता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जिस तरह हम अपने परिवार के साथ विभिन्न त्योहार मनाते हैं, उसी तरह हम अपने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को भी अपने उस परिवार के साथ मनाते हैं जिसके सदस्य हमारे सभी देशवासी हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हम उस परंपरा का हिस्सा हैं जो स्वाधीनता सेनानियों के सपनों और उन भावी पीढ़ियों की आकांक्षाओं को एक कड़ी में पिरोती है जो आने वाले वर्षों में हमारे राष्ट्र को अपना सम्पूर्ण गौरव पुन: प्राप्त करते हुए देखेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। अगले वर्ष उनकी 150वीं जयंती का उत्सव राष्ट्रीय पुनर्जागरण में उनके योगदान को और अधिक गहराई से सम्मान देने का अवसर होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज, 14 अगस्त को, हमारा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है। यह विभाजन की भयावहता को याद करने का दिन है। जब हमारे महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, तब लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा। लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले, हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ एक-जुट होकर खड़े होते हैं जो छिन्न-भिन्न कर दिए गए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आई हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक -शेष पृष्ठ दो पर

महिला डॉक्टरों को लेकर जारी की गई एडवाइजरी सरकार ने वापस ली : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। कोलकाता के एक अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार-हत्या को लेकर भारी जनाक्रोश के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को छात्रों के लिए जारी एक सलाह को वापस लेने का आदेश दिया है, जिसे विचित्र और प्रतिगामी माना जा रहा है। सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) ने परामर्श में कहा कि महिला डॉक्टरों और छात्राओं को ऐसी स्थितियों से बचना चाहिए जहां वे अकेली हों। मुख्यमंत्री शर्मा ने आज कहा कि वह सलाह उचित नहीं थी। कल मैंने प्रिंसिपल से बात की। उन्होंने उसे वापस ले लिया है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद एसएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. भास्कर गुप्ता ने यह एडवाइजरी जारी की थी। गुप्ता ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 3 सितंबर को होंगे रास चुनाव : ईसी

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम जारी कर दिया है, जहां असम की दो महत्वपूर्ण सीटों पर चुनाव होगा। कामाख्या प्रसाद तासा और सर्वानंद सोनोवाल के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद ये रिक्तियां उत्पन्न हो गईं, जिससे राज्यसभा सीटों के लिए नए प्रतिनिधियों की आवश्यकता हो गई। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है, जिसके तहत उम्मीदवारों को 21 अगस्त तक नामांकन दाखिल करने का मौका मिलेगा। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 और 27 अगस्त तय की गई है, इसलिए चुनाव मशीनरी कड़े मुकाबले के लिए कमर कस रही है। इन -शेष पृष्ठ दो पर

यूएसटीएम पर लगाए गए आरोपों का मेघालय सरकार ने किया खंडन

सीएम शर्मा से व्यावहारिक होने का भी आग्रह किया

गुवाहाटी। मेघालय सरकार ने अंतत: असम द्वारा बार-बार लगाए गए आरोपों का जवाब दिया है, जिसमें गुवाहाटी में गंभीर जल-जमाव के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) को दोषी ठहराया गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हालिया आरोपों के जवाब में, मेघालय सरकार के मुख्य सलाहकार, लाहमेन रिम्बुई ने मुख्यमंत्री से *व्यावहारिक* होने का आग्रह किया। रिमबुई, जो मेघालय के पूर्व शिक्षा मंत्री भी हैं, ने बर्नीहाट के असम वाले हिस्से में गंभीर -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए के तहत असम में पहली नागरिकता बांग्लादेश में जन्मा शख्स बना भारतीय

गुवाहाटी। असम में बांग्लादेश से आए एक शख्स को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता मिली है। दुलोन दास नाम के इस शख्स को यह नागरिकता सीएए नियमों के लागू होने के बाद मिली है। दास 1988 में अपने परिवार के साथ बांग्लादेश के सिलहट से असम आए थे और उन्होंने अप्रैल में सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया था। उनका परिवार 1988 में कई हमलों के बाद असम आया था और 1996 से ही वे वोटिंग करते आ रहे हैं। उन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय से मंगलवार को नागरिकता मिलने का संदेश मिला था। दास को अपना नागरिकता प्रमाण पत्र लेने के लिए गुवाहाटी के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय जाने को कहा गया है। 50 साल के दुलोन दास का परिवार 1988 में बांग्लादेश के सिलहट से असम के सिलचर आया था। दास ने सीएए नियमों के अधिसूचित होने के बाद अप्रैल में भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया था। -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस के 14 अधिकारी व जवानों को मिलेगा विशिष्ट सेवा पदक

गुवाहाटी (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर असम पुलिस के 14 अधिकारियों और जवानों को विशिष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की गई है। गृह मंत्रालय ने देशभर में 1,037 सुरक्षा कर्मियों को राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित करने के लिए चयनित किया है। असम की डीआईजी रत्ना सिंह को राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा असम के 13 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक सरकार ने एसबीआई-पीएनबी के साथ सभी लेन-देन पर लगाई रोक

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इन दोनों बेंकों के साथ सभी लेन-देन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश दिए गए है। इस निर्णय के बाद राज्य विभागों को इन बैंकों में अपने अकाउंट को बंद करने और अपनी सेविंग निकालने का निर्देश दिया है। कर्नाटक सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि, एसबीआई-पीएनबी में कोई सेविंग या निवेश नहीं करेंगे। बता दें कि सिद्धारमैया सरकार में वित्त विभाग के सचिव डॉ पीसी जाफर ने यह निर्देश जारी किया है। दरअसल, दोनों बेंकों में जमा धन के दुरुपयोग के आरोपों के बीच यह फैसला लिया गया है। सरकार ने कहा कि दुरुपयोग की कई बार चेतावनी देने के बावजूद एसबीआई और पीएनबी ने अपनी ओर से कोई कड़े कदम नहीं उठाए। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार के विभागों, -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंदुओं की सेना से भिड़ंत

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा का शिकार बन रहे हिंदू समाज का गुस्सा अब फूट पड़ा है। बांग्लादेश से जो तस्वीरें सामने आई उसमें हिंदू समाज के लोग सेना से मोर्चा लेते नजर आए। हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू समाज के लोग सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे थे। तभी वहां तैनात बांग्लादेश सिक्योरिटी फोर्सेज ने उन्हें प्रदर्शन करने से रोकने की कोशिश की। इससे हिंदू समाज का गुस्सा फूट पड़ा और वो सीधे -शेष पृष्ठ दो पर

आज 11वीं बार राष्ट्र को संबोधित करेंगे पीएम मोदी, हेलीकॉप्टर बरसाएंगे फूल

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से लगातार 11वीं बार राष्ट्र को सम्बोधित करेंगे। ध्वजारोहण के समय भारतीय वायु सेना के दो एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों से ध्रुव लाइन एस्टर्न फॉर्मेशन में पुष्प वर्षा की जाएगी। समारोह को देखने के लिए लगभग 6 हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। लाल किले पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री का स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने करेंगे। रक्षा सचिव दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार का प्रधानमंत्री से परिचय कराएंगे। इसके बाद दिल्ली क्षेत्र के जीओसी नरेंद्र मोदी को सलामी मंच पर ले जाएंगे, जहां संयुक्त अंतर-सेवा और दिल्ली पुलिस गार्ड प्रधानमंत्री को सामान्य सलामी देंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री सलामी गारद का निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री के लिए सलामी गारद दल में सेना, नौसेना, वायु सेना और दिल्ली पुलिस से एक-एक अधिकारी और 24 कर्मी शामिल होंगे। सलामी गारद की कमान कमांडर अरुण कुमार मेहता संभालेंगे। प्रधानमंत्री की सलामी गारद में सेना टुकड़ी की कमान मेजर अर्जुन सिंह, नौसेना टुकड़ी की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर गुलिया भावेश एनके और वायु सेना टुकड़ी की कमान स्क्वाड्रन लीडर अक्षरा उनियाल संभालेंगी। दिल्ली पुलिस की टुकड़ी की कमान एडिशनल डीसीपी अनुराग द्विवेदी संभालेंगे। गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करने के बाद प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर की ओर बढ़ेंगे, जहां उनका स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चीन से लगती अरुणाचल की सीमा पूरी तरह सुरक्षित : खांडू

इटानगर (हि.स.)। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश की सीमा से भारत को धमकी देता रहा है, फिलहाल भारत-चीन सीमा पर ऐसा माहौल नहीं है। सीमा पूरी तरह सुरक्षित है। चीनी सैनिकों का खतरा या ऑपरेशन अब सीमा पर दिखाई नहीं दे रहा है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने आज चीन और अरुणाचल प्रदेश के सीमा के संबंध में यह टिप्पणी की। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग जिले के टिपी में आज पूर्वोत्तर के नेशनल इंस्टीट्यूट आफ माउंटेनरिंग एंड एडवांस स्पोर्टस (एनआईएमएएस) संस्थान के पहले कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में प्रकृति की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने भारत के रक्षा मंत्रालय के तहत अरुणाचल प्रदेश में निर्मित देश के पांचवें एनआईएमएएस कार्यालय का उद्घाटन करने के साथ-साथ एनआईएमएएस पर एक वृत्तचित्र भी जारी किया। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि 2013 में अपनी स्थापना के बाद से, एनआईएमएएस साहस के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना रिकॉर्ड स्थापित करने में सक्षम रहा है और अरुणाचल में भी माहौल बनाया जाएगा, जहां अरुणाचल सरकार कई पर्वतारोहियों या राफ्टिंग में साहसिक प्रशिक्षण लेने में केंद्र का अरुणाचल प्रदेश सरकार अपना समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि एनआईएमएएस जल्द ही अरुणाचल का गैरिसन दक्षिणी हिस्से में लगभग 8 हजार मीटर की ऊंचाई पर अभियान चलाएगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश में पैदा हुई समस्या के संबंध में उन्होंने कहा कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या है लेकिन बांग्लादेश से अरुणाचल प्रदेश में लोगों के प्रवेश का कोई सुविधाजनक रास्ता नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए कि बांग्लादेश के लोग पूर्वोत्तर में प्रवेश न करें और अरुणाचल सीमा पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एनआईएमएएस के अधीक्षक रणबीर सिंह जामवाल ने कहा कि अरुणाचल के इस प्रशिक्षण केंद्र में हर साल लगभग 25 छात्र जल, थल एवं वायु यानी तीनों क्षेत्र के एडवेंचर स्पोर्ट्स का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

सीमा विवाद : एचएसपीडीपी ने मेघालय सरकार से किया आग्रह, कहा-

असम के साथ फिर से शुरू करें दूसरे चरण की वार्ता

शिलांग। हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) ने बुधवार को मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) सरकार से दोनों राज्यों के बीच मतभेद के शेष छह क्षेत्रों को हल करने के लिए असम के अपने समकक्ष के साथ सीमा वार्ता के दूसरे चरण को फिर से शुरू करने का आग्रह किया। एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा को सौंपे गए पत्र में, एचएसपीडीपी अध्यक्ष केपी पंगनियांग ने कहा कि पार्टी आपके नेतृत्व में एमडीए सरकार द्वारा लिए गए साहसिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करती है कि अंतर्राज्यीय सीमा के सदी के लंबे समय से लंबित अशांत विवाद के छह क्षेत्रों को 2022 में मूर्त रूप दिया गया है और छह क्षेत्रों का शेष दूसरा चरण अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि फिर भी, एचएसपीडीपी सरकार से आग्रह करती है कि वह असम के साथ दूसरे चरण के समझौते को तत्काल प्रभाव से फिर से शुरू करे। पार्टी लंबे समय से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद के अधूरे काम को निपटाने के लिए एमडीए सरकार के प्रति अत्यंत आभारी है। पत्रकारों से बात करते हुए पंगनियांग ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही असम के मुख्यमंत्री के साथ सीमा वार्ता का दूसरा चरण फिर से शुरू करेंगे। उनके अनुसार, राज्य विधानसभा के आगामी शरदकालीन सत्र से पहले मुख्यमंत्री असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि दोनों राज्य सरकारों द्वारा क्षेत्रीय समितियों का गठन पहले ही कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी खासी हिल्स के उपायुक्त ने क्षेत्रीय समिति की बैठक बुलाई है और आगामी बैठक के दौरान असम के उपायुक्त को प्रस्तुत करने के लिए दस्तावेज तैयार हैं। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि कैबिनेट मंत्री पॉल लिंगदोह की अध्यक्षता वाली पश्चिमी खासी हिल्स की क्षेत्रीय समिति ने कहा था कि लांगपीह सेक्टर के अंतर्गत 54 गांवों पर मेघालय का दावा बहुत मजबूत है।

फ्रिज में छिपा चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांर जिले के सामागुड़ी पुलिस ने मोस्ट वांटेड चोर रहमत अली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सामागुड़ी पुलिस मोस्ट वांटेड चोर रहमत अली को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस से बचने के लिए चोर फ्रिज में जा छिपा। घर की काफी सघन तलाशी के बाद पुलिस उसे गिरफ्तार करने में सफल हो गई। ज्ञात हो कि हाल ही में सामागुड़ी के एक पत्रकार की यमाहा एमटी-15 बाइक चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने बिश्वजीत नामक चोर को गिरफ्तार किया था। पुलिस गिरफ्तार चोर की निशानदेही पर रहमत अली के घर से चोरी की बाइक बरामद करने में सफल हो गई। हालांकि, रहमत अली फरार होने में सफल हो गया था। पिछले 20 दिनों से रहमत अली फरार चल रहा था। इसी बीच रहमत के घर में होने की सूचना पाकर पुलिस उसे पकड़ने के लिए पहुंची। पुलिस से अपने आपको घिरता देख चोर फ्रिज में जा छुपा। हालांकि, पुलिस को पक्की सूचना मिली थी कि चोर अपने घर पर ही है, जिसके चलते उसे गिरफ्तार कर लिया गया। रहमत के खिलाफ असम के विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार बाइक चोर से सघन पूछताछ कर रही है।

बांग्लादेश में दंगाइयों ने एक और हिंदू परिवार के घर के लगा दी आग

ढाका। उत्तर पश्चिमी बांग्लादेश में दंगाइयों ने एक हिंदू परिवार के घर पर आग लगा दी, जिसका किसी राजनीतिक संगठन से को जुड़ाव नहीं था। शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर किए गए हमलों में यह सबसे ताजा हमला है। घटना मंगलवार शाम ठाकुरगांव सदर उपजिला के अकचा यूनियन के अंतर्गत फराबाड़ी मंदिरपाड़ा गांव में हुई। इससे कुछ घंटे पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चिंतित अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन दिया था कि उनकी सरकार दोषियों को सजा देगी। इससे पहले बुधवार को ही निशाना बनाकर आगजनी की एक घटना हुई। वहीं बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस ने दावा किया कि पांच अगस्त को हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिरने के बाद से 48 जिलों में 278 स्थान पर हमले हुए हैं और उन्हें धमकाया गया है। अलायंस ने इसे *हिंदू धर्म पर हमला* करार दिया। अक्छा यूनियन परिषद (यूपी) के अध्यक्ष सुब्रत कुमार बर्मन ने द *डेली स्टार* अखबार को बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने मंगलवार शाम को करीब 7:30 बजे ठाकुरगांव सदर उपजिला के अक्छा यूनियन के फराबाड़ी मंदिरपाड़ा गांव में कलेश्वर बर्मन के घर में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया तथा घर में रहने वाले लोग सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे।

तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के जुरिया के मेलेकाधिंग में दगांव पुलिस ने हेरोइन के साथ एक कुख्यात आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत एक गुप्त सूचना के आधार पर जुरिया के दगांव थाना प्रभारी पिंकू फूकन के नेतृत्व में पुलिस ने मलेकाधिंग में छापेमारी की। पुलिस ने यहां से रफीकुल इस्लाम का गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 9.29 ग्राम हेरोइन बरामद की है। दगांव पुलिस के अनुसार इस्लाम मादक पदार्थों की आपूर्तिकर्ता है।

कोलकाता में जूनियर डाक्टर की हत्या व बलात्कार के दोषियों को मिले कठोर सजा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। रायबरेली से सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कोलकाता में जूनियर डाक्टर की हत्या व बलात्कार के दोषियों को गंभीर सजा दिए जाने की वकालत की है। इसे लेकर राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई हत्या व बलात्कार की वीभत्स घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उसके साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य की परत दर परत जिस तरह खुल कर सामने आ रही है, उससे डॉक्टर्स कम्युनिटी और महिलाओं के बीच असुरक्षा का माहौल है। राहुल गांधी ने लिखा है कि पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपितों को बचाने की कोशिश अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इस घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर मेडिकल कॉलेज जैसी जगह पर डॉक्टर्स सेफ नहीं हैं तो किस भरोसे अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ने बाहर भेजें? निर्भया केस के बाद बने कठोर कानून भी ऐसे अपराधों को रोक पाने में असफल क्यों हैं? उन्होंने मामले की गंभीरता से लेते हुए कहा कि हाथरस से उन्नाव और कठुआ से लेकर कोलकाता तक महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ती घटनाओं पर हर दल, हर वर्ग को मिलकर गंभीर विचार-विमर्श कर ठोस उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि इस असहनीय कष्ट में वे पीड़िता के परिवार के साथ खड़े हैं। उन्हें हर हाल में न्याय मिले और दोषियों को ऐसी कठोर सज़ा मिले जो समाज में एक नजीर साबित हो। उल्लेखनीय है कि कोलकाता में जूनियर डॉक्टर की हत्या की घटना 9 अगस्त 2024 को हुई थी। यह घटना आरजी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल में हुई, जहां एक पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर का शव सेमिनार हॉल में पाया गया। जांच से पता चला कि उस महिला डॉक्टर का बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। शव पर कई निशान भी मिले। जिससे यह स्पष्ट हुआ कि घटना के दौरान प्रतिरोध किया गया था। इस घटना से पूरे देश में खासकर मेडिकल समुदाय की महिलाएं सदमे में हैं।

असम के विभिन्न कॉलेजों में एबीवीपी का सदस्यता अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने पूरे असम में सदस्यता अभियान शुरू किया है। 05 से 31 अगस्त तक चलने वाला सदस्यता अभियान पूरे असम के उच्च शिक्षा संस्थानों में पूरे जोरों पर चल रहा है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान हर साल एक निश्चित प्रक्रिया के तहत चलाया जाता है। इस वर्ष के सदस्यता अभियान में पूरे असम में दो लाख से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कोलकाता कांड को लेकर यूके में भी बवाल

लंदन। कोलकाता कांड को लेकर ब्रिटिश भारतीय डॉक्टरों में भी आक्रोश पाया जा रहा है। ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिला चिकित्सकों ने कोलकाता में मैडीकल छात्रा से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए भारत में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के साथ एकजुटता दिखाई है। इन महिला डॉक्टरों में से कई ने भारत में ही अपनी शिक्षा प्राप्त की है, और उन्होंने इस घटना पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को कोलकाता के राजकीय आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीड़िता का शव मिला था, जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ कि उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। इस घटना के बाद राज्य भर में और अन्य स्थानों पर मेडिकल और गैर-मेडिकल बिरादरी द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। ब्राइटन स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) की जेरियाट्रिशियन डॉ. दीप्ति जैन ने कहा कि पिछले सप्ताह की इस घटना के बाद से वह अत्यधिक भयभीत हैं और चिकित्सा बिरादरी से उन्हें लगातार संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने कोलकाता के एक अस्पताल में मेडिकल स्नातक के रूप में पढ़ाई की थी। उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमने उन जगहों पर 30 साल पहले निडरता से काम किया है जब डॉक्टरों की सफेद पोशाक *लक्ष्मण रेखा* की तरह होती थी और सब हमें *डाक्टर दीदी* कहते थे। लेकिन अब हालात इतने खराब हो गए हैं कि महिलाएं और बच्चे कहीं भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। इस घटना ने ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिला डॉक्टरों के बीच व्यापक आक्रोश और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है, और उन्होंने न्याय की मांग में अपनी आवाज बुलंद की है।

पृष्ठ एक का शेष

विश्व में भारत ...

आदर्शों पर दृढ़ रहते हुए, हम इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि भारत, विश्व-पटल पर अपना गौरवशाली स्थान पुनः प्राप्त करे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके, भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। राष्ट्रपति द्रौपदी ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थ-व्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके, उन्होंने भारत को कृषि-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा किसमावेशी भावना, हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू में दिखाई देती है। अपनी विविधताओं और बहुलताओं के साथ, हम एक राष्ट्र के रूप में, एकजुट होकर, एक साथ, आगे बढ़ रहे हैं। समावेश के साधन के रूप में, एफरमेटिव एक्शन को मजबूत किया जाना चाहिए। मैं दृढ़ता के साथ यह मानती हूं कि भारत जैसे विशाल देश में, कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण सुनिश्चित करना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष जुलाई से भारतीय न्याय संहिता को लागू करने में, हमने औपनिवेशिक युग के एक और अवशेष को हटा दिया है। नई संहिता का उद्देश्य, केवल दंड देने की बजाय, अपराध-पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। मैं इस बदलाव को स्वाधीनता सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में देखती हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा। सरकार की एक नई पहल से पांच वर्षों में एक करोड़ युवा अग्रणी कंपनियों में इंटर्नशिप करेंगे। ये सभी कदम, विकसित भारत के निर्माण में आधारभूत योगदान देंगे।

महिला डॉक्टरों को ...

पहले जारी की गई सलाह रद्द कर दी गई है और इस संबंध में जल्द ही नई सलाह जारी की जाएगी। परामर्श में महिला डॉक्टरों, छात्राओं और कर्मचारियों से कहा गया था कि वे *एकांत, खराब रोशनी वाले और कम आबादी वाले क्षेत्रों* में जाने से बचें। परामर्श में कहा गया था कि ड्यूटी के दौरान आपको भावनात्मक रूप से संतुलित रहना चाहिए, अपने आस-पास के माहौल के प्रति सतर्क रहना चाहिए और लोगों से शालीनता से बातचीत करनी चाहिए ताकि आप बेईमान लोगों का अनावश्यक ध्यान आकर्षित न करें। एसएमसीएच के छात्रों ने इस सलाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और परिसर में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए) के अध्यक्ष सलमान चौधरी ने कहा कि वे इस प्रतिगामी सलाह से *बहुत दुखी और शर्मिंदा* हैं, जो परिसर की सुरक्षा में कोई मदद नहीं करती। उन्होंने कहा कि यह परामर्श एसएमसीएच से संबंधित प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा है और अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अस्पताल क्षेत्र में उचित प्रकाश व्यवस्था, समर्पित शौचालय की सुविधा, डॉक्टरों के कमरों में सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए। पिछले शुक्रवार को राजकीय आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के वक्ष विभाग के सेमिनार हॉल में पोस्ट-ग्रेजुएट प्रशिक्षु डॉक्टर का शव मिला था, जिस पर गंभीर चोट के निशान थे। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उसके साथ हिंसक यौन उत्पीड़न किया गया था, जिसके बाद राज्य और बाहर के मेडिकल और गैर-मेडिकल बिरादरी ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। इस मामले के सिलसिले में एक नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया है।

यूएसटीएम पर लगाए...

प्रदूषण की ओर इशारा करते हुए शर्मा के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि असम यूएसटीएम के मुद्दे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) का दरवाजा खटखटाता है, तो मेघालय भी बर्नीहाट में प्रदूषण के लिए असम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है।...असम यूएसटीएम के खिलाफ एनजीटी में मामला दर्ज कराएगा। क्या मेघालय भारत के सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट के दूसरी तरफ प्रदूषित उद्योगों के खिलाफ मामला दर्ज कराएगा? क्या बांग्लादेश मेघालय के खिलाफ मामला दर्ज कराएगा क्योंकि भारी बारिश के कारण वहां बाढ़ आ जाती है? @SangmaConrad @himantabiswa, @@ustmts, कृपया बैठिए, चर्चा कीजिए और व्यावहारिक और व्यवहारिक बनिए यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के नेता ने एक लोकप्रिय माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर लिखा। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने 13 अगस्त को यूएसटीएम पर अपना तीखा हमला जारी रखा था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक लाइव वीडियो में मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में बाढ़ के लिए यूएसटीएम की कथित भूमिका के संबंध में एनजीटी से संपर्क करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने तीन दिन पहले मेघालय के अपने समकक्ष कोनराड संगमा से मुलाकात की थी और यूएसटीएम प्रबंधन द्वारा शुरू किए गए कथित *बाढ़ जिहाद* पर चर्चा की थी। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में 9 माइल के पास स्थित यूएसटीएम, हाल ही में 5 अगस्त को शहर में जनजीवन को बाधित करने वाली कृत्रिम बाढ़ के बाद असम के मुख्यमंत्री की बार-बार आलोचना का लक्ष्य रहा है। आरोपों के जवाब में, यूएसटीएम ने पहले एक बयान जारी किया था जिसमें कहा गया था कि विश्वविद्यालय को एक मान्यता प्राप्त *हरित परिसर* प्राप्त है। बयान में कहा गया था कि यूएसटीएम एक एनएएसी *ए* मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है और इसका एक मान्यता प्राप्त हरित परिसर है, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का एक निकाय होने के नाते एनएएसी की प्राथमिकताओं में से एक है।

सीएए के तहत असम...

उनके परिवार पर कई हमले हुए थे। इसके बाद वे बांग्लादेश छोड़कर आ गए थे। दास 1996 से असम में मतदान कर रहे हैं और उनके परिवार के सदस्यों के पास आधार कार्ड जैसे दस्तावेज हैं। 1971 के बाद भारत आने के कारण दास ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया था। दरअसल सिलचर में एक वकील ने उन्हें एनआरसी के लिए आवेदन न करने और सीएए का इंतजार करने का सुझाव दिया था। दो बच्चों के पिता दास ने 2000 के दशक की शुरुआत में सिलचर में जमीन खरीदी थी और उसी दौरान अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया था। नागरिकता प्रक्रिया में पुलिस सत्यापन शामिल था और दास ने सिलहट में अपनी जमीन के स्वामित्व के दस्तावेज जैसे दस्तावेज प्रस्तुत किए। सिलचर के पूर्व विदेशी न्यायाधिकरण -4 के सदस्य धरमानंद देब ने कहा कि पूरे असम में आठ लोगों ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया था। अब तक और उनमें से दो ने अपना आवेदन वापस ले लिया है। देब ने पहले दास के वकील के रूप में उनका प्रतिनिधित्व किया था। देब ने संवाददाताओं से कहा कि असम से सीएए के तहत छह आवेदन केंद्रीय गृह मंत्रालय की समीक्षा के अधीन हैं और उनमें से चार के पास जल्द ही नागरिकता प्राप्त करने के लिए दस्तावेज हैं। केंद्र सरकार ने आम चुनाव से पहले मार्च में सीएए नियमों को अधिसूचित किया था। कम आवेदनों के कारणों में जागरूकता की कमी को उद्धृत किया गया है। सीएए को 2019 में गैर-मुसलमानों के लिए नागरिकता प्रक्रिया को तेज करने के लिए पारित किया गया था, जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए हैं। नियमों की अधिसूचना ने तीनों पड़ोसी देशों के अप्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया। यह कानून नियमों की अधिसूचना के साथ लागू हुआ। सीएए को लागू करने का वादा पिछले लोकसभा और पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था।

असम पुलिस के 14 ...

सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार डीआइजी विजय गिरी कुलीग्राम को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह एसपी मिहिर जीत गायन, एसपी रंजन भुइयां और एसपी सिंघाराम मिल्ली को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह को उत्कृष्ट सेवा पदक, जबकि उप-निरीक्षक त्रैलोक्य शर्मा और बिपुल सैकिया को भी पदक से सम्मानित किया जाएगा। नायक बीजू लहकर, प्रफुल्ल डेका, शैलेन काकती, कांत सिंह और इनामुल हक को भी उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, सहायक उप-निरीक्षक कामिनी डेका को भी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

कर्नाटक सरकार ने ...

सार्वजनिक उद्यमों, निगमों, स्थानीय निकायों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक में रखे गए खातों को तत्काल बंद किया जाए। इसके अलावा, इन बैंकों में कोई और जमा या निवेश नहीं किया जाए। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़े कथित धन हस्तांतरण घोटाले को लेकर कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच यह आदेश आया है। कथित घोटाले का खुलासा तब हुआ जब निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखर पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली और एक नोट छोड़ गए। नोट में दावा किया गया है कि निगम के 187 करोड़ रुपए बिना प्राधिकरण के स्थानांतरित कर दिए गए और कुल राशि में से 88.62 करोड़ रुपए अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिए गए। इसमें आईटी कंपनियों और हैदराबाद स्थित एक सहकारी बैंक के खाते भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं ...

सेना से ही भिड़ गए। ये पहला मौका है जब हिंदू समाज सेना के सामने ही मोर्चा खोला है। विरोध ढाका के जमुना स्टेट गेस्ट हाउस के बाहर आयोजित किया गया, जहां नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, देश की अंतरिम सरकार के नेता रह रहे हैं। प्रदर्शनकारियों, जो हिंसा की घटनाओं के दौरान लापता हुए अपने परिवार के सदस्यों के पोस्टर के साथ विरोध कर रहे थे, और बांग्लादेश सेना के सैनिकों, जो गेस्ट हाउस की सुरक्षा कर रहे थे, के बीच एक संक्षिप्त झड़प भी हुई। इससे पहले दिन में, कार्यवाहक प्रशासन के मुख्य सलाहकार यूनुस ने ढाका में ऐतिहासिक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। वहां, 84 वर्षीय प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने देश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों को उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। यूनुस ने कहा कि अधिकार सभी के लिए समान हैं। हम सभी समान अधिकारों वाले एक व्यक्ति हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में निर्णय लें...क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। यदि हम असफल होते हैं, तो हमारी आलोचना करें। उन्होंने ढाका में प्रमुख शक्तिपीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यूनुस ने देश की दुर्दशा के लिए संस्थागत पतनको जिम्मेदार ठहराया। उनका दौरा ऐसे समय हुआ जब बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस (बीएनएचजीए) ने कहा है कि पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय को 48 जिलों में 278 स्थानों पर हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ा है और इसे हिंदू धर्म पर हमला करार दिया।

आज 11वीं बार राष्ट्र को ...

डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी करेंगे। दिल्ली क्षेत्र के जीओसी प्रधानमंत्री को ध्वजारोहण के लिए मंच तक ले जाएंगे। लेफ्टिनेंट संजीत सैनी ध्वजारोहण में प्रधानमंत्री की सहायता करेंगे। सेना की 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) के बहादुर तोपची 21 तोपों की सलामी के साथ समन्वय करेंगे। स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड गन का उपयोग करने वाली इस औपचारिक बैटरी की कमान मेजर सबनीस कौशिक के हाथों में होगी और गन पोजिशन ऑफिसर नायब सूबेदार (एआईजी) अनुतोष सरकार होंगे। ध्वजारोहण के बाद *राष्ट्रीय सलामी* दिए जाने के समय सेना, नौसेना और वायु सेना से एक-एक अधिकारी और 32 अन्य रैंक के जवान तथा दिल्ली पुलिस के 128 जवान शामिल होंगे। इस अंतर-सेवा गार्ड और पुलिस गार्ड की कमान कमांडर विनय दुबे संभालेंगे। राष्ट्रीय ध्वज गार्ड में सेना की टुकड़ी की कमान मेजर दिनेश नगांगोम, नौसेना की टुकड़ी की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर सचिन धनखड़ और वायु सेना की टुकड़ी की कमान स्क्वाड्रन लीडर सीएस श्रवण देवैया संभालेंगे। दिल्ली पुलिस की टुकड़ी की कमान एडिशनल डीसीपी अचिन गर्ग संभालेंगे। पंजाब रेजिमेंट मिलिट्री बैंड में एक जेसीओ और 25 अन्य रैंक के जवान शामिल होंगे। ध्वजारोहण और *राष्ट्रीय सलामी* देने के दौरान राष्ट्रगान बजाया जाएगा। बैंड का संचालन सूबेदार मेजर राजिंदर सिंह करेंगे। ध्वजारोहण किए जाने पर भारतीय वायु सेना के दो एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों से ध्रुव लाइन एस्टर्न फॉर्मेशन में पुष्प वर्षा की जाएगी। हेलीकॉप्टर के कैप्टन विंग कमांडर अंबर अग्रवाल और विंग कमांडर राहुल नैनवाल होंगे। उनके भाषण के समापन पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट राष्ट्रगान गाएंगे। देश भर के विभिन्न स्कूलों से कुल 2,000 लड़के और लड़कियां कैडेट (सेना, नौसेना और वायु सेना) समारोह में भाग लेंगे। ये कैडेट प्राचीर के सामने ज्ञानपथ पर बैठेंगे। वे कस्टमाइज्ड तिरंगा किट के साथ *मेरा भारत* लोगो बनाएंगे। कुल 500 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवक भी भाग लेंगे।

असम में 3 सितंबर ...

राज्यसभा सीटों के लिए मतदान 3 सितंबर को होना है। चुनाव आयोग की सुव्यवस्थित प्रक्रिया के अनुरूप, परिणाम उसी दिन घोषित होने की उम्मीद है, जिससे चुनावी प्रक्रिया का शीघ्र समापन हो जाएगा। चुनाव की समय-सीमा और संबंधित प्रोटोकॉल पर और स्पष्टता प्रदान करते हुए, रिटर्निंग ऑफिसर राजीव भट्टाचार्य ने उन व्यापक प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया जो इस महत्वपूर्ण चुनाव प्रक्रिया का मार्गदर्शन करेंगी। यह घोषणा पारदर्शी और समय पर चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, यह सुनिश्चित करती है कि नए प्रतिनिधियों का चयन बिना किसी देरी के हो।

कांग्रेस और कम्युनिस्टों के कारण हुआ था देश का विभाजन : सोनोवाल

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि वर्ष 1947 में भारत के विभाजन की गाथा हमारे इतिहास में एक दुखद अध्याय है, जिसमें हजारों लोगों की जानें गई थी, लाखों लोग विस्थापित हुए, व्यापक हिंसा हुई और अनगिनत घरों और संपत्तियों का विनाश हुआ था। यह घटना विश्व के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल बुधवार को डिब्रूगढ़ जिला भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सोनोवाल ने विभाजन की हिंसा में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उन लोगों के संघर्ष और बलिदान को देश के लोगों को हमेशा याद रखने पर जोर दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि वर्ष 1947 में भारत के विभाजन की दुखद गाथा हमारे इतिहास का दुखद अध्याय है। इसमें हजारों लोगों की जानें गईं, लाखों लोग विस्थापित हुए, व्यापक हिंसा हुई और अनगिनत घरों और संपत्तियों का विनाश हुआ। यह घटना विश्व इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, कम्युनिस्टों और मुस्लिम लीग की लालची और विभाजनकारी नीतियों और सत्ता-लोलुप कार्यों ने देश के लाखों लोगों को दुख पहुंचाया, जिन्हें अकल्पनीय अत्याचार सहना पड़ा। राष्ट्र उस भयावहता और अपार पीड़ा को कभी नहीं भूलेगा। सोनोवाल ने कहा कि विभाजन का दुखद अध्याय कांग्रेस, कम्युनिस्टों और मुस्लिम लीग में सत्ता के भूखे और विभाजनकारी नीति निर्माताओं का परिणाम था। इन दलों ने अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए

राष्ट्र की एकता की बलि चढ़ा दी और पूरे भारत को युद्ध के मैदान में बदल दिया। विभाजन के दौरान लाखों की मौत और विस्थापन के लिए कांग्रेस, कम्युनिस्ट और मुस्लिम लीग पूरी तरह जिम्मेदार हैं। हम एक बार फिर उनके द्वारा पहुंचाई गई पीड़ा की कड़ी निंदा करते हैं। नई पीढ़ी के लिए यह जरूरी है कि वे इस दुखद अध्याय का अध्ययन करें, राजनीतिक रूप से जागरूक हों और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में नए जोश के साथ योगदान दें। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में हमारा देश सभी दिशाओं में तेजी से प्रगति कर रहा है। मोदी ने एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए अथक प्रयास किए हैं। हम सभी शांति, एकता और प्रगति के माध्यम से नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का संकल्प लें। कार्यक्रम में विधायक और एआईडीसी के अध्यक्ष प्रशांत फूकन, भाजपा (डिब्रूगढ़ जिला) के अध्यक्ष उज्ज्वल कश्यप, भाजपा की जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष मामून गोगोई मित्रा, असम पर्यटन विकास निगम (एटीडीसी) की अध्यक्ष रितुपर्णा बरुवा, असम पेट्रो केमिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष बिकुल डेका सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा के तहत नगांव जिला प्रशासन ने बाईक रैली का आयोजन किया

नगांव (निसं)। जिला प्रशासन के तत्वावधान में व जिला परिवहन विभाग के सहयोग से हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को डिमरुगुड़ी स्थित जिला परिवहन कार्यालय से एक विशाल बाईक रैली निकाली गई। उक्त बाईक रैली को नगांव-बटद्रवा के विधायक रूपक शर्मा द्वारा झंडा दिखा कर रवाना किया। इस कार्यक्रम में जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार साह, जिला उन्नयन आयुक्त गुनजीत कश्यप, अतिरिक्त आयुक्त शोभिक भुयां, जिला परिवहन अधिकारी गौतम कुमार दास, समाज सेवक अभिजीत नाथ के अतिरिक्त पुलिस विभाग, यातायात पुलिस विभाग, सरकारी विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण, परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण के साथ अन्य दल संगठन के पदाधिकारीगण आदि भी उपस्थित थे। बाद मंगलवार को दोपहर में जिला प्रशासन के तत्वावधान में नगांव महाविद्यालय के अनिल बोरा प्रेक्षागृह में देश भक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें देश प्रेम के गीत और गीतो पर आधारित नृत्य का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में हाल ही में जिला लेबल पर संपन्न हुई सांस्कृतिक महासंग्राम प्रतियोगिता की विजय परतियोगी जयश्री बोरा (गुनगुन), सुदर्शना कश्यप, शुभसुंदर दे ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त 34 नंबर सीआरपीएफ बटालियन के जवानों ने भी देश भक्ति गीत व नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

मृत अवस्था में मिला जंगली हाथी

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई के हल्दीबाड़ी इलाके में एक जंगली हाथी मृत अवस्था में मिला। इसकी जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल आरंभ किया। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि हल्दीबाड़ी इलाके में फिर एक जंगली हाथी मृत अवस्था में मिला है। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलने के बाद वन विभाग और चिकित्सकों की एक टीम मौके पर पहुंची। हाथी की मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। घटनास्थल के करीब ही हाथी का पोस्टमार्टम कर शव को दफना दिया गया। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हाथी की मौत की असली वजह का पता चल पाएगा। ज्ञात हो कि एक सप्ताह पहले भी इसी इलाके में एक जंगली हाथी मृत अवस्था में पाया गया था। वन विभाग मामले की जांच कर रहा है।

नगांव में श्री गणेश महोत्सव की तैयारीयों को लेकर शक्ति संघ की सभा आयोजित

नगांव (निसं)। शहर की अग्रणीय धार्मिक संस्था शक्ति संघ की महिला समिति की एक सभा मंगलवार को एक निजी रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता महिला समिति की संयोजिका शैलजा भजनका एवं सह संयोजिका ममता सिंघी द्वारा की गई। इस अवसर पर काफी संख्या में महिला सदस्यों की उपस्थिति थी एवं शक्ति संघ के अध्यक्ष अजय मित्तल, सचिव महेश भजनका एवं संघ के सांस्कृतिक एवं प्रचार सचिव अरुण नागरका भी उपस्थित थे। सभा में आगामी 7,8 एवं 9 सितंबर को आयोजित होने वाले श्री गणेश महोत्सव के भव्य आयोजन में कई प्रतियोगिताएं करने का निर्णय लिया गया। जिसमें चित्रांकन प्रतियोगिता, स्वेक्षिक वेशभूषा प्रतियोगिता, आरती की थाली सजाओ प्रतियोगिता, नृत्य

प्रतियोगिता के विषय में विचार-विमर्श कर संयोजिका नियुक्त की गई। संघ के सचिव एवं अध्यक्ष द्वारा तीन दिवसीय आयोजन की संपूर्ण जानकारी सभा के समक्ष रखते हुए बताया कि प्रथम दिन 7 तारीख को सुबह पूजन के पश्चात महाआरती का आयोजन किया जाएगा एवं उसी दिन सांय को महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। 8 सितंबर को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया जाएगा। सांस्कृतिक सचिव ने बताया कि हरियाणा के मोनु ढींगरा एंड पार्टी द्वारा 8 सितंबर को मंच पर रात्रि धार्मिक नृत्य नाटिकाओं का प्रदर्शन किया जाएगा एवं 9 सितंबर को विसर्जन शोभा यात्रा में भी उनके द्वारा धार्मिक झांकियां प्रदर्शित की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस की व्यापक तत्परता

गुवाहाटी (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर असम पुलिस पूरी तरह से तत्पर दिखाई दे रही है। राज्य भर में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। असम के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा-स्व द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह के बहिष्कार की घोषणा के बाद से पुलिस की सक्रियता और अधिक बढ़ गई है। जगह-जगह नाके लगाकर आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग हो रही है। खासकर बोड़ोलैंड क्षेत्र में पुलिस की विशेष तत्परता देखी जा रही है।

चेंगा के बाघमारा चर में लगी आग से लाखों का नुकसान

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के आलोपति चर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बाघमारा चर नंबर 1 के एक परिवार का घर आग में जल गया। बीती रात परिवार में अचानक परिवार के सदस्यों ने आग देखी और शोर मचाया और ग्रामीण आग बुझाने में सफल रहे। आग में बाघमारा चर गांव के इयाद अली के घर के आवश्यक दस्तावेजों के साथ सोने के आभूषण, धान, चावल और नकदी सहित कई लाख रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। परिजनों ने बताया कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी।

बाढ़ में डूबने से एक की मौत

चराईदेव (हिंस)। सोनारी के माहमरा के काकतिबाड़ी में दिसांग नदी के बाढ़ के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रूबुल गोगोई (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि मृतक मंगलवार की रात से लापता था। व्यक्ति का शव आज काकतीबारी में उसके घर के पास पुल के नीचे पाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनारी के राजापुखुरी जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

रंगिया : झूलनोत्सव में मनमोहन झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र

रंगिया (विभास)। शहर के मध्य स्थापित श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित हो रहे शतवार्षिकी श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा *महोत्सव सभी जाति धर्म और वर्ण के लोगों के बीच समन्वय का क्षेत्र बन गया है*। इस आशय की जानकारी मंदिर प्रबंधन समिति तथा आयोजन समिति के सचिव प्रमोद अग्रवाल ने दी। महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को मंदिर संचालन तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सिकारिया द्वारा सुबह 10.01 धार्मिक ध्वजारोहण और रंगिया के विधायक तथा असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा संध्या 6.01 बजे प्रदर्शनी द्वार का उद्घाटन किया गया। इसदिन से महोत्सव के आज द्वितीय दिन भी भारी

मात्रा में लोगों के समागम से उत्साहित समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया, सचिव प्रमोद अग्रवाल, संयोजक राजकुमार लुंडिया, कोषाध्यक्ष दिनेश तोदी सहित सभी पदाधिकारियो ने महोत्सव के आगामी पांच दिन समन्वयक सेतु के रूप में ख्याति प्राप्त इस महोत्सव के सुचारु रूप से आयोजन हेतु सभी समाज बंधुओं से सहयोग और मार्गदर्शन की कामना की है। मालूम हो कि महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में भगवान श्री श्री राधाकृष्ण को झूले में विराजमान कर आकर्षक झांकी सजाई गई है। साथ ही भगवान श्री श्री राधाकृष्ण और अन्य देवी-देवताओं की लीलाओ को चरितार्थ करती कुल 31 झांकियां जिसमें भगवान की लीलाओं को जीवंत रूप देती 13 विद्युत चालित झांकियां सजाई गई है। सभी झांकियां भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर एक विशेष झांकी जिसमें असम के जानेमाने कलाकर स्व. भूपेन हजारिका के गीतों को दर्शाया गया है। यह झांकी आदि लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। महोत्सव को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग बनाए रखने के लिए समिति द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया गया है साथ ही सभी समाज बंधुओं से आगे भी इसी तरह से सहयोग और मार्गदर्शन की कामना की गई है। समिति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव का समापन आगामी 19 अगस्त को किया जाएगा।

रंगिया : एसएसबी मुख्यालय का वॉकथॉन का आयोजन

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय, रंगिया द्वारा उप- महानिरीक्षक राजीव राणा के मार्गदर्शन और निर्देश पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर बुधवार को रंगिया टाउनशिप के आसपास इसका आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले हर घर तिरंगा अभियान की तर्ज पर किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय निवासियों के बीच राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन और वितरण जैसी गतिविधियां भी शामिल रही। इस मौके पर बल मुख्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी, इलाके के बच्चे, युवा और बुजुर्गों ने खुशी से भाग लिया। अभियान के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, मूल्य, ध्वज संहिताओं के बारे में आम जनता में जागरूकता फैलाई गई और उन्हें अपने-अपने घरों और इलाके में गर्व और खुशी के साथ तिरंगा फहराने

के लिए प्रेरित किया गया। वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता दिवस के पूर्व मौके पर बल मुख्यालय रंगिया के उप महानिरीक्षक राजीव राणा और सभी रैंक के अधिकारियों ने सभी भारतीय लोगों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

नकली भारतीय मुद्रा के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने जीटी रोड पर स्थित डाउनटाउन अस्पताल के पास से एक व्यक्ति को बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से छह लाख 68 हजार पांच सौ रुपए के नकली नोट बरामद हुए। एसटीएफ के सूत्रों ने बताया है कि बुधवार को एक खुफिया जानकारी पर दोपहर को दिसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जीटी रोड पर स्थित डाउनटाउन अस्पताल के पास से मणिपुर के मोइरांग, बिष्णुपुर निवासी अबाश को पकड़ लिया।

आईओसीएल बीजीआर की हर घर तिरंगा बाइक रैली का आयोजन 135 इको टास्क फोर्स, कोकराझाड़ में किया गया

कोकराझारड़ (विभास)। आईओसीएल बीजीआर की हर घर तिरंगा बाइक रैली का आयोजन 135 इको टास्क फोर्स, कोकराझाड़ में किया गया। पर्यावरण चेतना और सामुदायिक सहभागिता के एक शानदार प्रदर्शन में, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बंगाईगांव रिफाइनरी (आईओसीएल बीजीआर) के 60 बाइकर्स के एक समूह ने एक यादगार बाइक रैली का आयोजन किया, जिसका समापन कोकराझाड़ के बिश्मुरी में 135 इकोलॉजिकल टास्क फोर्स (ईटीएफ) में हुआ। इस कार्यक्रम में मोटरसाइकिल चलाने के रोमांच के साथ स्थिरता का एक शक्तिशाली संदेश भी शामिल था, जिसमें बाइकर्स ने ईटीएफ यूनिट को 5,000 से अधिक पौधे सौंपे। *हर घर तिरंगा* का संदेश लेकर यह रैली सुबह-सुबह आईओसीएल बीजीआर परिसर से शुरू हुई और बिश्मुरी में अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले काफी दूरी तय की। मार्ग पर दर्शकों को बाइकर्स को देखने का आनंद मिला, उनकी मशीनें पर्यावरण अनुकूल नारों और भारतीय ध्वज से सजी हुई थीं, जब वे उत्साह और जिज्ञासा की एक लहर छोड़ते हुए

गुजरे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 5,000 पौधों का औपचारिक हस्तांतरण था, जो भारतीय सेना के 135 पारिस्थितिक कार्य बल के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए आईओसीएल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस उदार दान से स्थानीय वनीकरण प्रयासों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने और क्षेत्र के हरित आवरण में योगदान मिलने की उम्मीद है। पौधे सौंपे जाने के बाद परिसर में एक औपचारिक वृक्षारोपण किया गया। आईओसीएल के श्री सुनील कलिता, श्री अमरदीप गुरिया और श्री आई गोगोई सहित प्रमुख अधिकारियों और इको टास्क फोर्स के अधिकारियों ने इस प्रतीकात्मक कार्य में भाग लिया और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए कई पौधे लगाए। इस पहल ने पर्यावरण चुनौतियों से निपटने और पारिस्थितिकी संतुलन को बढ़ावा देने में सामूहिक कार्रवाई के महत्व को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री सुनील कलिता ने राष्ट्रीय भावना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति द्वह्नष्टरु के समर्पण पर जोर दिया। बाइकर्स को संबोधित करते हुए, श्री कलिता ने कहा कि *यह बाइक रैली हमारे कर्मचारियों के लिए एक रोमांचक सवारी से कहीं अधिक है। यह आशा और जिम्मेदारी का एक मोबाइल संदेश है। इन 5,000 पौधों में से प्रत्येक एक हरियाली, अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।* औपचारिक कार्यवाही समाप्त होने के बाद, बाइक रैली अपनी आगे की यात्रा के लिए तैयार हो गई। अपने दौरे के ईटीएफ चरण के एक उपयुक्त समापन में, समूह को भारतीय सेना के एक अनुभवी अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल ई प्रेमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाई। 60 मोटरसाइकिलों की गर्जना से बाइकर्स ने पर्यावरण चेतना का संदेश अपने अगले गंतव्य तक पहुंचाया। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी, सामुदायिक जुड़ाव और पर्यावरण सक्रियता के इस अनूठे मिश्रण ने अभिनव आउटरीच कार्यक्रमों के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। जैसे ही ईटीएफ मैदान पर धूल जमी, पौधे सामूहिक कार्रवाई की शक्ति और सकारात्मक बदलाव की संभावना के प्रमाण के रूप में खड़े हो गए, जब संगठन और समुदाय देश और पूरी दुनिया के लिए एक आम उद्देश्य के लिए एक साथ आते हैं।

No.DPRD/BTC/(Gen)-238/2023/138 *Dated Kokrajhar the 13th August, 2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders with a validity period of 180 (one hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered **PWD (Roads/ Building), Irrigation, Water Resources, PHE** others Govt. Contractor's under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category from approved firm/ suppliers of 2020-21/2021-22 according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned up to 2.00 pm on 04/09/2024 and will be opened on the same date and place at 2.15 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of Scheme	A.A Amount (Rs.)	Tender Amount (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender in Rs.	Time for completion in days	Pre-Bid meeting date & time
1	Manikpur Dev. Block	Const. of road sand gravelling from Pagunagaon to Hasora under SOPD fund for the financial year 2024-25	Rs. 1000000.00	Rs. 991227.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	2 months	01/09/24
2	Borobazar T.D. Block	Const. of road sand gravelling from Soto Manakasa to Taijouguri	Rs. 1000000.00	Rs. 991225.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	2 months	01/09/24
3	Borobazar T.D. Block	Const. of road ssand gravelling at No.9 Dwimuguri village	Rs. 1200000.00	Rs. 1189473.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs. 400/-	2 months	01/09/24
4	Borobazar T.D. Block	Const. of box culvert at No.3 Oxiguri near Sukursingh house	Rs. 1200000.00	Rs. 1189471.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs. 400/-	2 months	01/09/24
5	Manikpur	Const. of Crematorium at Kumargaon No.2	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
6	Sidli chirang	Const. of Crematorium at Runikhata Sashan Ghat	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
7	Borobazar T.D. Block	Const. of Crematorium ground at Pub Joy pur	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
8	Borobazar T.D. Block	Const. of Crematorium at Sowari Boripara village Swasansali	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
9	Sidli chirang	Const. of Crematorium at Bhaulaguri village	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
10	Sidli chirang	Const. of Crematorium at East Bwirajhora	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
11	Sidli chirang	Const. of Crematorium ground at Nepalpara near Champawati river	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24
12	Manikpur	Const. of Cremation Centre at Dongagaon 2 No.	Rs. 1000000.00	Rs. 952380.00	(ST, SC, OBC- 1 % & Gen-2%)	Rs.300/-	3 months	01/09/24

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12.00 Noon on all working days from 13/08/2024 to 04/09/2024 in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of any nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the **Director, P&RD, BTC, Kokrajhar**. The Cost of tender (Non-Refundable) must be in the form of Demand Draft/ Banker Cheque of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at **SBI, Kokrajhar** to be deposited **0.03%.**

Sd/-Director,
Panchayat & Rural Development, BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/296

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

-सिसोदिया मामले की दलील भी नहीं आई काम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार सुबह सुनवाई करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वकील ने पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दिए जाने वाली दलील भी रखी, लेकिन उसका भी कोर्ट पर कोई असर नहीं हुआ और अगली सुनवाई 23 अगस्त तय कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार 14 अगस्त को केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा, कि उनके पक्ष में 3 बार जमानत के आदेश दिए जा चुके हैं। इनमें सेक्शन 45 का मामला भी है। उन्होंने बताया कि पीएमएलए ने मई माह में अंतरिम आदेश जारी किया था। इसके बाद पीएमएलए द्वारा जून में नियमित जमानत दे दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट ने पीएमएलए के आदेश पर रोक लगा दी। इसके साथ ही जमानत की अर्जी दी गई, लेकिन इन तमाम दलीलों के बाबजूद कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इंकार कर दिया और अगली पेशी 23 अगस्त की तय कर दी। यहां बताते चलें कि सिसोदिया मामले में भी इसी आशय की दलीलें कोर्ट में रखी गईं थीं, जिनमें कहा गया था कि मुकदमे में किसी प्रकार की कोई प्रोग्रेस ही नहीं हुई है और सिसोदिया को जमानत भी नहीं दी जा रही है। इसी आधार पर बुधवार को सिंघवी ने अदालत से कहा कि इस मामले पर शीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 मई, 2024 को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सिसोदिया जमानत की अर्जी लगाते हुए कहा था कि 2023 अक्टूबर से उनके खिलाफ मुकदमे में किसी प्रकार की कोई प्रगति ही नहीं हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी थी। गौरतलब है कि ट्रायल कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक में सिसोदिया की जमानत याचिका कई बार खारिज हुई अंततः मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सिसोदिया की याचिका पर फैसला सुनाया और कहा कि जमानत के मामले में हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट सेफ गेम खेल रहे हैं। इसी के साथ उन्हें जमानत दे दी गई। यहां सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल मामले में भी यही उम्मीद की जा रही थी कि इस बार उन्हें जमानत मिल जाएगी, लेकिन कोर्ट ने सिसोदिया वाली दलील को भी नहीं माना और अगली सुनवाई के लिए तारीख तय कर दी है।

विभाजन के वक्त प्रताड़ना से मृत हुए लोगों को शाह ने दी श्रद्धांजलि

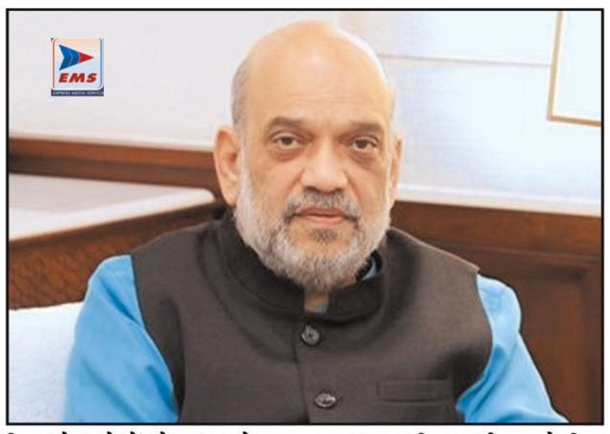

नई दिल्ली(ईएमएस)। 1947 में भारत का विभाजन हुआ था। इस दौरान सैकड़ों लोगों को प्रताड़ना सहना पड़ा जिससे उनकी मौत हो गई। इस तरह की अमानवीयता से गुजरने वालों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस मौके पर शाह ने कहा कि जो राष्ट्र अपने इतिहास को याद रखता है वह मजबूत भविष्य बना सकता है और एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर सकता है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने 1947 में आज ही के दिन भारत का बंटवारा कर दिया था, जिससे पाकिस्तान का एक नये राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ था। बंटवारे के बाद बड़े पैमाने पर हुए दंगों में लाखों लोग विस्थापित हुए थे और कई लोगों की जान चली गई थी। देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वालों की याद में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के बारे में घोषणा करते हुए कहा था कि यह दिवस लोगों के संघर्ष और बलिदानों की याद में मनाया जाएगा क्योंकि बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने इतिहास के सबसे क्रूर प्रकरण के दौरान अमानवीय पीड़ाओं का सामना किया, जीवन खो दिया और बेघर हो गए। उन्होंने लिखा, अपने इतिहास को स्मृति में बसाकर, उससे सीख लेकर ही एक राष्ट्र अपने मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकता है और एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से इस दिवस को मनाने की परंपरा राष्ट्रनिर्माण की ओर उठाया गया मजबूत कदम है।

रिमोट से उड़ने वाला लड़ाकू विमान अमेरिका से खरीदेगा भारत, सेना और अधिक होगी सशक्त

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय सेना को ताकतवर बनाने के लिए अत्याधुनिक हथियार और लडाकू विमान खरीदे जा रहा हैं। इसी कड़ी में भारत अमेरिका से 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी हंटर-किलर रिमोट से संचालित विमानों के अधिग्रहण के लिए बातचीत को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। इस साल नवंबर-दिसंबर तक इस मेगा डील को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इनमें से सबसे अधिक 15 ड्रोन नौसेना को मिलने वाले हैं। इसके बाद सेना और वायुसेना के 8-8 मिलेंगे। ये डील उस वक्त की जा रही है जब चीन और पाकिस्तान दोनों ही अपने सशस्त्र ड्रोन के बेड़े को मजबूत कर रहे हैं। अमेरिका ने 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी ड्रोन और संबंधित उपकरणों के लिए 33,500 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत लगाई है। भारत इसकी लागत कम करने की दिशा में बात कर रहा है। उपकरणों में 170 हेलफायर मिसाइलें, 310 जीबीयू-39बी प्रेसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम, नेविगेशन सिस्टम, सेंसर सूट और मोबाइल ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम शामिल भी हैं।एक सूत्र ने कहा, अमेरिकी सरकार और जनरल एटॉमिक्स द्वारा अन्य देशों को दी जाने वाली कीमत और शर्तों को ध्यान में रखा जा रहा है। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से अंतिम मंजूरी के बाद इस कैलेंडर वर्ष के भीतर सौदे को पूरा करने के लिए सभी प्रयास चल रहे हैं। बता दें कि यह डील ऐसे समय में होने जा रही है जब चीन ने पाकिस्तान को अपने सशस्त्र कै होंग-4 और विंग लूंग-2 ड्रोन की आपूर्ति बढ़ा दी है। एक सूत्र ने कहा, पाकिस्तान ने चीन से 16 और सशस्त्र सीएच-4 ड्रोन मांगे हैं। उसके पास पहले से ही सेना में सात और नौसेना में तीन सीएच-4 ड्रोन हैं।एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर-बी ड्रोन को 40,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगभग 40 घंटे तक उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है। ये सटीक हमलों के लिए हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों और स्मार्ट बमों से लैस होंगे। इन्हें चीनी सशस्त्र ड्रोनों से कहीं बेहतर माना जाता है।

चार साल में सभी रेल इंजनों में लग जाएगा 4.0 सुरक्षा कवच : रेल मंत्री बैष्णव

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में दौड़ रही ट्रेनों को सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे लगातार प्रयास कर रहा है। इन्ही प्रयासों के बीच अब तय किया गया है कि हर एक 5 हजार रेल इंजनों में 4.0 सुरक्षा कवच लगाए जाएंगे और ये काम आगामी चार सालों में पूरा हो जाएगा। इस आशय की जानकारी खुद रेल मंत्री अश्वनी वेष्णव ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सेफ्टी और सिक्योरिटी रेलवे की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में ट्रेन हादसों को रोकने के लिए कवच 3.2 की जगह कचव 4.O अप्रूव हुआ है। अब रेलवे ट्रेनों, स्टेशनों और ट्रैकों पर कवच 4.O लगाया जाएगा। कचव 4.O तकनीक पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका ट्रायल पहाड़ी इलाकों से लेकर समुद्री तट तक और बर्फबारी वाले इलाकों से लेकर घने जंगलों तक किया जा चुका है। सभी इलाकों में इसका ट्रायल सफल रहने के बाद आरडएसाओ ने अप्रूवल दे दी है। इसके बाद रेलवे मंत्रालय ने दो और रूटों पर लगाने का फैसला किया है। भारतीय रेलवे में 20 हजार के करीब इंजन हैं। रेलवे के अनुसार हर साल करीब 5 हजार इंजनों पर कचव 4.O लगाया जाएगा।

इस तरह अगले चार साल में सभी इंजन कचव 4.O से लैस हो जाएंगे। इसके साथ ही, ट्रैक और स्टेशन प्वाइंट पर भी कचव 4.O लगाया जाएगा। तीनों जगह कचव लगने के बाद ट्रेनों में टक्कर होने की संभावना खत्म हो जाएगी। साथ ही मौजूदा समय देशभर में 52 वंदेभारत एक्सप्रेस चल रही हैं। यात्रियों की पसंदीदा ये ट्रेन सभी राज्यों को (पूर्वोत्तर को छोड़कर) कवर कर रही है। भारतीय रेलवे इन सभी ट्रेनों में यात्रियों की सेफ्टी से जुड़ा एक बड़ा बदलाव करने जा रही है, जिससे काफी हद तक इन ट्रेनों से सफर सुरक्षित हो सकेगा। यह बात स्वयं रेलमंत्री ने बताई है। रेल मंत्री ने बताया कि मौजूदा समय दौड़ रही 52 वंदेभारत एक्सप्रेस कचव से लैस हैं, लेकिन इनमें कचव 3.2 लगा हुआ है, लेकिन 4.0 अप्रूव होने के बाद वंदेभारत एक्सप्रेस को अपडेट किया जाएगा। इस तरह सभी ट्रेनों में लगे कचव को अपग्रेट किया जाएगा। हालांकि उन्होंने बताया कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। जल्द ही इस दिशा में काम शुरू हो जाएगा। अब तक कवच 1,465 किमी। ट्रैक पर लग चुका है। साथ ही 121 इंजनों पर कचव लगाया गया है।

राष्ट्रपति ने अमृत उद्यान ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण के उद्घाटन की शोभा बढ़ाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज अमृत उद्यान ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण, 2024 के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। अमृत उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक (अंतिम प्रवेश - शाम 05:15 बजे) आम जनता के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सोमवार को उद्यान के रखरखाव के कारण बंद रहेगा। इसके अलावा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों के लिए और 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के लिए आरक्षित रहेगा। प्रवेश के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। यह निःशुल्क है। आगंतुक राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं। वहीं सीधे आने वाले आगंतुक गेट नंबर 35 के बाहर रखे गए सेल्फ सर्विस कियोस्क के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। प्रवेश नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा। आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक निःशुल्क शटल बस सेवा भी उपलब्ध होगी।

राजस्थान विधानसभा: 22 दिनों में पूछे गए 8 हजार सवाल

जयपुर(ईएमएस)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र हंगामे से भरा रहा। आलम यह था कि हंगामे के चलते विपक्षी विधायक सदन में ही रात बिताने लगे थे। इस बीच बजट पर भी चर्चा हुई, कई बड़े-बड़े ऐलान किए गए और सवालों की बौछार भी हुई। राजस्थान के 16वीं विधानसभा के दूसरे सत्र में विधायकों ने 8,088 प्रश्न पेश किए, जिनमें से 426 चर्चा के लिए सूचीबद्ध यानी कि लिस्टेड थे। यह सत्र 22 दिन तक चला और सदन की कार्यवाही 175 घंटे तक चली, जिसे 2 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि बहाल स्लिप सिस्टम को विधायकों से 808 सब्मिशन प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा, इनमें से 71 को एक रैंडम ड्रा के माध्यम से चुना गया, जिससे विधायकों को सदन में अपनी चिंताओं को प्रस्तुत करने की अनुमति मिली। देवनानी ने कहा, यह सिस्टम तत्काल सार्वजनिक मुद्दों के समाधान के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से प्रति दिन चार पर्चियां जमा करने का समर्थन करती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद, देवनानी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि विधानसभा में उठाए गए 92 प्रतिशत प्रश्नों का उत्तर दिया गया और उन्हें विधानसभा के पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न विभागों के लिए 64 अनुदान मांगों में से 19 पर आठ दिनों में चर्चा की गई, जो एक ही सत्र में संबोधित अनुदान मांगों की सबसे अधिक संख्या है। विशेष रूप से, वर्षों में पहली बार, गृह और शिक्षा विभागों के लिए अनुदान मांगों को छोड़ दिया गया था।

रामसर स्थलों की सूची में जुड़े तीन और स्थल, संख्या हुई 85

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्वंतत्रता दिवस से पहले देश में तीन स्थल और रामसर स्थलों की सूची में शामिल हो गए हैं। तमिलनाडु से नंजरायन पक्षी अभयारण्य और काजुवेली पक्षी अभयारण्य और मध्य प्रदेश से तवा जलाशय को भारत के रामसर स्थलों की सूची में जोड़ा गया है। इस पर केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने खुशी जाहिर करते हुए राज्यों को बधाई दी है। भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर साझा किए पोस्ट पर इसे त्रिगुण आनंद बताते हुए कहा कि जैसा कि राष्ट्र अपना स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, वहीं, अपने भारत के रामसर स्थलों की सूची में तीन रामसर साइटें जोड़ी गई हैं। इससे रामसर स्थलों की संख्या 85 तक पहुंच गई है, जो भारत में 13,58,068 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। यह उपलब्धि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने, हमारी आर्द्रभूमियों को अमृत धरोहर कहने और उनके संरक्षण के लिए लगातार काम करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर को दशार्ती है।

उन्होंने इस अवसर पर तमिलनाडु औऱ मध्यप्रदेश राज्यों को नंजरायन पक्षी अभयारण्य और काजुवेली पक्षी अभयारण्य तवा जलाशय को भारत के रामसर स्थलों की सूची में जोड़े जाने पर बधाई दी है।

कोलकाता डॉक्टर रेप और हत्या मामले में सीबीआई ने संजय राय को हिरासत में लिया

कोलकाता, (हि.स.)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने कोलकाता डॉक्टर रेप और हत्या मामले की जांच शुरू करने के साथ ही बुधवार को संजय राय की हिरासत कलकत्ता पुलिस से अपने कब्जे में ले ली है। कोलकाता पुलिस के वालंटियर संजय राय को हिरासत में लेने के बाद सीबीआई अधिकारियों की एक टीम उसे सीधे एजेंसी के साल्ट लेक स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालय (सीजीओ) कॉम्प्लेक्स में ले गई और पूछताछ शुरू की है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई अधिकारियों की टीम को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया है। एक समूह में पूछताछ विशेषज्ञ शामिल हैं, जो संजय राय और उन अन्य लोगों से पूछताछ करेंगे, जिन्हें आगे की जांच के लिए बुलाया जाएगा। सीबीआई टीम का एक अन्य समूह मेडिकल कॉलेज में घटनास्थल की जांच करेगा। फोरेंसिक विशेषज्ञ सीबीआई टीम के साथ होंगे और अस्पताल में घटनास्थल से नमूने एकत्र करेंगे। सीबीआई अधिकारी अस्पताल के स्टाफ सदस्यों, मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों से भी बातचीत करेंगे और उस रात की घटनाओं के क्रम को समझने की कोशिश करेंगे। सूत्रों का कहना है कि जांच अधिकारी पीड़ित जूनियर डॉक्टर और वालंटियर संजय राय के मोबाइल फोन की भी जांच करेंगे और उनके कॉल लिस्ट की समीक्षा करेंगे। जांच टीम की पहली प्राथमिकता यह पता लगाना है कि इस अपराध में केवल संजय शामिल था या इसमें उसके और भी साथी शामिल थे। इस बीच भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी असोकन ने बुधवार सुबह कोलकाता में पश्चिम बंगाल इकाई के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की।

भोपाल में निकली 30 किमी लंबी तिरंगा यात्रा, सीएम डॉ. यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कर्मश्री संस्था द्वारा कोलार रोड स्थित मदर टेरेसा स्कूल से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने जीप में सवार होकर तिरंगा लहराते हुए यात्रा की अगवानी की। इस मौके पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा उनके साथ रहे। भोपाल के कोलार रोड स्थित मदर टेरेसा स्कूल से संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) तक करीब 30 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा को सुबह साढ़े 11 बजे सीएम डॉ. मोहन यादव ने यात्रा को हरी झंडी दिखाई। वे करीब 7 किलोमीटर तक खुली जीप में विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ हाथों में तिरंगा थामे रहे। यात्रा के चलते ट्रैफिक व्यवस्था बदली रही। बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलों पर सवार युवा तिरंगा लहरा ते यात्रा में आगे बढ़ रहे थे। सड़क के दोनों ओर खड़े स्कूली बच्चे तिरंगा लहराकर और वंदे मातरम तथा भारत माता की जय बोलकर यात्रा का अभिवादन कर रहे थे। सामाजिक संस्थाओं, व्यापारी संगठनों, समाजसेवियों, महिला संगठनों द्वारा बनाए गए मंचों से यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा में ड्यूटी कर रहे पुलिस कांस्टेबल भी अपनी मोटरसाइकिलों पर तिरंगा लहराते हुए में दायित्व निर्वहन कर रहे थे। तिरंगा यात्रा से क्षेत्र का संपूर्ण वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी आन बान शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से पूरे देश को देशभक्ति और स्वतंत्रता की भावना में ओतप्रोत होने का अवसर प्रदान किया है। तिरंगे में विद्यमान चक्र देश की गति को दशार्ता है , प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमने देश को विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। देश की शक्ति और विशेष कर युवा सामर्थ्य के माध्यम से हम जल्द ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था होंगे। स्वतंत्रता दिवस का महत्व हमारे सभी प्रमुख त्योहार होली दिवाली से अधिक है, अतः हर घर में तिरंगा लहराना चाहिए।

ट्रैफिक रूट डायवर्ट किया – तिरंगा यात्रा के चलते ट्रैफिक रूट डायवर्ट किया गया है। यह यात्रा मदर टेरेसा स्कूल से शुरू होकर सेमरी जोड़, गेहूंखेड़ा, बीमाकुंज, मंदाकिनी चौराहा, सर्व-धर्म ब्रिज, चूना भट्टी चौराहा, कोलार रेस्ट हाउस, मैनिट चौराहा, माता मंदिर, अटल पथ, रोशनपुरा चौराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, कमला पार्क, वीआईपी रोड, खानूगांव चौराहा, लालघाटी चौराहा, हलालपुर बस स्टैंड, चंचल चौराहा, कालिका चौराहा होते हुए बैरागढ़ से आगे भैंसाखेड़ी कृषि उपज मंडी पहुंचेगी।

भारत की मेजबानी में खत्म हुआ बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का पहला चरण

- फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और स्पेन की वायु सेनाओं के विमानों ने किया अद्भुत प्रदर्शन
- भारतीय टुकड़ी ने हवाई उड़ानों में 'आत्मनिर्भरता' के तहत दिखाई स्वदेशी क्षमता

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति ' के पहले चरण का समापन बुधवार को दक्षिण भारत के तमिलनाडु के सुलूर में हो गया। इसमें भारत, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और स्पेन की वायु सेनाओं के राफेल, टाइफून, एसयू-30, एलसीए, ए-400 सैन्य परिवहन विमान और एयरबस ए330 मल्टी-रोल टैंकर परिवहन विमानों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। भारतीय टुकड़ी ने हवाई युद्ध उड़ानों में भाग लेकर 'आत्मनिर्भरता' के तहत स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का पहला चरण 6 अगस्त को शुरू हुआ था। इसका दूसरा और अंतिम चरण 29 अगस्त से 14 सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में होगा। दूसरे चरण में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश, सिंगापुर, यूएई की वायु सेनाएं शामिल होंगी। इन वायु सेनाओं के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, विशेष ऑपरेशन विमान, मध्य हवा में ईंधन भरने वाले और हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) विमान सहित 70-80 विमान भाग लेंगे। अभ्यास 'तरंग शक्ति' में वायु सेना के अग्निवीरों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभ्यास से संबंधित सभी कार्यों में शामिल होकर उन्हें अपने कौशल को निखारने का मौका मिला। भारत के पहले बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' ने वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करके उन्नत हवाई क्षमताओं को प्रदर्शित किया। भारतीय टुकड़ी ने हवाई युद्ध उड़ानों में भाग लेकर 'आत्मनिर्भरता' के तहत स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के लिए भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30 ने राफेल की जोड़ी का नेतृत्व किया। 'तरंग शक्ति' अभ्यास में भारत के सबसे छोटे लड़ाकू एलसीए तेजस ने अपनी क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया।

इसकी ताकत परखने के लिए कई विदेशी वायु सेनाओं के प्रमुखों ने एलसीए में उड़ान भरी। सुलूर एयरबेस पर अभ्यास के पहले चरण के समापन पर मीडिया ब्रीफिंग में भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि सबसे छोटे लड़ाकू विमान एलसीए ने दिखाया कि आकार मायने नहीं रखता, क्योंकि इसने बड़े और आधुनिक वैश्विक लड़ाकू विमानों के साथ-साथ दोस्ताना 'ब्लू फोर्स' और शत्रुतापूर्ण 'रेड फोर्स' मिशनों को अंजाम देकर यथार्थवादी युद्ध स्थितियों में अपनी क्षमताएं साबित की हैं। अभ्यास तरंग शक्ति के पहले चरण के दौरान सभी उद्देश्य पूरे हो गए हैं। चौधरी ने कहा कि यह पहली बार था जब एलसीए एमके-1 ने इतने बड़े सैन्य अभियान में हिस्सा लिया और हमें इसके प्रदर्शन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि तेजस भारत के आत्मनिर्भरता अभियान में हमारी सफलता का प्रतीक है। हम देश के अंदर और बाहर हवाई युद्ध अभ्यास में इस विमान का अधिक उपयोग करेंगे। भारतीय वायुसेना के पास करीब 40 एलसीए एमके-1 हैं और ये सभी सुलूर में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय लड़ाकू विमान जर्मन, फ्रांसीसी और स्पेनिश वायु सेनाओं के साथ मिलकर उड़ान भरकर हमेशा के लिए एक दूसरे से जुड़े बंधन बन गए हैं। यह मित्र देशों के साथ एकता और एक-दूसरे की सहयोग शक्ति का प्रमाण है। फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष बल स्टाफ के प्रमुख जनरल स्टीफन मिल ने 13 अगस्त को भारतीय वायु सेना के स्वदेशी लड़ाकू जेट एलसीए तेजस पर उड़ान भरी। फ्रांसीसी वायु सेना के राफेल पायलट 38 वर्षीय मेजर एलेक्सिस गैलोजो ने एलसीए एमके-1 के साथ और उसके खिलाफ मिशन उड़ाए। भारतीय लड़ाकू जेट की क्षमताओं से प्रभावित फ्रांसीसी मेजर ने कहा कि इसकी गतिशीलता शानदार है और यह कई तरह के मिशनों को अंजाम दे सकता है। भारतीय वायु सेना प्रमुख और स्पेनिश वायुसेना प्रमुख ने अपने-अपने सुखोई-30एमकेआई में उड़ान भरी।

फ्रांसीसी और जर्मन वायु सेना प्रमुखों ने भारतीय वायु सेना के फ्लाइंग डैगर्स और फ्लाइंग बुलेट्स स्क्वाड्रन के स्वदेशी तेजस में उड़ान भरी। सुलूर में अभ्यास के दौरान लड़ाकू मिशन के लिए तेजस और जर्मन एयर फोर्स के टाइफून ने एक साथ उड़ान भरी। अभ्यास के विभिन्न मिशनों के दौरान जर्मन वायु सेना के ए400 एम, फ्रांसीसी राफेल और तेजस ने एक साथ हिस्सा लिया। स्पेन के वायु सेना प्रमुख एयर जनरल फ्रांसिस्को ब्राको कार्बो ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू जेट एलसीए तेजस पर उड़ान भरी। इसके बाद उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का अनुभव शानदार रहा। इस अभ्यास के दौरान अनुभवों का आदान-प्रदान करने का बड़ा अवसर मिला। भारतीय वायु सेना से हमें मिला समर्थन शानदार रहा है। हमें भारत के स्वनिर्मित विमान तेजस से बहुत कुछ सीखना है।

देश का विभाजन फिर से ना हो नई पीढ़ी को समझना होगा : उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि देश का विभाजन फिर से ना हो इसके लिए नई पीढ़ी को समझना होगा, उस वक्त क्या परिस्थितियां रही वो अलग बात है। वे बुधवार को भगत की कोठी स्टेशन पर लगाई विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी का शुभारंभ करने पहुंची और बाद में मीडिया से बातचीत की। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि हमें इतिहास को जानना होगा। इसलिए बहुत जरूरी है कि देश भर में जहां जहां इस तरह की प्रदर्शनी लगाई जा रही है उसे जाकर देखें और हमारे इतिहास को जानिए एवं समझये। ऐसा दुबारा नहीं हो इसके लिए नई पीढ़ी को समझना होगा। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि ऐसी कोई भी परिस्थिति ना बने कि हमारे देश को किसी तरह की आंच आएं। उन्होंने 9 अगस्त से 15 अगस्त चल रहे घर- घर तिरंगा की बात पर कहा कि सभी अपने अपने घरों में तिरंगा जरूर लहराएं। तिरंगा हमारी शान है। उन्होंने पत्रकारों द्वारा बजट को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कहा कि विधानसभा बजट में सभी को बहुत कुछ मिला है। ट्यूरिज्म के लिए अच्छा काम किया जाएगा। ड्रेनेज का सिस्टम पूरे राजस्थान में सही नहीं है, इसमें सुधार के प्रयास किए जाएंगे। केंद्र से आने वाला पैसा भी जिस काम में लगना चाहिए वहां नहीं लगा है। ड्रेनेज को लेकर भजनलाल सरकार चिंतित है और इसमें सुधारात्मक प्रयास किए जा रहे है।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सीमावर्ती इलाकों में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

किशनगंज (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस और बांग्लादेश में उथल पुथल के बाद से जारी हिंसा और अंतरिम सरकार बनने के बाद जिला प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही सीमावर्ती इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिले के सभी महत्वपूर्ण स्थान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और होटलों में पुलिस की ओर से सघन जांच की जा रही है। बुधवार को जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने कहा कि तमाम सीमावर्ती थानों को अलर्ट किया गया है। सीमावर्ती इंडो-नेपाल बॉर्डर पर पुलिस की पैनी नजर है। हर एक गतिविधि पर किशनगंज पुलिस प्रशासन नजर बनायी हुई है। उन्होंने कहा कि इंडो-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात पारामिलिट्री फोर्स, बीएसएफ के अधिकारियों के साथ समय-समय पर संपर्क स्थापित की जा रही है। जिले से सटे पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ भी संपर्क स्थापित किया गया है। एसपी सागर कुमार ने कहा कि बंगलादेश बॉर्डर पर सुरक्षा के मद्देनजर बीएसएफ की ओर से अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में गुलाबी नगर में आक्रोश, निकाली रैली

जयपुर (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति हो रहे अत्याचार और हिंसा को लेकर जयपुर में भी आक्रोश है। हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में बुधवार दोपहर 12 बजे तक बाजार बंद रहे। सर्व हिंदू समाज द्वारा आयोजित आक्रोश रैली में हजारों की संख्या में लोगों ने शामिल होकर विरोध जताया। रैली में शामिल एक शहरवासी सुधीर ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार और अत्याचार के विरोध में पूरा विश्व बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ है, इस भावना के साथ जयपुर के हिंदू समाज के लोग बड़ी संख्या में यहां इकट्ठे हुए हैं। रामलीला मैदान में आयोजित सभा में ओजस्वी कविताओं का पाठ भी किया गया। बारिश में भी लोगों के हुजुम विरोध प्रदर्शन में पहुंचे। आक्रोश रैली में संत समाज भी सम्मिलित हुआ। सभा स्थल पर पहुंचे संतों का स्वागत मंच द्वारा किया गया। न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान पर सभा में रामधुनि और देशभक्ति गीत हुए। हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। शहर में प्रात: काल से हो रही बारिश के बीच बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष अपने हाथ में ओम पताकाएं एवं तिरंगे झंडे लिए हुए रैली में सम्मिलित हुए। रैली रामलीला मैदान से निकलकर सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर पहुंची। बड़ी चौपड़ से रैली त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए रामलीला मैदान पर रैली संकल्प के साथ समाप्त हुई कि हिंदू एकजूट है, हिंदू एक है। आपस की छोटी-मोटी बातों को भूलकर विश्व में जहां कहीं भी हिंदू पर अत्याचार होता उसके विरोध में हिंदू एक साथ खड़ा होगा। रैली की विशेषता यह भी रही कि इसमें समाज का सामूहिक नेतृत्व रहा। प्रात: नौ बजे जयपुर में स्थित गलता तीर्थ पर बांग्लादेश में बलिदानी हुए हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक तर्पण कार्यक्रम किया गया। कई स्थानों पर हिंदुओं के संपूर्ण परिवार की सामूहिक हत्या कर दी गई, जिन परिवारों के अंतिम संस्कार करने वाला भी कोई शेष नहीं बचा। इसलिए जयपुर के हिंदू समाज द्वारा गलता तीर्थ पर आज यह तर्पण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार बेसन वाले, मोहित खंडेलवाल, घनश्याम टेलर, सूरज गोड़ीवाल, महेश गुप्ता, सुरेश आदि उपस्थित रहे। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार रोकने तथा वहां की कार्यकारी सरकार की सद्बुद्धि की प्रार्थना करते हुए मंगलवार रात भर और बुधवार सुबह आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में हरिनाम संकीर्तन किया गया।

चौथी कक्षा की छात्रा के साथ बलात्कार करने के आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार करने की मांग

जींद (हिंस)। चौथी कक्षा की छात्रा के साथ बलात्कार करने के आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर बुधवार को जनवादी महिला समिति की राज्य अध्यक्ष सविता व जिला अध्यक्ष नूतन प्रकाश ने बुधवार को डीएसपी अमित भाटिया और डीएसपी गीतिका जाखड़ से मुलाकात की। संगठन का प्रतिनिधिमंडल उचाना क्षेत्र के गांव में पहुंचा व पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पीड़ित बच्ची की मां व अन्य परिजनों ने प्रतिनीधि मंडल के साथ अपना दुख और रोष सांझा किया। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि जिस निजी स्कूल में बच्ची पढ़ती है। उसी स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा एक बच्ची के साथ घिनौना काम किया गया है। गांव में आरोपी पक्ष द्वारा पंचायत कर हमारे ऊपर मामला वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। परंतु हम आखरी दम तक न्याय की लड़ाई लड़ेंगें। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने पीड़ित परिवार के हौंसले को सलाम किया और न्याय की लड़ाई में हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। जनवादी महिला समिति ने डीएसपी अमित भाटिया को ज्ञापन देते हुए इस पूरे मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रतिननीधिमंडल ने कहा कि स्कूलों में छोटी-छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। छह महीने पहले ही उचाना के सरकारी स्कूल प्रिंसिपल द्वारा भी कई बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न करने का बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया था।

राज्यपाल ने जन-धन योजना, हर घर जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना को सुदृढ़ किए जाने के दिए निर्देश

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आदिवासी क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े विभागों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनजाति क्षेत्र विकास विभाग का दायित्व केवल जनजातीय विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं है बल्कि जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास की जवाबदेही उनकी है। उन्होने केंद्र और राज्य सरकार के विकास लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। बागड़े बुधवार को राजभवन में जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों की पढ़ाई, उनकी छात्रवृत्ति, आवास योजनाओं और वहां पर काश्तकारों के बारे में बिंदुवार जानकारी ली। बैठक में जनजाति विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने जन-धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों, *हर घर जल* के तहत लाभान्वित परिवारों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत कृषि विकास के लिए किए कार्यों, हर गांव में पक्की सड़क निर्माण की प्रगति, गांवों में आरोग्य सेवाओं की स्थिति, आयुष्मान भारत योजना आदि के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन सभी योजनाओं का व्यावहारिक रूप में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होने कहा कि केवल लक्ष्य पूर्ति के लिए ही कार्य नहीं हो बल्कि यह भी देखा जाए कि आदिवासी क्षेत्र के लोगों को वास्तविक रूप में विकास योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग को आदिवासी गांवों में सामुदायिक चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही वहां पर टीबी और कैंसर जांच शिविर आयोजित करवाने और टीबी और कैंसर मुक्त जनजातीय क्षेत्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्यमिता और कौशल विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति उत्पादों का प्रभावी विपणन किया जाए। प्रयास किया जाए कि आदिवासी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उत्पादित उत्पाद ही प्रदेश में अधिकाधिक उपयोग किए जाएं और इससे स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में राजभवन में आदिवासी क्षेत्र निर्मित उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों ने राज्यपाल को आदिवासी क्षेत्र में रोजगार गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए वहां के लोगों के कौशल और निर्मित उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी। इससे पहले जनजाति क्षेत्र विभाग के सचिव जोगाराम ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में 53 आश्रम आवासीय विद्यालय खोले गए हैं। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में खोले गए छात्रावास और एकलव्य आवासीय विद्यालयों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकार निरंतर यह प्रयास कर रही है कि आदिवासी क्षेत्रों का प्रभावी विकास हो।

विभाजन की पीड़ा को कभी भुलाया नहीं जा सकता : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के बंटवारे के समय जिन लोगों ने नरसंहार की त्रासदी को झेला है, उनकी पीड़ा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन के समय कुर्बानी देने वाले लोगों की याद में स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐलान किया है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2021 को लाल किले की प्राचीर से की थी। इसी कड़ी में आज हरियाणा सरकार ने इस दिन को *संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना* के तहत राज्य स्तरीय कार्यक्रम के रूप में मनाने की शुरुआत कुरुक्षेत्र से की है। मुख्यमंत्री सैनी बुधववार को जिला कुरुक्षेत्र में पंचनद स्मारक ट्रस्ट के तत्वावधान में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रक्तपात में मारे गए पूर्वजों के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उस तरह का नरसंहार दुनिया के किसी भी भू-भाग में न हो। भारत का विभाजन एक ऐसी त्रासदी है, जिस पर आजादी के बाद का लगभग आधा साहित्य भरा पड़ा है। विभाजन की पीड़ा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि 14 अगस्त का दिन भारत के बंटवारे का दुखद दिन है। वर्ष 1947 में भारत की आजादी की प्रक्रिया चल रही थी तो आज के दिन भारत माता की छाती पर लकीर खींच कर देश का विभाजन भी किया गया था। इस तरह हमें आजादी की भारी कीमत चुकानी पड़ी। हमारा देश तो बंट ही गया, दोनों तरफ के करोड़ों लोग उजड़ गए तथा लाखों लोग दंगों में मारे भी गए। माताओं-बहनों पर अत्याचार किए गए। आज भी उस मंजर को याद करके मानवता की रूह कांप जाती है। उन्होंने कहा कि आज इस कार्यक्रम में विभाजन के दौरान हुई त्रासदी पर बनाई गई लघु फिल्म को देखकर हमें इतनी पीड़ा हो रही है, तो जिन लोगों ने उस त्रासदी को झेला है, उन पर क्या बीती होगी। जब कभी अपने बड़े बुजुर्गों से सुनी वे घटनाएं मानस पटल पर दृश्य बनकर उभर आती हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन की इन्हीं यादों को बनाए रखने और नई पीढ़ियों को आपसी प्यार व सद्भाव की सीख देने के लिए कुरुक्षेत्र जिले के गांव मसाना में देश का विश्व स्तरीय शहीदी स्मारक बनाया जा रहा है। इस स्मारक पर लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए पंचनद स्मारक ट्रस्ट ने 25 एकड़ भूमि सरकार को दान के रूप में दी है।

अमर शहीद मदनलाल ढींगड़ा की प्रतिमा तोड़ने वालों के खिलाफ की जाए कार्रवाई : पंजाबी कल्याण मंच

हिसार (हिंस)। पंजाबी कल्याण मंच ने अज्ञात लोगों द्वारा रेड स्कवेयर मार्केट स्थित अमर शहीद मदनलाल ढींगड़ा की प्रतिमा तोड़ने की निंदा की है। मंच ने प्रतिमा तोड़ने वालों पर अभी तक कोई कार्रवाई न किए जाने पर भी रोष जताया है। इस संबंध में पंजाबी कल्याण मंच की बैठक बुधवार को प्रधान मुकेश सेठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंच पदाधिकारियों ने बताया कि अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा की प्रतिमा रेड स्कवेयर मार्केट में जिस जगह पर स्थापित है, वह जगह पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल द्वारा पंजाबी कल्याण मंच को आवंटित की गई थी। इस प्रतिमा की स्थापना प्रसिद्ध समाजसेवी विजय ग्रोवर व तत्कालीन प्रधान नानक चंद महता के सानिध्य में की गई थी। तब से लेकर आज तक मंच द्वारा अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा की जयंती व बलिदान दिवस पर उक्त स्थल पर समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्ति भागीदारी करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिमा को तोड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। महासचिव इंद्र शर्मा ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया है कि इस मामले में मंच का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पुलिस अधीक्षक से मिलेगा और मामले में कार्रवाई की मांग की करेगा।

राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर (हिंस)। राज्यसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामाकन पत्र भरने की प्रक्रिया आरंभ हो गयी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के लिए राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा को रिटर्निंग ऑफिसर एवं संजीव कुमार शर्मा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। रिटर्निंग ऑफिसर महावीर प्रसाद शर्मा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नामांकन पत्र प्रात: 11 बजे से अपराह्न 03 बजे तक विधानसभा में जमा किए जा सकते हैं। विधानसभा के कमरा नं. 113 से अभ्यर्थी नामांकन पत्र प्राप्त कर सकते हैं एवं इन्हें कमरा नं. 106 में जमा कराया जा सकेगा। रिटर्निंग ऑफिसर और उनकी अनुपस्थिति में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर संजीव कुमार शर्मा नामांकन पत्र स्वीकार करेंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 22 अगस्त को विधानसभा के कमरा नं. 751 में होगी। अभ्यर्थी 27 अगस्त तक नाम वापस ले सकेंगे। आवश्यक होने पर मतदान 3 सितंबर को प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक होगा। मतगणना इसी दिन सायं 5 बजे से होगी। चुनाव प्रक्रिया 6 सितंबर से पूर्व सम्पन्न कर ली जाएगी। गौरतलब है कि केसी वेणुगोपाल के राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने पर रिक्त हुए सीट पर यह उपचुनाव हो रहा है। बुधवार को उप चुनाव के लिए कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सशक्त, समृद्ध और खुशहाल भारत का सपना हो रहा साकार : नंदी

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर समस्त देश एवं उत्तर प्रदेश वासियों को 78वें स्वत्रंता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि हमारे पुरखों ने जिस सशक्त, समृद्ध और खुशहाल भारत का सपना देखा था वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। मंत्री नंदी ने कहा कि अनगिनत बलिदानों और सदियों के संघर्ष के बाद हमें आजादी का सूरज देखने को मिला। हमारे पूर्वजों ने इस दिन के लिए अमानवीय यातनायें सही, हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूमा। आज उन बलिदानी महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि देने और नमन करने का दिन है। प्रधानमंत्री ने आजादी के 100 साल पूरा होने पर विजन 2047 के अन्तर्गत भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। नंदी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत इस संकल्प को प्राप्त करने की दिशा में ठोस कदमों और प्रभावी नीतियों के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक सजग और जिम्मेदार नागरिक होने का दायित्व निभाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान सुनिश्चित करेंगे। तत्पश्चात सिविल लाइन में मंत्री नंदी ने भव्य तिरंगा यात्रा निकाली।

राजधानी जयपुर के बाद जोधपुर में महिला प्रोफेसर को किया डिजिटल अरेस्ट

जोधपुर (हिंस)। जयपुर के बाद अब जोधपुर में एक महिला को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी कर ली गई। इस बार शातिर ठगों ने जोधपुर आईआईटी की एक महिला प्रोफेसर को अपना निशाना बनाया और 10 दिनों तक माइंड वॉश कर उन्हें डिजिटल अरेस्ट करके रखा। इस दौरान पीड़ित असिस्टेंट प्रोफेसर से कहा गया कि वो मनी लांड्रिंग के केस में सस्पेक्ट हैं, जो स्टेट लिए घातक है। इसलिए उन्हें सर्विलांस पर रहना होगा। वहीं, वो ऐसा नहीं करती हैं तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बदमाशों ने चेक से आरटीजीएस करवा कर उनके खाते से 11 लाख 97 हजार रुपए ट्रांसफर भी करवा लिए। अब इस संबंध में करवड़ पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया गया है। करवड थानाधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि जोधपुर आईआईटी की प्रोफेसर पटियाला निवासी अमृता पुरी पत्नी नितेश अणिराव के साथ डिजिटल अरेस्ट की घटना हुई है। प्रोफेसर अमृता ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पास एक अगस्त को अलग-अलग नंबरों से कॉल आए थे। उन्होंने कॉल रिसीव किया तो कॉलर ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। कहा कि उनका एक पार्सल मुंबई आया हुआ है। इस पार्सल में एमडी ड्रग्स मिली है। इसके साथ ही कई पासपोर्ट व क्रेडिट कार्ड भी हैं। फोन करने वाले ने कहा कि आप इसकी रिपोर्ट मुंबई के साइबर क्राइम ब्रांच में करवा दें। इसके बाद कॉल पर बात करने वाले ठग ने ही प्रोफेसर का कॉल साइबर ब्रांच में ट्रांसफर करवा दिया।

भुलाया नहीं जा सकता बंटवारे का दर्द : कन्नौजिया

मीरजापुर (हिंस)। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* का आयोजन राजस्थान इऔटर कालेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया तथा विशिष्ट अतिथि नपाध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी व भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि बटवारे के दर्द को भुलाया नहीं जा सकता। विभाजन अभूतपूर्व मानव विस्थापन और मजबूरी में पलायन की दर्दनाक कहानी है। यह एक ऐसी कहानी है जिसमें लाखों लोग अजनबियों के बीच एकदम वितरित वातावरण में नया आशियाना तालाश रहे थे। विश्वास व धार्मिक आधार पर एक हिंसक विभाजन की कहानी होने के अतिरिक्त, कैसे एक जीवन शैली और वर्षो पुराने सह-अस्तिव का युग अचानक और नाटकी रूप से समाप्त हो गया। जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार दीक्षित ने अपने प्राण त्यागने वाले एवं विस्थापन का दर्द झेलने वाले भारतीयों को शत-शत नमन किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी रविन्द्रनाथ शुक्ल ने भी विभाजन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम को अपर पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त मनरेगा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने भी संबोधित किया। संचालन प्रसून पुजारी ने किया। *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* के अवसर पर बंसत विद्यालय इंटर कालेज के छात्रों एवं एनसीसी कैडेट्स ने तिरंगा यात्रा निकाला। यात्रा को प्रधानाचार्य ने हरी झंडी दिखाकर खाना किया।

धर्म के आधार पर देश का विभाजन इतिहास में एक काला अध्याय : नीरज सिंह बबलू

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को विभाजन विभीषीका स्मृति दिवस मनाया। शहरी क्षेत्र के मिरचाईबाड़ी स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय की। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री व कटिहार जिला प्रभारी मंत्री नीरज सिंह बबलू शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदे मातरम के साथ शुभारंभ किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नीरज सिंह बबलू ने कहा कि आज 14 अगस्त *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* 1947 के उस क्रूर घटना का स्मरण कराता है, जब संसार को *वसुधैव कुटुंबकम* और *सर्वे भवंतु सुखिन:* का संदेश देने वाले हमारे महान राष्ट्र को राजनीतिक स्वार्थ के लिए बांट दिया गया था। इस दौरान लोगों ने अत्यंत अमानवीय यातनाएं सही, पलायन के निर्दय कष्ट उठाए, अपने परिश्रम से कण-कण जोड़कर बनाए घर-द्वार, संपत्ति से वंचित हो गए, असंख्य लोगों ने अपना जीवन खो दिया। नीरज सिंह ने उस त्रासदी में मारे गए लोगों को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* मनाने का निर्णय हमें उन समस्त काले अध्याय व घटनाओं का स्मरण कराता है। यह हमारे महान राष्ट्र को अखंड, शक्तिशाली व महान होने की दिशा में अग्रसर करेगा। इस अवसर पर विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण ठाकुर, क्षेत्रीय प्रभारी नरेश शाह, जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, वीरेंद्र यादव, सौरभ कुमार मालाकार, जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, रंजन झा, शोभा जायसवाल, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री सीमा झा, जिला मंत्री शांति जयसवाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गौरव पासवान, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीना झा, किसान मोर्चा अध्यक्ष संजय झा, अनुसूचित जाति मोर्चा नेहा किरण, लोकसभा सासंयोजक गोविंद अधिकारी सहित सभी मंच मोर्चा प्रकोष्ठ एवं प्रकल्प के कार्यकर्ता शामिल हुए।

संपादकीय

भारत बांग्लादेश नहीं

तीन दिन के बाद हम देश का 'स्वतंत्रता दिवस' मनाएंगे। राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' अभी से घर-घर और हाथों में लहरा रहा है। आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं। एक और उदाहरण गौरतलब है कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकी भरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सडक़ों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। हम नहीं जानते कि सपा सांसद की उस टिप्पणी को लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज होने दिया गया अथवा रद्द कर दिया गया। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भडक़ाने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भडक़ा, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, लिहाजा हमने 15 अगस्त की याद दिलाई है। भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार भारतीयों में नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे। मार-काट अथवा प्रधानमंत्री के इस्तीफे या सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को जबरन पद छोडने को विवश कभी नहीं किया गया, क्योंकि भारत आत्मा से, समग्रता में, लोकतांत्रिक देश है। हर बार लोकतंत्र का पालन किया जाता रहा है, बेशक चुनावी जनादेश कैसा भी हो। बांग्लादेश दिखावटी लोकतंत्र रहा है।

आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं।

चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है।

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम

एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है।

दृष्टि कोण

प्रकृति में समृद्ध, विकास में पिछड़ा चंबा जिला

हिमाचल प्रदेश का जिला चंबा आजादी से पहले उत्तर पश्चिमी हिमालय का एक मुख्य रजवाड़ा हुआ करता था, जो आजादी के बाद हिमाचल प्रदेश में 1948 में शामिल हुआ और जिला चंबा कहलाया। हालांकि लाहौल का भी कुछ क्षेत्र चंबा रजवाड़े का भाग हुआ करता था जिसे चंबा लाहौल कहा जाता था। पंजाब-हिमाचल के पुनर्गठन के बाद कुल्लू-लाहौल का मुख्य भाग भी जब हिमाचल में शामिल हो गया तब चंबा लाहौल वाला क्षेत्र जिला लाहौल-स्पीति में डाल दिया गया। चंबा रजवाड़ा शासन के अंतर्गत अन्य पहाड़ी रजवाड़ों से विकसित और प्रगतिशील माना जाता था, जहां 1870 से पहले राजा श्री सिंह के समय आधुनिक चिकित्सालय का निर्माण हो चुका था, राजा शाम सिंह के समय जिसे 40 बिस्तर का अस्पताल बनाया गया। राज्य के दूरदराज हिस्सों को सडकों से जोड़ा गया। विद्यालय खोले गए। प्रतिभाशाली छात्रों को राज्य से बाहर पढने के लिए छात्रवृत्ति दने की व्यवस्था हुई। 1881 में एशिया का पहला कुष्ठ रोग चिकित्सा केंद्र खोला गया। राज्य में डाक व्यवस्था से संपर्क व्यवस्था खड़ी की गई। 1908 में भूरि सिंह संग्रहालय की स्थापना हुई। 1910 में जल विद्युत पॉवर हाउस बनाया गया। जब चंबा में बिजली थी, तब कांगड़ा और अन्य हिमाचली रजवाड़ों में कहीं भी बिजली नहीं थी। आजादी के समय पहाड़ी क्षेत्रों को पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र कह कर पंजाब में मिलाने की बात हो रही थी, जिसके पीछे तर्क छोटे राज्य के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना संभव नहीं था। उस समय हिमाचल के पूर्वी छोर पर तीन जिले मंडी, शिमला और सिरमौर ही हिमाचल में शामिल हो रहे थे।

चंबा तो अलग-थलग पश्चिमी छोर पर था। किंतु चंबा ने प्रजामंडल के माध्यम से अलग पहाड़ी प्रदेश की मुहिम में शामिल होकर हिमाचल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हिमाचल के गठन को संभव बनाया। बिलासपुर रजवाड़ा तो बाद में 1952 में हिमाचल में मिला। इसलिए चंबा के महत्व को उस समय के नेतृत्व ने समझा और समय के साथ चलने के लिए जरूरी विकास कार्य बखूबी हुए। बिजली को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य 1955 के बाद ही आरंभ हो गया। उस समय हिमाचल सी श्रेणी राज्य था जिसे पर्याप्त केन्द्रीय सहायता प्राप्त थी। चंबा की प्रमुख ग्रामीण सडक़ों का निर्माण शुरू हुआ। प्रदेश का पहला सामुदायिक विकास ब्लाक भटियात (चंबा) में खोला गया। स्कूलों के भवन, पटवारखाने आदि के भवन बनाए गए। दुर्भाग्य से राज्य पुनर्गठन के बाद चंबा का राजनीतिक कद छोटा होता गया। चंबा धीरे धीरे पिछड़ता गया। आज देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों में इसकी गणना हो रही है। हिमाचल में भी चंबा अंतिम पायदान पर खड़ा है। हालांकि जिला के पास विकास के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रचुरता से उपलब्ध हैं। जिला में 2952 मेगावाट जल विद्युत की क्षमता है जिसमें से 1500 मेगावाट क्षमता का दोहन वर्तमान में हो रहा है। जिला का भौगोलिक स्वरूप विविधतापूर्ण है। यहां 2000 फुट से 21000 फुट तक ऊंचाई के क्षेत्र विद्यमान हैं, जहां उष्णकटिबंधीय से लेकर शीत मरुस्थलीय जलवायु उपलब्ध है। इसमें हर प्रकार की फसलों, जड़ी-बूटियों और वन उपजों का उत्पादन होता है। जिला का क्षेत्रफल 692419 हैक्टेयर है। आबादी 519080 है, जिसमें 56.65 फीसदी कर्मकार आबादी है। वन भूमि भी काफी है। कृषि क्षेत्र 70563 हैक्टेयर है। साक्षरता दर 72.17 प्रतिशत है। वर्तमान में चंबा के पिछड़ेपन के प्रमुख तीन कारण हैं : आवागमन एवं संचार व्यवस्था में कठिनाइयां, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का अभाव, स्वास्थ्य व्यवस्था का अभाव। इन तीन कमियों के कारण जो भी व्यक्ति समर्थवान हो जाते हैं, वे यहां से दूसरी जगहों में बस जाते हैं।

स्थायी प्रवास का आंकड़ा भी जिला में काफी होगा जिसका इशारा बढ़ते गैर आबाद गांव की संख्या से भी मिल जाता है। 2001 में गैर आबाद गांव 473 थे जो अब 481 हो गए हैं। यहां की प्रशासनिक व्यवस्था भी डांवाडोल ही रहती है। चंबा में पोस्टिंग को लोग सजा के तौर पर देखते हैं और यहां से बदली करवाने के चक्कर में रहते हैं। यही कारण है कि मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में भी डाक्टरों की रिक्तियां भरी नहीं जा सकती। कृषि-बागवानी आदि प्रमुख विभागों में भी ज्यादातर स्थान अमूमन खाली रहते हैं। यही कारण है कि चंबा के संसाधनों और क्षमताओं के समुचित दोहन की व्यवस्थाएं खड़ी नहीं की जा सकी हैं।

कुछ अलग

यूनुस से उम्मीदें

शेख हसीना के नाटकीय ढंग से बांग्लादेश छोड़ने के बाद अराजकता व हिंसा का जो तांडव चलता रहा है, उसके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया की जिम्मेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को मिलना नई उम्मीदें जगाता है। यह आने वाला वक्त बताएगा कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस निर्विवाद लोकप्रियता के बावजूद अराजक बांग्लादेश को कितनी जल्दी सामान्य बना पाते हैं। निश्चित रूप से उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले यूनुस मौजूदा हालात में एक बेहद विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। यहां तक कि हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलनरत छात्र नेताओं ने ही उनके नाम की सिफारिश इस जिम्मेदारी के लिये की थी। यह अच्छी बात है कि उन्होंने कहा कि देश मे हिंसा व अशांति रहने से यह दूसरी आजादी निरर्थक साबित हो सकती है। वहीं उन्होंने भारत से बेहतर रिश्तों की भी जरूरत बतायी है। साथ ही उन्होंने आंदोलनकारियों को लगातार जारी हिंसा के क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर भी चेताया है। जाहिर है यूनुस की प्राथमिकता तात्कालिक रूप से सामान्य स्थिति की बहाली, कानून और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने तथा कमजोर व अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा तय करना होगी। बांग्लादेश तथा विश्व में मिले सम्मान व विश्वास से अर्जित अधिकार का वे कितने प्रभावशाली ढंग से उपयोग अराजकता समाप्त करने में कर पाते हैं, इसी बात पर उनकी सफलता निर्भर करेगी। निस्संदेह, बांग्लादेश में निरंकुश शासन से उपजे असंतोष ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब यूनुस जैसे प्रगतिशाली व उदार व्यक्ति के हाथ में कमोबेश सत्ता की बागडोर आना निश्चित रूप से भारत के भी हित में होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत सरकार भी इस रचनात्मक परिवर्तन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाएगी। जाहिर है आने वाले दिनों में उनका नेतृत्व ही तय कर सकेगा कि बांग्लादेश कट्टरपंथियों व सेना के चंगुल से मुक्त होकर एक नई शुरुआत की ओर बढ़ सकेगा। निश्चित रूप से एक कार्यवाहक सरकार के मुखिया के रूप में यूनुस से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आकांक्षा को पूरा करने, नेताओं को जवाबदेह बनाने, प्रतिशोध की राजनीति की समाप्ति, सेना व चरमपंथियों की निरंकुशता पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि हसीना सरकार के कार्यकाल में यूनुस को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सौ से अधिक मुकदमों का सामना किया। यही वजह है कि उन्हें आंदोलनकारियों ने मार्गदर्शक बनाने पर जोर दिया था। बहरहाल, फिलहाल, भारत की गंभीर चिंताएं अपने नागरिकों व बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश में लंबे समय तक अस्थिरता भी हमारे लिये चिंता की बात होगी। ऐसे में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से सहयोग करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत विरोधी राजनीतिक दलों, सेना व कट्टरपंथियों के दबाव के बावजूद उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया है।

देश दुनीया से

2024 के ढाका में फिर उपजा 1975 का भयावह मंज़र

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो।

वर्ष 1974 में रोनेन सेन उस वक्त युवा थे, जब बतौर राजनयिक वे ढाका (पूर्व में डाका) में नियुक्त हुए, मुक्ति संग्राम से प्राप्त आजादी अभी नई-नई थी और जननायक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी मुजीब-उर-रहमान का शासन था। एक साल के भीतर–15 अगस्त की अलसुबह राजधानी के बीचोंबीच धानमोंडी स्थित घर में, सबसे छोटे बेटे 10 वर्षीय रसेल सहित पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया (यादगार स्मारक बना दिए गये उस घर में मैं कई बार गई हूं, वहां सीढ़ियों पर खून के धुंधलाते धब्बों की याद है, जो शायद मौत से बचने के प्रयासों के दौरान परिवार के सदस्यों के होंगे, प्रतीकात्मक रूप से देखा जाए तो ये बांग्लादेश के उथल-पुथल भरे इतिहास की भी गवाही देते हैं)।

जिस प्रकार सेन वह वाक्या बयान करते हैं, जिज्ञासा जगाने वाली अपनी विशेषता के साथ, कि कैसे ढाका से दिल्ली तक, उस सुबह इंदिरा गांधी को मुजीब की हत्या की खबर पहुंचाई जा सकी थी –इसमें लगभग तमाम किस्म के परिवहन साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें शायद मोटरसाइकिल भी होगी– और जब सूचना उन तक पहुंची तो उस वक्त वे लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन देने के वास्ते सीढ़ियां चढ़ रही थीं। मुजीब दुनिया से जा चुके थे, साथ ही एक युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के वादे की भी क्रूर मौत हुई। सेन कहते हैं, उस अजीब सुबह को याद करते वक्त आज भी उन पलों के अहसास से सराबोर हो जाता हूं। 49 साल पहले हुई इन जघन्य हत्याओं के पीछे कौन-सी शक्तियां थीं? और पिछले सप्ताह की 'क्रांति' का जिम्मेवार कौन? अब जबकि हम भारत में आज़ादी की एक और वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, बांग्लादेश का परिदृश्य न केवल 1975 की खटास भरी यादों से भरा है बल्कि भावी नियति के रंगों से भी रंजित है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के तहत 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, ऐसी खबरें हैं कि सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल थलीय रास्तों से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को रोक रहा है। कदाचित भाजपा दुविधा में है -क्या इन्हें आने दिया जाए, क्योंकि ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें 'दीमक' करार दिया था या फिर जैसा कि असम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मांग करते आए हैं, बिल्कुल भी अनुमति न दी जाए। तो क्या केवल बांग्लादेशी हिंदू स्वीकार्य होंगे– सनद रहे सीएए कानून केवल दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है– या फिर भारत धर्म-निरपेक्ष आवामी लीग पार्टी के लोगों सहित तमाम बांग्लादेशियों के लिए अपने दरवाज़े खोल दे। कहा जा रहा है कि ऐसे लोग हवाई अड्डे के इर्द-गिर्द इस उम्मीद में छिपे हुए हैं ताकि मौका पाते ही, तेजी से हवाई जहाज पकड़कर सुरक्षित निकल पाएं।

रोनेन सेन की तरह अहसास भरी कुछ यादों के लिए 49 साल पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बहुतों को केवल तीन साल पहले का एक और 15 अगस्त याद होगा, जब अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने तीन निकटतम सहयोगियों और नोटों से भरे सूटकेसों सहित काबुल से भागे थे –वे सहयोगी तब से पश्चिमी जगत के विभिन्न मुल्कों में रह रहे हैं और खुद अशरफ गनी अबू धाबी में मजे में दिन गुजार रहे हैं। बांग्लादेश मामले की भांति, भारत ने अफगानियों के लिए भी अपना दरवाजा मजबूती से बंद किए रखा था– उन्हें अभी भी अनुमति नहीं है।

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो। यहां कमाल की विडंबना यह होगी कि यदि हसीना को लंदन प्रवास की इज़ाजत मिल जाती है तो वे बांग्लादेश के एक अन्य निर्वासित की जगह भरेंगी, जो वहां पिछले 15 सालों से अधिक समय से रह रहा है और शायद जल्द ही वतन वापसी करे –वह है बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की मुखिया खालिदा ज़िया का बेटा तारिक रहमान, जिसे टीनो के नाम से भी जाना जाता है। खालिदा ज़िया खुद पूर्व प्रधानमंत्री और इससे पहले सैन्य तानाशाह रहे जनरल जिया-उर-रहमान की पत्नी हैं। एक बार जब टीनो की ढाका वापसी हुई, जिसकी उम्मीद बहुत जल्द है, तो पर्दे के पीछे शक्ति केंद्र वही होंगे।

अगले कुछ हफ्ते देखने के लिहाज से रोचक होंगे –अवश्य ही हर किसी की नज़र होगी कि मुख्य सलाहकार यूनुस और बांग्लादेश सेना के बीच रिश्ता किस ढंग का बनता है। उम्मीद है

आप का नजरीया

मंडे से मंत्री बैठक तक

मंडे मीटिंग के बाद मंत्री मीटिंग की अवधारणा में सरकार का 'कार्यबल' सशक्त होगा। सरकार से सचिवालय और सचिवालय से प्रदेश के फासले अगर कम हो जाएं, तो राज्य का कदमताल, एक सुर-एक ताल बन जाए। हम पुनः ट्रैफिक सिग्नल की बंद बत्तियों को सुधारने के लिए टॉर्च लिए खड़े हैं, जबकि प्रशासनिक सुधारों के लिए चंद कदम निरंतरता के साथ उठाने चाहिएं। बेशक हर विभाग की जुबां मंत्री हो सकता है और अगर हफ्ते की निगाहों में रोशनी खोजी जाए, तो बैठकों का मकसद कार्रवाई में तबदील होगा, बशर्ते सरकार हाथी बनने के बजाय खरगोश बने। उपचार तो बहुत सुना मगर, हकीम की पुडिय़ा नहीं मिली। हकीम शिमला में, दवाखाना राजधानी में, लेकिन मरीज प्रदेश के किसी न किसी छोर पर। बीमारियां छोटी हैं, मसले छोटे हैं, लेकिन आंख से पट्टियां नहीं खुल रहीं। सडक़ों को वाहनों की पार्किंग बनाने वाले जरूरतमंद मान लिए जाएं तो ट्रैफिक पर जारी आदेश भी क्या कर लेंगे। प्रदेश परंपराओं और अनुभव से भी चलता है। पिछले इतिहास, दस्तावेज और आधे-अधूरे विकास को पूरा करने से चलता है। उदाहरण के लिए स्कूल छुट्टियां काट चुके हैं, लेकिन बरसात की पढ़ाई जारी है। शिमला में शिक्षा विभाग के सामने पहली जुलाई से 31 अगस्त के बीच छुट्टियां देने की परंपरा में आंख पर जो पट्टी बंधी रही, वह आने वाली बारिशों के समुद्र में खुल जानी चाहिए। शिकायतें वही पुरानी और लंगर में वही पुराने लाभार्थी दाना चुग रहे हैं। किसी ने किसी न किसी प्रयास से जनता को संदेश दिया कि अबकी बार सरकार आपके द्वार पहुंच रही है। जयराम सरकार जनमंच में शिकायतों का मंचन देखती रही, लेकिन प्रशासन ने अपना हठ नहीं छोड़ा। हठ उन फाइलों में देखिए जो शिकायतों से दबी पड़ी हैं। पिछले सोमवार कहीं सचिवालय से दूर नगरोटा बगवां में जब चक्का जाम हो रहा था या बाजार बंद करके कोई नारा सरकार के कान के करीब गूंज रहा था, तो उसे किसने सुना। एक ट्रांसपोर्टर से हुई धोखाधड़ी का मुख्य पात्र इसी नगरोटा बगवां की प्रशासनिक बाहों से सुरक्षित बाहर निकलकर घूम रहा है, लेकिन पुलिस के पास यह फरियाद पहुंच नहीं रही। चौदह करोड़ का फ्रॉड अब तीस करोड़ की वसूली बन कर भी किस कानून व्यवस्था की सूली बना रहेगा। कैबिनेट रैंक तो नगरोटा बगवां के हिस्से भी आया, मगर पूरा शहर जो पुकार रहा है, उसे सुनेगा कौन। मंत्रियों की बैठक से आशाएं स्वाभाविक हैं और लोकतंत्र का सुनहरा पक्ष यही है कि नागरिक हमेशा उम्मीद पर जिंदा है। बहुत सारे मसले विभागीय समन्वय के हैं, इसलिए 'मंत्री बैठक' में दिशा, दृष्टि और प्रभावशाली दस्तखत देखने को मिल सकते हैं। मसलन पर्यटन की बात पर बिजली, पानी, परिवहन, कला-संस्कृति, पीडब्ल्यूडी तथा पुलिस महकमे का तालमेल, सारा परिदृश्य बदल सकता है। उद्योग के साथ राजस्व, वन, परिवहन, प्रदूषण, अग्निशमन व कराधान मंत्रालयों की सक्रियता, इसके अस्तित्व को मजबूत कर सकते हैं। जिन्हें हम छोटा विभाग समझते हैं, उन्हें पारंगत करती हुई बैठकें खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक समारोहों, दुग्ध एवं मत्स्य उत्पादन तक के महत्त्व को बड़ा बना सकती हैं।

मस्क के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा– कमला हैरिस राष्ट्रपति बनी तो अमेरिका को तबाह करके रहेंगी

वांशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैट उम्मीदवार को कट्टर वामपंथी करार देते हुए कहा कि अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो वे अमेरिका को तबाह कर देंगीं। ट्रंप टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से दो घंटे लंबी बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और उसकी चुनौतियों पर बेबाक राय रखते हुए कमला हैरिस पर जमकर बरसे।

दो घंटे लंबे इस साक्षात्कार को लंबट्रंप का इंटरव्यू अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को मंगलवार को ही लेना था जो साइबर अटैक के कारण निर्धारित समय से देर से शुरू हुआ।

देश को भी तबाह कर देगीं कमला हैरिस – दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए कमला हैरिस को टक्कर दे रहे 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा कि उनकी राय यही है कि उनकी नीतियों से अमेरिका में और भी अवैध लोगों का आना पक्का हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी हमारे पास कोई राष्ट्रपति है ही नहीं और कमला हैरिस उससे भी बदतर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की उदारवादी हैं जिन्होंने उस शहर, कैलीफोर्निया को बर्बाद किया और अब अगर चुनी गईं तो हमारे देश को भी तबाह कर देंगीं।

अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं – ट्रंप ने दावा किया कि अगर कमला राष्ट्रपति बनीं तो वह पूरी दुनिया से 5–6 करोड़ अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं। कमला जितने अवैध लोगों को अमेरिका में ले चुकी हैं, वह तादाद हमारी सोच से बड़ी है। बहुत से देश अपनी जेलों को खाली करके अपने अपराधी अमेरिका भेज रहे हैं। यह हमारे घरों तक अपराध और हिंसा ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि चुनावी रैली में अवैध आव्रजकों के बोर्ड के कारण ही वह उन पर हुए जानलेवा हमले में बच पाए। वैसे उन्होंने उस चार्ट को कभी भी 20 प्रतिशत से ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया लेकिन उस दिन उसी के पीछे छिपकर उन्होंने खुद को गोलीबारी से बचाया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में बिल्डर लाया मुस्लिमों के हाउसिंग प्रोजेक्ट, विवाद हो गया खड़ा

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय मूल का बिल्डर मुस्लिम हाउसिंग सोसायटी बनाने का प्रोजेक्ट तैयार किया जिसके बाद वहां इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय मूल के डेवलपर फराज यूसुफ अमेरिका के मिनेसोटा में एक सोसायटी बनाना चाहते हैं, जिसमें 434 घर, दुकानें, खेल का मैदान और मस्जिद भी शामिल है। ये सोसायटी खासतौर पर मुस्लिमों के लिए है और इस पर शहर दो धड़ आपस में बंट गए हैं। एक तबका इसे अलगाव को बढ़ावा देने वाला बताकर विरोध कर रहा है तो दूसरा धड़ा इसका विरोध किसी की आजादी में सीधा दखल बताया रहा है। यह आवास योजना हेरोल्ड रॉबिन्सन के सोड फार्म में प्रस्तावित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परियोजना के समर्थक और विरोधी, दोनों से बात की है। प्रोजेक्ट के विरोधी ल्यूक वाल्टर इसे पसंद और डिजाइन के आधार पर अलगाव कहते हैं तो समर्थक डीन डोवोलिस ने कहा कि क्या लोग रहने की आजादी भी खो रहे हैं। यूसुफ की परियोजना का नाम मदीना लेक्स है। उनका कहना है कि विकास आवास कानूनों का पालन करते हुए वह प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। यह मुस्लिमों के लिए अनुकूल होगा लेकिन यह केवल मुसलमानों के लिए नहीं है। इसकी वजह है कि इस क्षेत्र में मुस्लिमों की काफी तादाद है। ब्रिटिश अप्रवासी ल्यूक वाल्टर मदीना लेक्स का विरोध करने वालों में हैं। मदीना लेक्स उनके घर से कुछ दूरी पर है और वाल्टर धर्म–आधारित आवास समितियों पर असहमति जताते हैं। उन्होंने ऐसी जगह पर आपत्ति जताई जहां गैर–मुसलमानों का समान रूप से स्वागत नहीं किया जाएगा। वहीं बिल्डर यूसुफ की विश्वसनीयता पर भी सवाल हैं। ऐसे में हाउसिंग प्रोजेक्ट के बारे में परिषद की बैठक में वाल्टर ने कड़ा विरोध किया है। वाल्टर का मानना है कि इस तरह से शहर विभाजित हो जाएगा।

यूनुस सरकार के नए फैसले से दो गुटों में बंटी बांग्लादेश की सेना

ढाका। बांग्लादेश में नई सरकार के एक फैसले के खिलाफ सेना में ही दो गुट बन गए हैं। दरअसल नई सरकार की तरफ से बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिसे लेकर सेना के कुछ अधिकारियों में नाराजगी दिख रही है। दरअसल शेख हसीना की मुखालफत करने वाले तमाम लोग चाहते हैं कि शेख हसीना और उनके करीबी अधिकारियों के खिलाफ किसी न किसी मामले में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कुख्यात आईना घर के नाम से मशहूर गुप्त हिरासत केंद्र की देखरेख के लिए जिम्मेदार बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बना रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस कुख्यात गुप्त हिरासत केंद्र की जिम्मेदारी एक मेजर जनरल और एक ब्रिगेडियर जनरल अधिकारी के हाथ में होती थी। साल 2013 से 2017 तक मेजर जनरल मोहम्मद अकबर हुसैन 2017 से 2020 तक मेजर जनरल मोहम्मद सैफुल 2020–21 में मेरे जनरल मोहम्मद सैफुल आलम और 2021 से शेख हसीना के हटने तक मेजर जनरल अहमद तबरेज चौधरी के हाथ में कमान थी। इन चारों के नीचे एक–एक ब्रिगेडियर जनरल भी तैनात था। इन अधिकारियों की गिरफ्तारी को लेकर अब सेना में दो गुट बन गए हैं। इनमें से एक गुट का कहना है कि इन अधिकारियों ने जो कुछ भी किया वह सरकार के कहने पर किया। इसकी क्या गारंटी है कि अब जो हुक्म दिया जाएगा, उसका पालन करने पर आने वाली निर्वाचित नई सरकार इसके लिए उन्हें दंडित नहीं करेगी लिहाजा किसी भी सैन्य अधिकारी की गिरफ्तारी न की जाए।

मस्जिद अल–अक्सा में यहूदियों के साथ घुसे इजराइली मंत्री

सऊदी अरब ने दी चेतावनी–धार्मिक पवित्रता का सम्मान करें, वरना...

दुबई।
हमास से जंग लड़ रहे इजराइल ने अब ऐसी हरकत कर दी है जिसे लेकर सऊदी अरब भड़क गया है। फिलिस्तीन और इजरायल के बीच विवाद का केंद्र मस्जिद अल–अक्सा में इजराइली के मंत्री और सैकड़ों इजरायलियों के साथ मस्जिद परिसर में घुस गए। इसे लेकर सऊदी अरब इजरायल पर भड़क गया है और अमेरिका ने भी इसे इजराइल का गलत कदम बताया है और कहा कि यह अस्वीकार्य है।

यहूदी शोक दिवस मना रहे थे और इजरायल के धुर–दक्षिणपंथी नेता और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के मंत्री इत्तेमार बेन गिविर ने शोक दिवस मनाने के लिए मस्जिद परिसर में प्रवेश किया। यहूदियों के प्राचीन मंदिर पर 70 ईसा पूर्व में रोमनों ने हमला कर उसे तोड़ दिया था जिसकी याद में शोक दिवस मनाया जाता है। सऊदी अरब ने इजरायली मंत्री के अल–अक्सा मस्जिद में प्रवेश करने को हमला बताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। सऊदी अरब ने कहा है कि यरूशलेम की इस ऐतिहासिक मस्जिद की यथास्थिति का सम्मान किया जाना चाहिए।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायली कब्जे वाले अधिकारियों और वहां जाने वालों का अल–अक्सा मस्जिद पर खुलेआम और लगातार हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करता है। बयान में धार्मिक पवित्रता का सम्मान करने पर जोर दिया गया है साथ ही सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय कानून और यरूशलेम की ऐतिहासिक यथास्थिति का उल्लंघन और दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों को उकसाने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे इन उल्लंघनों को रोकने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाए नहीं तो इसके परिणाम बहुत भयानक होंगे।

अल अक्सा मस्जिद मुसलमानों के लिए अल–हराम अल शरीफ के नाम से मशहूर इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल में से एक है। मस्जिद परिसर में डोम ऑफ द रॉक भी शामिल है। इजरायली मस्जिद परिसर को टेंपल माउंट कहते हैं और यह स्थल यहूदियों के लिए सबसे पवित्र जगह है। मस्जिद परिसर में यहूदियों और अन्य गैर–मुसलमानों को जाने की अनुमति तो है लेकिन वहां जाकर प्रार्थना नहीं कर सकते या फिर कोई भी धार्मिक प्रतीक प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं लेकिन हाल के सालों में बेन गिविर जैसे धुर–दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी नेताओं ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है। इन उल्लंघनों की वजह से फिलिस्तीनियों की हिंसक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलती रही हैं।

जॉर्डन पर अल–अक्सा मस्जिद की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। बेन गिविर के मस्जिद परिसर में प्रवेश पर जॉर्डन ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यरूशलेम की ऐतिहासिक और कानूनी यथास्थिति के लगातार उल्लंघन के लिए एक स्पष्ट और दृढ़ अंतरराष्ट्रीय स्थिति की जरूरत है जो इन उल्लंघनों की निंदा करे।

इजरायल के दोस्त अमेरिका ने भी इजरायली की इस हरकत को गलत बताया है कहा कह यह अस्वीकार्य है। अमेरिका विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका यरूशलेम के पवित्र स्थलों के संबंध में ऐतिहासिक यथास्थिति को बचाने के लिए मजबूती से खड़ा है।

इस तरह की कोई भी एकतरफा कार्रवाई जो यथास्थिति को खतरे में डालती है, स्वीकार नहीं की जाएगी। हम युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे में यह कदम समझौते में भी बाधा डालत सकता है।

चीफ ने पीड़ित हिंदू समुदाय से की मुलाकात

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला करने वालों को करेंगे दंडित : मोहम्मद यूनुस

अंतरिम सरकार के सलाहकार भी थे मौजूद

ढाका।
बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को कहा है कि सरकार अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमला करने वालों को दंडित करेगी। मुख्य सलाहकार ने यह आश्वासन प्राचीन ढाकेश्वरी मंदिर के दौरे के समय पीड़ित हिंदू समुदाय से मुलाकात में की। उन्होंने हिंदुओं से धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा की जाएगी।

अर्थशास्त्री (84 वर्षीय) ने जारी हिंसा और तोड़फोड़ के बीच आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने ढाका में प्रमुख शक्तिपीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यूनुस ने देश की दुर्दशा के लिए ''संस्थागत पतन''को जिम्मेदार ठहराया।

उनका दौरा ऐसे समय हुआ जब बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस(बीएनएचजीए) ने कहा है कि पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय को 48 जिलों में 278 स्थानों पर हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ा है और इसे ''हिंदू धर्म पर हमला'' करार दिया। युनूस ने कहा, अधिकार सबके लिए समान हैं। हम सब एक ही व्यक्ति हैं और हमारे पास एक ही अधिकार है। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में आकलन करें – हम क्या कर पाए और क्या नहीं। अगर हम असफल होते हैं, तो हमारी आलोचना करें।

युनूस ने कहा, हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं में हमें मुसलमान, हिंदू या बौद्ध नहीं बल्कि इंसान के रूप में देखा जाना चाहिए। हमारे अधिकार सुनिश्चित होने चाहिए। सभी समस्याओं की जड़ संस्थागत व्यवस्थाओं के क्षय में है। इसीलिए ऐसे मुद्दे उठते हैं। संस्थागत व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। उस समय प्रोफेसर यूनुस के साथ विधि सलाहकार आसिफ नजरुल और धार्मिक मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन भी थे।

हम पर किसी ने हमला किया तो जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी: असीम मुनीर

इस्लामाबाद।
पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने धमकी दी है कि अगर उनके देश पर किसी भी तरह का हमला हुआ तो पाकिस्तान उसका मुंह तोड़ जवाब देगा और जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी। हमारे खिलाफ चाहे जो भी बहुस्तरीय और बहुआयामी खतरा हो, हम एकजुट और आश्वस्त हैं। हमारे खिलाफ युद्ध का जो भी तरीका इस्तेमाल किया जाएगा उसके खिलाफ हमारी जवाबी कार्रवाई तुरंत और खतरनाक होगी। हम निश्चित रूप से दूर तक और गहराई से हमला करेंगे। मुनीर ने आजादी परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। पाकिस्तान बनने के 77 साल पूरे होने की परेड काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में आयोजित की गई थी।

ऐसा माना जा रहा है कि यह धमकी सेना प्रमुख अपने तीन पड़ोसियों भारत, अफगानिस्तान और ईरान को दी है क्योंकि तीनों के साथ ही पाकिस्तान का विवाद चल रहा है। इसमें भी खास तौर से उनकी धमकी भारत के लिए है। मुनीर ने आगे कहा कि हम जानते हैं कि आजादी मुफ्त में नहीं मिलती है और इसके लिए कई बहादुर बेटे–बेटियां हमेशा अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि पाकिस्तान के लोग और उसके सुरक्षा बल कभी पीछे नहीं हटेंगे और किसी को भी देश पर बुरी नजर नहीं डालने देंगे।

उन्होंने सुख–दुख के दौरान देश के साथ खड़े रहने के चीन, सऊदी अरब, यूएई, कतर और तुर्की का शुक्रिया अदा किया। क्षेत्रीय गतिशीलता को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने अफगानिस्तान को भाईचारे वाले इस्लामी पड़ोसी के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने इच्छा जताते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्हें हमारा संदेश है कि वह अपने भाईचारे वाले देश के खिलाफ फितना–उल–खवारिज को बढ़ावा नहीं देनी चाहिए। वह टीटीपी आतंकियों को शरण देने का जिक्र कर रहे थे। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान धरती से ऑपरेट हो रहे हैं।

मुनीर ने कश्मीर और फिलिस्तीन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने भारत के कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों में निहित आत्मनिर्णय के उनके अधिकार के लिए हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और कश्मीर के बहादुर लोगों को अपने पूर्ण राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन का आश्वासन देते हैं। उन्होंने लोगों से गाजा के लोगों के खिलाफ इजरायल के अत्याचारों की गंभीरता समझने का आह्वान किया।

नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक में फिर गूंजा हिंदू राष्ट्र का मुद्दा

काठमांडू।
नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के भीतर एक बार फिर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग उठने लगी है। पार्टी की केंद्रीय समिति की काठमांडू में जारी बैठक में कई सदस्यों ने नेपाल को जल्द ही हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है।

नेपाली कांग्रेस के मुख्यालय में जारी केंद्रीय समिति की बैठक में अधिकतर सदस्यों ने नेपाल के संविधान में संशोधन कर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते और सत्ता में सहभागी होने के नाते भी नेपाली कांग्रेस का यह फर्ज है कि वो हिंदू राष्ट्र घोषित करने को लेकर पहल करे। इन सदस्यों ने कहा कि नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थिति नहीं आने देने के लिए देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोईराला ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू धर्मावलंबियों पर आक्रमण किए जा रहे हैं वह इस क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। नेपाल में इस तरह की परिस्थिति नहीं आए इसके लिए आवश्यक है कि देश को हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की महासमिति की बैठक में उपस्थित 1300 में से 1100 से अधिक सदस्यों ने हिंदू राष्ट्र की मांग के समर्थन में हस्ताक्षर किया था इसलिए केंद्रीय समिति की बैठक में उस प्रस्ताव को पारित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय समिति के सदस्य शंकर भंडारी ने हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इसकी घोषणा का यही सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान संशोधन की मांग उठाई जा रही है और इस समय दो तिहाई बहुमत वाली सरकार भी है जो संशोधन करने में सक्षम है। भंडारी ने कहा कि सरकार में सहभागी होने के नाते और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते नेपाली कांग्रेस को तत्काल पहल करनी चाहिए।

हमास आज होने वाली शांति वार्ता से पीछे हटा

नेतन्याहू पर युद्ध लंबा खींचने का जड़ा आरोप

दोहा।
इजराइल और कुख्यात आतंकवादी समूह हमास के बीच गाजा में छिड़े युद्ध से चिंतित दुनिया तमाम कोशिशों के बीच दोनों को शांत नहीं करा पा रही। इस दिशा में एक और कोशिश गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा या मिस्र की राजधानी काहिरा में होने वाली है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ देशों की इस संघर्ष विराम वार्ता या शांति वार्ता पर सबकी नजर है। मगर हमास ने साफ कर दिया है कि वह इस वार्ता में हिस्सा नहीं लेगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमास के नेताओं को नहीं लगता कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अच्छे विश्वास के साथ बातचीत कर रही है। लेबनान में मौजूद हमास नेता अहमद अब्दुल हादी ने कहा है, नेतन्याहू को ऐसे समझौते पर पहुंचने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो आक्रामकता को पूरी तरह से समाप्त कर दे। वह युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हमास का यह निर्णय अच्छा संकेत नहीं है। बावजूद इसके उसने सौदेबाजी की मेज को पूरी तरह से छोड़ा नहीं है।

पूरे युद्ध के दौरान हमास नेताओं ने सीधे तौर पर इजराइली अधिकारियों से मुलाकात जरूर नहीं की पर मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए कतर और मिस्र पर भरोसा किया। इस समय भी हमास के कई प्रमुख नेता कतर में हैं। वह दोहा में मध्यस्थों के कार्यालयों से थोड़ी ही दूर पर रह रहे हैं। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास नेता के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने शांति वार्ता में गतिरोध के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इजराइल वार्ता के लिए प्रतिनिधि भेजेगा।

सूत्रों के अनुसार, हमास के इस शांति वार्ता में हिस्सा न लेने के फैसले से अब यह तय नहीं है कि बैठक में मिस्र, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के साथ–साथ कतर के प्रधानमंत्री शामिल होंगे या नहीं।

अमेरिका इजराइल को एफ-15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले देगा

वॉशिंगटन। हमास से युद्ध लड़ रहे इजरायल को अमेरिका अपने प्रमुख हथियार देगा। इसके लिए जो बाइडन प्रशासन ने इजरायल को 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा के प्रमुख हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसमें नए एफ–15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले शामिल है। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो हथियार अमेरिका दे रहा वह इजराइल तुरंत ही गाजा में इस्तेमाल करेगा। बल्कि यह दीर्घकालिक बिक्री सौदे हैं, जिनकी डिलीवरी कई सालों बाद इजरायल को मिलेगी लेकिन इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिकी की यह घोषणा ईरान और हिजबुल्लाह को संदेश है, क्योंकि वे इजरायल पर हमले की धमकी दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि सौदों की घोषणा तब की जाएगी जब वह पूरी तरह तैयार होंगे लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका की यह घोषणा बेहद खास है। यह क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच इजरायल को सीधा समर्थन देना दर्शाता है। अमेरिका की ओर से हथियारों की बिक्री की मंजूरी में सबसे अहम सौदा 50 एफ–15आईए लड़ाकू विमानों की बिक्री और पहले से सेना में मौजूद 25एफ–15आई लाड़ाकू विमानों का अपग्रेड शामिल है। यह सौदा 18.8 अरब डॉलर का है। व्हाइट हाउस ने कहा कि हथियारों की बिक्री उसकी दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जरूरी है। ये सौदे राष्ट्रपति चुनावों से पहले रिपब्लिकन के उन दावों का भी खंडन करता है, जिसके मुताबिक बाइडन–हैरिस प्रशासन इजरायल को हथियारों की आपूर्ति नहीं करता।

जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ना होगा : मुख्यमंत्री

- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहा कि देश आज इतिहास के काले अध्यायों का स्मरण कर रहा है। इतिहास केवल अध्ययन का विषय नहीं होता है बल्कि वह गलतियों के परिमार्जन और गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करने का संकल्प होता है। आखिर क्या कारण था कि हजारों वर्षों से सनातन राष्ट्र रहा भारत गुलाम हुआ। विदेशी आक्रांताओं ने यहां की परंपरा-संस्कृति को रौंदा और देश को गुलाम बनाया गया। क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को स्वतंत्र कराने की दिशा में विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। जब उसकी पूर्णता का समय आया तो इस सनातन राष्ट्र को विभाजन की त्रासदी का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जो किसी युग में नहीं हुआ, वह कांग्रेस की सत्ता के प्रति अभिलिप्सा ने विभाजन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत किया और स्वतंत्र भारत को ऐसा नासूर दे दिया, जिसका दंश आज भी भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के रूप में झेल रहा है। यदि तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने दृढ़ता का परिचय दिया होता तो दुनिया की कोई ताकत इस अप्राकृतिक विभाजन को मूर्त रूप नहीं दे पाती। येन-केन प्रकारेण सत्ता प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने देश को दांव पर लगा दिया गया। 1947 और इसके बाद से यह लगातार हो रहा है। जब भी इनके हाथ में सत्ता में आई, इन लोगों ने देश की कीमत पर राजनीति की। इसकी कीमत जनता को लंबे समय तक चुकानी पड़ी है। विभाजन की दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी हम सबको उन्हीं गलतियों की परिमार्जन की तरफ ध्यान आकृष्ट करती है। कार्यक्रम में विभाजन विभीषिका पर आधारित लघु फिल्म के जरिए आमजन का दर्द दिखाया गया। उन्होंने कहा कि भारत बल-बुद्धि, विद्या में दुनिया का नेतृत्व करने का सामर्थ्य रखता था। 16वीं सदी तक भारत का वैभव दुनिया में अग्रणी था। दुनिया की अर्थव्यवस्था के आधे भाग का नेतृत्व अकेले भारत करता था। यह तब था, जब देश कई सौ वर्षों तक लगातार विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण को झेल रहा था। 14 अगस्त 1947 को देश के विभाजन की त्रासदी हो रही थी। 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस नेता आजादी का जश्न मना रहे थे, तब लाखों लोग अपनी मातृभूमि व परिवार को छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। उस समय के अमानवीय अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया का सबसे समृद्धतम देश 1947 तक आते-आते दरिद्र देश में बदल गया था। हमारी कुछ कमजोरियों ने आक्रांताओं को देश के अंदर आक्रमण करने के लिए स्थान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो गलतियां इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमारे सामने कैद हैं, वही गलतियां चुनाव के समय राजनीतिक दल करते हैं। जो पहले जातिवाद के नाम पर होता था, वही कारनामे आज राजनीतिक दलों के स्तर पर किए जा रहे हैं। जातीयता का नग्न तांडव करके उसी विभाजन की ओर ले जाने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है।

परिणाम फिर वही है। चेहरे- तिथि बदली है, लेकिन घटनाओं का स्वरूप वही है। वर्ष 1947 के पहले महर्षि अरविंद ने उद्घोषणा की थी कि आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान कोई वास्तविकता नहीं है। उसका भारत में विलय होगा या पाकिस्तान हमेशा के लिए समाप्त होगा। आध्यात्मिक जगत में जिसका वास्तविक अस्तित्व नहीं है, उसे नष्ट ही होना है। जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करना होगा।

बांग्लादेश में अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे अल्पसंख्यक हिंदू - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने इतिहास के काले अध्यायों से पर्दा उठाकर गलतियों के परिमार्जन के लिए रास्ता बनाने का आह्वान किया है। हमें इसी आह्वान के साथ जुड़ना है। जो 1947 में हुआ, वही आज पाकिस्तान और बांग्लादेश में हो रहा है। उस समय 10 लाख हिंदू-सिख काटे गए थे, आज भी वही आगजनी, तोड़फोड़, लूटपाट, बहन-बेटियों संग अत्याचार, त्रासदी का दृश्य देख रहे हैं। डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में आज अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं। दुनिया और भारत के कथित सेक्युलरिस्ट के मुंह आज भी सिले हैं, क्योंकि इन्हें वोट बैंक की चिंता है। इनकी मानवीय संवेदना मर चुकी है। इन्होंने आजादी के बाद बांटो और राज करो की राजनीति को प्रोत्साहित किया है। इन लोगों ने अंग्रेजों से सत्ता प्राप्त की लेकिन यह भारत की सत्ता का नेतृत्व नहीं कर रहे थे बल्कि अंग्रेजों के मानस पुत्रों के रूप में इन्होंने सत्ता का संचालन किया। उसी का दुष्परिणाम अखंड हिंदुस्तान ने चुकाया है। उन्होंने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है। भारत ने नागरिकों को जितनी स्वतंत्रता दी है, ऐसी स्वतंत्रता किसी भी देश में नहीं है। हमें संविधान पर गौरव और इसके निमार्ताओं के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृढ़ता का सम्मान और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को शत-शत नमन करना चाहिए, जिन्होंने अपनी पीड़ा को दबाने के बावजूद हमें संविधान प्रदान किया। भारत की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले नायकों के प्रति श्रद्धा का भाव व्यक्त करना होगा।

विभाजन त्रासदी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार - मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्ष में भारत की प्रगति दुनिया को अचंभित करती है। भारत सुरक्षित है तो विश्व मानवता सुरक्षित है। दस वर्ष पहले भारत दसवीं, आज पांचवीं और अगले तीन वर्ष के अंदर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर विभाजन करने वाले उन ताकतों से सतर्क रहकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के बारे में सोचना होगा। विभाजन त्रासदी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। इस त्रासदी और समय-समय पर धोखे के लिए कांग्रेस जनता से माफी नहीं मांगेगी। कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया। वर्ष 1975 इसका उदाहरण है। नागरिकों ने जब भी अधिकारों की बात की तो कांग्रेस ने देश में भाषाई, क्षेत्रीय विवाद, हिंदुओं-सिखों को लड़ाने का पाप किया। इसके लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

ननकाना साहब में नहीं मिलती नगर कीर्तन की अनुमति - योगी ने कहा कि आज भी ननकाना साहब में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन की अनुमति नहीं मिलती है। सिंध तो हिंदू बाहुल्य था, सिंधी बाहुल्य राज्य है। उसे पाकिस्तान के अंदर क्यों जाने दिया गया। 1947 में बांग्लादेश में 22 फीसदी हिंदू थे जो घटकर 7-8 फीसदी रह गए हैं। एक सप्ताह पहले बांग्लादेश के चटगांव में लाखों हिंदू जुटकर दुनिया के सामने गुहार लगा रहे थे। बांग्लादेश के अंदर रहकर भी नरपिशाचों के सामने अपनी परवाह किए बिना वर्तमान व भावी पीढ़ी को बचाने के लिए हिंदुओं ने दुनिया को वास्तविक चेहरा दिखाया है। बांग्लादेश में हिंदू अमानवीय अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। हमें मजहबी उन्माद से देश-दुनिया को बचाने का आह्वान करना है। मजहबी उन्माद एकता के माध्यम से परास्त होगा। महर्षि अरविंद का अखंड भारत का सपना ही इसका समाधान होगा।

लखनऊ की पूर्व महापौर भी हुई थीं त्रासदी की शिकार - मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बताया कि लखनऊ की पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया भी त्रासदी का शिकार बनी थीं। उस समय उनकी आयु महज एक वर्ष की थीं। दो वर्ष बाद उनके पिता उस कैंप में मिल पाए, जहां परिवार के लोग त्रासदी के शिकार थे। कार्यक्रम में विस्थापित परिवार के सदस्यों ने अपने अनुभव भी साझा किए। सिंधी समाज के सरदार निर्मल सिंह ने भी इस त्रासदी को शब्दों से चित्रांकित किया। सिंधी समाज के नानक चंद लखमानी व पंजाबी समाज के अनिल ने विभाजन विभीषिका के दौरान झेले गए दंश की पीड़ा को बयां किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश के मंत्री जयवीर सिंह, बलवीर सिंह औलख, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, बृजलाल, विधायक योगेश शुक्ल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया समेत अनेक गण्यमान्य मौजूद रहे।

कुछ देशों के झंडे पर चांद है तो हमारा तिरंगा चांद पर है : जलशक्ति मंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि जहां कुछ देशों के झंडे पर चांद है, वहीं हमारा झंडा आज चांद पर है। हमारे देश का तिरंगा झंडा धरती से लेकर गगन तक फहराता हुआ दिखायी दे रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि रहे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों के कौशल और परिश्रम से भारत ने असम्भव को सम्भव कर दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को सच करने में वैज्ञानिकों ने जो मेहनत की है, उससे देश का हर देशभक्त नागरिक गौरवान्वित होता है। स्वतंत्रदेव सिंह ने प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधिमंडल, केन्द्रीय एजेंसियों के डेलीगेट्स एवं विभिन्न स्कूलों से आये विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराने की अपील की। तिरंगा झंडे और देश से प्रेम करने वालों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाईयां दी। इस अवसर पर जलशक्ति विभाग के राज्यमंत्री रामकेश निषाद उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ पर पुलिस ने निकाली तिरंगा यात्रा

- हर घर तिरंगा अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ने तिरंगा यात्रा को किया रवाना

मीरजापुर, (हि.स.)। स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने पुलिस लाइन से हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाल आम जनमानस को जागरुक किया। पुलिस अधीक्षक ने पीआरवी वाहन व स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर क्षेत्र में तिरंगा यात्रा जोश खरोश के साथ निकाली गई। पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा में शामिल हर शख्स तिरंगा लहरा रहा था जिससे लोगों में देशभक्ति का जज्बा देखने को मिला। तिरंगा पद यात्रा जहां से भी गुजरी उसका स्वागत किया गया। यात्रा में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व समस्त क्षेत्राधिकारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान एवं एनजीटी की बैठक में दिए निर्देश

लोहरदगा, (हि.स.)। डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान एवं एनजीटी के पारित आदेश के संबंध में बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सर्वप्रथम हिण्डाल्को को शहर में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले लगाये जाने व प्रतिदिन डिसप्ले का पंजी संधारित किये जाने के पूर्व में दिये गये निर्देश की समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि अब तक इस निर्देश का पालन नहीं किया गया है। पुनः अनुपालन का निर्देश दिया गया। सहायक खनन पदाधिकारी को एनजीटी के आदेश का अनुपालन कराये जाने का निर्देश दिया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, प्रशासक नगर परिषद और भूमि संरक्षण पदाधिकारी को वाटर रिचार्ज प्लान तैयार करने कर प्रतिवेदन समर्पित किये जाने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार 15वें वित्त से चापाकलों पास निर्मित सोख्ता गड्ढों का प्रतिवेदन दिये जाने, विद्यालयों के छतों पर तड़ित चालक लगाये जाने के निर्देश के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञ, सहायक खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

एसपी दीपक पांडेय को मिलेगा राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार

रांची, (हि.स.)। गढ़वा जिले के एसपी दीपक पाण्डेय को उनके बेहतर कार्य के लिए राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार के लिए गृह मंत्रालय ने नामित किया है। उन्हें यह पुरस्कार वर्ष 2022 मे भाकपा माओवादियों से हुई मुठभेड़ के बाद मिली सफलता के लिए दिया जा रहा है। वे लोहरदगा मे एएसपी अभियान के तौर पर पदस्थापित थे। उन्हें 29 दिसंबर, 2022 को एक गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादियों का एक दस्ता लोहरदगा जिले के बुगडू थाना क्षेत्र के कोरगो के जंगल में है। इसी सूचना के आधार पर एएसपी अभियान के नेतृत्व मे जिला पुलिस बल और सीआरपीफ के साथ भाकपा माओवादी के रविंद्र गंझु के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान एक सब जोनल कमांडर चंद्रभान पाहन की मुठभेड़ मे मौत हुई थी जबकि दूसरा सबजोनल कमांडर गोविन्द ब्रिजिया को पकड़ा गया था। इसी बहादुरी को लेकर उन्हें पदक से सम्मानित किया जा रहा है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर बीएसएफ ने 3 दिनों में किया 83 फ्लैग मीटिंग

किशनगंज, (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बाद सीमा सुरक्षा बल अलर्ट पर है। गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। इसके अलावा, बीएसएफ के महानिर्देशक के निदेशों पर, समिति के सदस्यों ने अपने समकक्षों के साथ संवाद स्थापित किया। साथ ही, बीओपी, कंपनी स्तर तक समकक्षों तक पहुंचने के लिए, दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिनों में विभिन्न स्तरों पर लगभग 83 फ्लैग मीटिंग की गई है।

पीआरओ मुख्यालय विशेष महानिर्देशक द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया की सीमा सुरक्षा बलों ने पूर्वी कमांड ज़िम्मेदारी के इलाके के संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में लगभग 241 सम्बन्धित गश्त की हैं। बीएसएफ अधिकारियों ने बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर आने से रोकने में बीजीबी की भूमिका की सराहना की और भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया की बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) न केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ऑप्स मामलों में बीएसएफ के साथ सहयोग कर रहा है, बल्कि उनके नागरिक अधिकारियों के साथ मिलकर बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए भी सभी कदम उठा रहा है। हाल ही में, 9 अगस्त को, जब 1500 बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश के अंदर कूचबिहार-लालमोनिरहाट जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इकट्ठा हुए थे, तो बीजीबी ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें वापस लौटने के सफल प्रयास किया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया की द्विपक्षीय क्षेत्रीय बैठकों में, सीमा सुरक्षा और अन्य आपसी हितों से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की गई। साथ ही, कमांडरों ने बीजीबी के साथ विभिन्न परिचालन मामलों पर वास्तविक हालात की जानकारी साझा करने के लिए प्रभावी समन्वित तंत्र के चैनल तैयार किए। इसके अलावा, पूर्वी कमांड की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ रहने वाले भारतीय ग्रामीणों के साथ भी 232 बैठकें आयोजित की गई ताकि उन्हें बांग्लादेश में वर्तमान स्थिति के बारे में जागरूक किया जा सके और सीमा प्रबंधन में उनका सहयोग प्राप्त किया जा सके। वहीं बीएसएफ सभी स्तरों पर उपलब्ध संसाधानो के माध्यम से बीजीबी के साथ सक्रिय संवाद में है ताकि सुरक्षा परिदृश्य की निगरानी की जा सके और भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे।

रांची में अब डायल-112 के क्यूआर कोड से करें शिकायत

रांची, (हि.स.)। पुलिस ने महिला सुरक्षा के मद्देनजर और एटीएम संबंधी अपराध की रोकथाम एवं त्वरित कार्रवाई के लिए डायल-112 का क्यूआर कोड बनाया है। डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता और ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बुधवार को संयुक्त रूप से क्यूआर कोड का विमोचन किया। डीआईजी ने बताया कि इस क्यूआर कोड जिला के सभी ऑटो, ई-रिक्शा और नगर निगम के सभी बसों पर चिपकाया जायेगा। इसे महिला आसानी से स्कैन कर डायल-112 में छेड़खानी संबंधी और अन्य शिकायत दर्ज कर सकेंगी। इसी प्रकार एटीएम संबंधी धोखाधड़ी या साईबर अपराध की सूचना और शिकायत के लिए क्यूआर कोड बनाया गया है। इसे शहर के सभी एटीएम में चिपकाया जायेगा। इससे सभी लोग आसानी से आवश्यकता पड़ने पर स्कैन कर डायल-112 में अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

इस प्रकार इन क्यूआर कोड की की व्यवस्था के माध्यम से डायल-112 को और अधिक प्रभावी बनाया गया है ताकि लोग आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज कर सके एवं उनको त्वरित सहायता मिल सके। उल्लेखनीय है कि डीजीपी और आईजी अभियान के निर्देश पर क्यूआर कोड बनाया गया है।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण

फारबिसगंज/ अररिया, (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पूर्व शहर में विभिन्न चौक चौराहों पर स्थापित महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया गया। इस कार्यकम की शुरूआत फारबिसगंज शहर के सुभाष चौक पर स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर सर्वप्रथम एसडीएम शैलजा पांडे और डीएसपी मुकेश कुमार साहा ने माल्यार्पण करते हुए किया। जिसके बाद अनुमंडल प्रशासन के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पोस्ट आफिस चौक स्थित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा, सुल्तान पोखर के समीप स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा, कोठीहाट पर स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा, गोढियारी चौक पर स्थापित बाबा भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा, धर्मशाला चौक पर स्थापित प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा, फैंसी मार्केट स्थित बाबू वीर कुँवर सिंह की प्रतिमा एवं अंत मे स्टेशन चौक पर स्थापित स्वतंत्रता सेनानी पंडित रामदेनी तिवारी द्विजदेनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्पन्न हुआ। इस माल्यार्पण कार्यकम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं बुद्धिजिवियो ने महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए देश की आजादी के प्रति उनके किये गए कार्यो को बताया एवं अनुसरण करने की बात कही। माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालय के बच्चों व एनसीसी कैडेट के द्वारा निकाली गई झांकी भी लोगों में आकर्षण का केंद्र बनी।

वीरता पदक से पहली बार सम्मानित होंगे फायरमैन प्यारे लाल तंबवार

रांची, (हि.स.)। पहली बार झारखंड अग्निशमन विभाग के फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को स्वतंत्रता दिवस पर वीरता पदक से सम्मानित किया जायेगा। उन्हें यह सम्मान कोलतार भंडारण सहित कई जगहों पर लगी आग बुझाकर लोगों की जान बचाने के लिए मिलेगा। प्यारे लाल तंबवार साल 1990 में फायरमैन ड्राइवर के रूप में नियुक्त हुए थे। वे तब से पूरी ईमानदारी और मेहनत से अपने कर्तव्य का पालन करते रहे हैं। अग्निशमन सेवा में नियुक्त होने के बाद तंबवार जमशेदपुर, डाल्टनगंज, सिंदरी डोरंडा, गुमला, मानगो (जमशेदपुर) और साहेबगंज में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने सैकड़ों आग बुझाने की घटनाओं में भाग लिया और लोगों की जान बचायी। साहेबगंज जिले के हाजीपुर गांव में 16 मई, 2023 को एक सड़क निर्माण स्थल पर भीषण आग लग गयी थी। सूचना मिलते ही फायरमैन प्यारे लाल तंबवार, प्रधान अग्नि चालक के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि सड़क निर्माण उपकरण और कोलतार भंडारण टैंक में आग लगी थी। आग लगने के कारण ग्रामीणों और एनएच-80 पर गुजरने वाले वाहनों की सुरक्षा में गंभीर खतरा पैदा हो गया था। घटना के दौरान आग से उत्पन्न गर्मी के कारण कोलतार भंडारण टैंक भी विस्फोट हो गया था। इस विस्फोट में फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को गंभीर चोटें आयी थी। इसके बावजूद कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना दिखाते हुए जान जोखिम में डालकर फायरमैन प्यारे लाल तंबवार अग्निशमन कार्य में लगे रहे। अंततः प्यारे लाल ने टैंकों में लगी आग पर काबू पाया। डीजी अग्निशमन सेवा ने प्यारे लाल को इस साहसिक कार्य के लिए पांच हजार की राशि से पुरस्कृत किया था। साथ ही सरकार से वीरता पदक के लिए अनुशंसा की थी। इस घटना के बाद प्यारे लाल को ब्लड कैंसर की बीमारी हो गयी। इसके बाद से वह मुंबई में इलाजरत हैं। इस संबंध में डीजी होमगार्ड एंड फायर सर्विसेज अनिल पालटा ने कहा कि पहली बार फायर सर्विस वालों को सम्मान मिलना गौरवांवित करने वाला पल है। पालटा ने कहा कि सम्मान मिलने से कर्मियों का हौसला बढ़ता है और बेहतर कार्य करते है। पालटा ने कहा कि इस नजरिये से स्वतंत्रता दिवस 2024 फायर सर्विस वालों के लिए एक यादगार पल बनने जा रहा है। इतिहास में पहली बार फायर सर्विस में पदस्थापित पुलिसकर्मियों को सम्मान मिलेगा।

दाखिल-खारिज मामलों को लंबित रखने की शिकायत पर बगहा अंचलाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा

पश्चिम चंपारण (बगहा), (हि.स.)। दाखिल खारिज के मामलों को लंबित रखने की शिकायत मिलने पर लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने बगहा अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक तथा कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा अपर समाहर्ता, पश्चिम चम्पारण, बेतिया तथा जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया को मंगलवार को भेजी है। लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार परिवादी डॉ. आशीष रंजन निवासी ग्राम मेहुडा, प्रखण्ड बगहा-1 ने अनुमण्डलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, बगहा में शिकायत दर्ज कराया था कि दाखिल खारिज (1) वाद संख्या-2942/23-24 दिनांक-26.09.2023 से कुल 10 माह से ज्यादा समय (2) 2261/23-24 को 10.08.2023 से (1 वर्ष से अधिक) लंबित रखा गया है। (3) उसी प्रकार दाखिल खारिज वाद संख्या-4474/2023-24 22 जनवरी 2024 से (6 माह से ज्यादा समय) लंबित रखा गया है। इस प्रकार परिवादी का आरोप अंचलाधिकारी, बगहा-1 तथा उनके कर्मियों द्वारा दाखिल खारिज वादों के निष्पादन में धांधली बरती जा रही है। इन लंबित वादों के अवलोकन से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

बिहार के छह जिलों में भारी बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी

पटना, (हि.स.) बिहार में पटना सहित अन्य जिलों में मंगलवार शाम हुई झमाझम बारिशा के बाद बुधवार को भी राज्य के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र में अधिक वर्षा होने की संभावना जतायी है। इसके साथ ही वज्रपात की भी चेतावनी दी गयी है। मध्य बिहार में वर्षा थोड़ी कम हो सकती है। इसके साथ ही मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार अगले तीन दिनों तक राज्य में सक्रिय रूप से वर्षा होने की संभावना है। राज्य के तापमान में कोई विशेष बदलाव के संकेत नहीं हैं। एक से दो डिग्री की गिरावट हो सकती है। बुधवार को राज्य के 6 जिलों में भारी वर्षा के साथ वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। पश्चिम चंपारण में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। वहीं गोपालगंज, सीवान, पूर्वी चंपारण, कटिहार, और भागलपुर में भारी वर्षा की संभावना है। भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद में अधिक वर्षा तो राजधानी पटना सहित नालंदा भोजपुर और गया में रुक-रुककर अधिक वर्षा होने की संभावना मौसम विभाग ने दी है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र में अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के तीनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिका में अनुमान से बेहतर महंगाई के आंकड़ों की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में मजबूती बनी रही। डाउ जॉन्स 400 अंक उछल कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,434.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 407 अंक यानी 2.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,187.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बुधवार को फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 39,758.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,235.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,275.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,812.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 24,148 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत गिर कर 36,168.53 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.36 प्रतिशत फिसल कर 17,111.43 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स से 0.35 प्रतिशत टूट कर 2,857.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,273.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,637.87 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बुधवार को मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 223.93 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,020.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत उछल कर 7,408.93 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,304.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी को सीमा शुल्क प्राधिकरण से 3.8 करोड़ का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को कारण बताओ नोटिस मिला है। सीमा शुल्क प्राधिकरण ने मारुति को 3.8 करोड़ रुपये से अधिक के शुल्क में अंतर के भुगतान की मांग करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मारुति सुजुकी ने बुधवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को मुंबई के सीमा शुल्क (आयात) आयुक्त कार्यालय से कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में प्राधिकरण ने कंपनी से कुछ श्रेणी के सामान के आयात पर सीमा शुल्क छूट का दावा करने का कारण बताने को कहा है। इसके साथ ही लागू ब्याज तथा जुर्माने के साथ 3,81,37,748 रुपये के शुल्क में अंतर का भुगतान करने को कहा है। निजी क्षेत्र की वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने जारी बयान में कहा कि इस नोटिस के कारण उसके वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जुलाई महीने में थोक महंगाई दर घटकर 2.04 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर लोगों के लिए राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में भी गिरावट दर्ज हुई है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर जुलाई में घटकर 2.04 फीसदी पर आ गई है। जून में ये बढ़कर 16 माह के उच्चतम स्तर 3.36 फीसदी पर पहुंच गई थी। वहीं, मई में थोक महंगाई दर 2.61 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई की दर घटकर 2.04 फीसदी रही है। आंकड़ों के मुताबिक डब्ल्यूपीआई के प्राथमिक उत्पादों (रोजाना की जरूरत वाले सामानों) की महंगाई दर सालाना दर जुलाई, 2024 में 3.08 फीसदी रही है, जबकि जून 2024 में यह दर 8.80 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.68 फीसदी से घटकर 3.55 फीसदी हो गई। मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की सलाना थोक महंगाई दर जून 2024 में 1.43 फीसदी के मुकाबले जुलाई 2024 में बढ़कर 1.58 फीसदी हो गई है। हालांकि, ईंधन तथा बिजली की महंगाई दर बढ़कर 1.72 फीसदी पर पहुंच गई है, जो जून 2024 में 1.03 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि जुलाई में खुदरा महंगाई की दर घटकर 3.54 फीसदी पर आ गई है, जो कि 59 महीने का निचला स्तर है। ये रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तय दायरे के भीतर है।

एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होगी नीलाम!

नई दिल्ली। एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होने जा रही है। ये लेदर की एक जैकेट काफी फेमस हुई थी। यह जैकेट उन्होंने 1983 में पहनी थी। हालांकि इसकी फोटो कई साल बाद सामने आई थी। उस फोटो में जैकेट के साथ एक और खास बात थी। स्टीव जॉब्स अब इस दुनिया में हैं, लेकिन उनकी इस जैकेट और फोटो की चर्चा अभी भी हो जाती है। स्टीव जॉब्स की बॉम्बर स्टाइल वाली वह जैकेट अब नीलाम होने जा रही है। जैकेट का फोटो को साल 2011 में मैकिन्टोश की डिवेलपमेंट टीम के सदस्य एंडी हट्र्जफेल्ड ने ऑनलाइन पोस्ट किया था। इस फोटो को पोस्ट करते हुए हट्र्जफेल्ड ने लिखा था, दिसंबर 1983 में मैक लॉन्च से कुछ हफ्ते पहले हम न्यूजवीक से मिलने के लिए न्यूयॉर्क सिटी गए। न्यूजवीक मैक पर एक कवर स्टोरी करने का प्लान कर रहा था। यह तस्वीर उस समय हमारे साथ घूम रहे एक वाइल्ड फोटोग्राफर ने ली थी। आरआर ऑक्शन द्वारा आयोजित इस नीलामी में स्टीव जॉब्स की अन्य यादगार चीजों की भी नीलामी की जाएगी। इनमें पर्सनल चेक, पोलरॉइड और एक ऑरीजिनल 4जीबी का आईफोन भी शामिल है। अब तक स्टीव जॉब्स से जुड़ी कई चीजों की नीलामी हो चुकी है। इनमें वे चीजें भी शामिल हैं जो उन्होंने इस्तेमाल की थीं या जिन पर साइन किए थे। इन चीजों को काफी महंगे दाम पर नीलाम किया गया है। अब यह जैकेट भी नीलाम होगी।

उतार चढ़ाव के बीच शेयर मार्केट में मामूली तेजी, सपाट स्तर पर बंद हुआ निफ्टी

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को 72 हजार करोड़ का हुआ नुकसान

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार बुधवार को दिनभर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी लेकिन बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। इसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। बुधवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर यूटिलिटी, पावर, फार्मास्यूटिकल, मेटल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

कई कंपनियों के कमजोर नतीजे की वजह से ब्रॉडर मार्केट में भी बुधवार को बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बुधवार को कारोबार का अंत किया।

बुधवार को बाजार में आई मजबूती के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बुधवार को कारोबार के बाद घट 444.58कर लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.30 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को बुधवार को कारोबार से करीब 72 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

बुधवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,036 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,531 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,391 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 114 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,350 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 804 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,546 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को 109.19 अंक की तेजी के साथ 79,065.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 60.31 अंक की कमजोरी के साथ 78,895.72 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 272.91 अंक की मजबूती के साथ 79,228.94 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि सेंसेक्स इस ऊंचाई पर टिक नहीं सका?। बिकवाली के दबाव में इसमें एक बार फिर गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 149.85 अंक की बढ़त के साथ 79,105.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 45.40 अंक की तेजी के साथ 24,184.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक 39.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,099.70 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के बाद इस सूचकांक में भी तेजी आ गई।

लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक 57.50 अंक की मजबूती के साथ 24,196.50 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 4.75 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 24,143.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस 2.34 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2.10 प्रतिशत, इंफोसिस 1.44 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.40 प्रतिशत और बीपीसीएल 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, डिवीज लेबोरेट्रीज 4.11 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 3.30 प्रतिशत, कोल इंडिया 3.27 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.38 प्रतिशत और ओएनजीसी 2.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 900 से 1,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,780 रुपये से लेकर 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 65,810 रुपये से लेकर 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 83,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना बुधवार को 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 71,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 65,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना बुधवार को 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 65,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना बुधवार को 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने बुधवार को यहां मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्री कार्यालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण देश में पेंशन के समग्र पर्यवेक्षण और विनियमन के लिए नियामक निकाय है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत कार्य करता है।

जुलाई में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रही

नई दिल्ली।
देश में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रह गई। पिछले साल जुलाई, 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,50,355 इकाई रही थी।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रही है। जुलाई, 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,50,355 इकाई रही थी। आंकड़ों के मुताबिक यूटिलिटी वाहनों ने पैसेंजर वाहन की बिक्री को बढ़ावा देना जारी रखा है, जुलाई महीने में इनकी बिक्री 4.1 फीसदी बढ़कर 1,88,217 इकाई रही है, जबकि जुलाई 2023 में यह 1,80,831 इकाई थी।

सियाम के मुताकि जुलाई महीने में यात्री कारों की बिक्री 12 फीसदी घटकर 96,652 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,09,859 इकाई रही थी। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 12.5 फीसदी बढ़कर 14,41,694 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में ये 12,82,054 इकाई थी। जुलाई 2024 में मोटरसाइकिल की थोक बिक्री 4.1 फीसदी बढ़कर 8,50,489 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 8,17,206 इकाई रही थी। इसके अलावा जुलाई में स्कूटर की बिक्री 29.2 फीसदी बढ़कर 5,53,642 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 4,28,640 इकाई रही थी।

आंकड़ों के मुताबिक तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी 5.1 फीसदी बढ़कर 59,073 इकाई हो गई, जो जुलाई 2023 में 56,204 इकाई थी। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने जारी बयान में कहा कि तिपहिया तथा दोपहिया खंड बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन जुलाई 2023 की तुलना में जुलाई 2024 में यात्री वाहनों तथा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट आई है।

बांग्लादेश में अस्थिरता से सरसों तेल उत्पादन इकाईयों पर ताला लटकने का खतरा

300 करोड़ से अधिक का माल रेल पटरियों पर, हजारों श्रमिकों के सामने बेरोजगारी का संकट

नई दिल्ली/मुरैना।
बांग्लादेश में सत्ता संघर्ष को लेकर पैदा हुई राजनैतिक अस्थिरता का सीधा असर मध्यप्रदेश के ग्वालियर चंबल अंचल सहित राजस्थान व उत्तर प्रदेश में भी देखा जा रहा है। स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो चंबलांचल के आधा दर्जन साल्वेंट प्लांट सहित इस इलाके की दो सैकड़ा सरसों तेल उत्पादन इकाइयों पर ताले लटक जाएंगे। बांग्लादेश की हिंसा के कारण मुरैना के आधा दर्जन सॉल्वेंट इकाइयों के 300 करोड़ रुपए से अधिक का माल खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। उक्त राशि का माल रेलवे के उन रेक में भरा हुआ है जो मुरैना, ग्वालियर से बांग्लादेश भेजा जाना है, लेकिन बीते एक माह से अधिक समय के बाद भी बांग्लादेश की सीमा में प्रवेश नहीं कर पाए। वर्तमान में सॉल्वेंट प्लांट सहित अधिकांश सरसों तेल उत्पादन इकाईयां बंद पड़ी हुई हैं। इससे हजारों मजदूर, कर्मचारी और ट्रांसपोर्टर बेरोजगार हो गए। अंचल के व्यवसायियों का मानना है कि उन्हें इस घाटे से राहत दिलाने के लिए पूर्व की भांति अत्यधिक निर्यात पर मिलने वाली 5 से 12 फ़ीसदी तक प्रोत्साहन राशि को पुनः बहाल किया जाए।

ग्वालियर चंबल संभाग के मुरैना और ग्वालियर, श्योपुर ,शिवपुरी, डबरा, दतिया सहित राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सरसों का उत्पादन अधिक होने के कारण यहां लगभग दो सैकड़ा से अधिक सरसों तेल उत्पादन की इकाइयां संचालित हैं। जिसमें मुरैना , भिण्ड, ग्वालियर में ही 50 के लगभग इकाइयां स्थापित हैं। सरसों में से लगभग 37 प्रतिशत तेल निकलता है। लगभग 63 प्रतिशत खली का उत्पादन होता है।

90 फीसदी डीओसी की खपत बांग्लादेश में- खली में से 8 प्रतिशत सरसों तेल निकालने के लिए मुरैना जिले में आधा दर्जन सॉल्वेंट प्लांट संचालित हैं। इस खली में से सरसों के अंतिम उत्पाद के रूप में डीओसी का प्रतिदिन 3500 कुंतल उत्पादन होता है। इसका उपयोग मुर्गी व मछली दाना के साथ पशु आहार के रूप में किया जाता है। इसकी 90 प्रतिशत खपत बांग्लादेश में होती थी।

मुरैना के सांक तथा ग्वालियर के रायरू रेल्वे स्टेशन पर मालगोदाम से प्रतिदिन एक रैक बांग्लादेश के लिए रवाना होती थी। एक रैक में 2500 कुंतल डीओसी भरकर भेजी जाती है । जिसकी कीमत प्रति रैक 6 करोड़ रुपए होती है। लगभग एक माह में 25 से 30 रैक बांग्लादेश के लिए रवाना होती है। बीते डेढ़ माह से राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न होने के कारण व्यावसायिक गतिविधियां ठप्प हो गईं।

मुरैना से भेजी गई सैकड़ो रैंक अनेक रेल मार्ग पर खड़ी हुई हैं। डीओसी की सप्लाई बाधित होने के कारण इस व्यवसाय की चेन रुक गई है। जिसमें सबसे अधिक प्रभावित साल्वेंट प्लांट संचालक दिखाई दे रहे हैं। इनके गोदाम में करोड़ों रुपए का माल जमा है । वहीं लगभग 300 करोड़ रुपए की राशि का माल रेलवे रेक में भरा हुआ रेल पटरी पर खड़ा हुआ है। उत्पादन बंद होने से सॉल्वेंट इकाइयां जहां बंद हुई, वहीं इस चैन की दूसरी कड़ी सरसों तेल उत्पादन की लगभग दो सैकड़ा इकाइयां अपने आप ही बंद हो गईं। यह सभी इकाइयां अब आर्थिक संकट से जूझने लगी हैं। मुरैना के साल्वेंट प्लांट में पंजाब व हरियाणा के कुछ सरसों तेल उत्पादन इकाइयों की भी खली प्रक्रिया के लिए आती थी।

20 हजार से अधिक श्रमिकों पर बेरोजगारी का साया-सरसों तेल उत्पादन इकाइयों के बंद होने का सबसे अधिक प्रभाव लगभग 20 हजार मजदूर, ट्रांसपोर्टर, ड्राइवर एवं कर्मचारियों पर पड़ा है । यह सभी बेरोजगार हो गए । वहीं कुछ मजदूर इन मिलों में व्यवस्थाएं सुधारने के नाम पर काम तो कर रहे हैं लेकिन प्रतिदिन 600 से 700 रूपए कमाने वाला मजदूर मात्र 100 से 200 रुपए प्रतिदिन की आय पर सिमट गया। वहीं मजदूर कम आय से अत्यधिक परेशान हैं। इसी तरह ट्रक ड्राइवर ने अपने ट्रक साल्वेंट प्लांट के अंदर और बाहर खड़े कर दिए हैं । इन ड्राइवर पर भुखमरी का साया मंडराने लगा है।

रेलवे को भी हर माह लाखों का नुकसान- सरसों तेल के इस व्यवसाय की कडियां टूटने का असर मिल संचालक, मजदूर, ट्रक ड्राइवर, मालिक ,कर्मचारियों के साथ-साथ रेल विभाग पर भी दिख रहा है। रेल विभाग को एक रैक से 70 से 75 लाख रुपए का भाड़ा मिलता था। लगभग पिछले 45 दिन से रेल की यह आमदनी बिल्कुल बंद हो गई है । जिससे रेल विभाग को लगभग 30 से 35 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया है। बुधवार को मुरैना के सांक व ग्वालियर के रायरू रेलवे स्टेशन के मालगोदाम सूने पड़े हुए हैं। यहां पर विगत डेढ़ माह से दिन में कोई दिखाई देता है ना रात में।

बांग्लादेश में अस्थिरता के चलते सरसों के तेल के व्यापार पर सीधा असर पड़ा है। करोड़ों का माल रैकों में पड़ा हुआ है। सप्लाई चैन बाधित होने से कारोबार की कमर टूट गई है।

- **संजीव जिंदल**, अध्यक्ष- मिलर्स ऐसोसिएशन मुरैना

ग्वालियर चम्बल संभाग के साथ राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब से खली का व्यापार होता था। बीते डेढ़ माह से यह बंद हो गया है।

-**गौरव गुप्ता**, सचिव मिलर्स ऐसो. मुरैना

रोज 600-700 की कमाई आसानी से हो जाती थी। इकाईयों में काम बंद होने से दैनिक मजदूरी 100 से 200 रह गई है। ऐसा ही रहा तो दूसरा काम तलाशना पड़ेगा ।

-**श्री प्रसाद**, मजदूर सरसों मिल

विगत एक माह से काम न मिलने के कारण ट्रक क्लीनर को नौकरी से निकाल दिया है। जीवन चलाना मुश्किल हो गया। -**दीपू सिंह**, ट्रक ड्रायवर

अमिताभ ने मां की याद में लिखा भावुक नोट

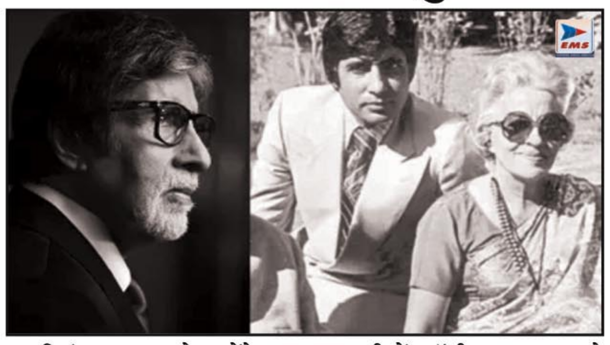

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के बिग बी यानि अमिताभ बच्चन अक्सर ही अपने हैंडल पर अपनी जिंदगी से जुड़ी जानकारियां शेयर करते हैं। इतना ही नहीं, अपनी निजी जिंदगी के अनुभवो को शेयर करने के लिए वह ब्लॉग का भी सहारा लेते हैं। अमिताभ बच्चन का ताजा ब्लॉग अब सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। अमिताभ बच्चन ने अपनी मां तेजी बच्चन की जयंती पर एक भावुक नोट साझा किया है।

अमिताभ बच्चन ने लिखा- कल पूरे समय की सबसे खूबसूरत मां की याद में एक दिन 12 अगस्त .. उनकी ताकत, उनकी गर्मजोशी, शिष्टाचार और सौंदर्यशास्त्र की उनकी समझ्ङ्ग लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उनका विश्वास और सभी चीजों के प्रति प्यार, जो उज्ज्वल और सुंदर हैं। हम सब... अब कहने की जरूरत नहीं है...अमिताभ बच्चन ने अपनी दिवगंत मां तेजी बच्चन की याद में ये पोस्ट लिखा है। उनका जन्म 12 अगस्त, 1914 को हुआ था और 21 दिसंबर 2007 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। तेजी बच्चन एक जानी-मानी सोशल एक्टिविस्ट थीं और आजादी से पहले लाहौर में मनोविज्ञान भी पढ़ाती थीं। उन्होंने जाने-माने कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन से 1941 में शादी की। इस शादी से उनके दो बेटे हुए, अमिताभ बच्चन और अजिताभ बच्चन। वर्कफ्रंट की बात की जाए तो, कल्कि 2898 एडी की जबरदस्त सफलता के बाद अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति के अपकमिंग सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में, बॉलीवुड सुपरस्टार ने अपने एक्स हैंडल पर क्विज शो के सेट से पहली तस्वीर साझा की थी। ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में, बिग बी को अपनी बाहें फैलाकर शो के नए सीजन में दर्शकों का स्वागत करते दिखे। उन्होंने लिखा, टी 5082 - केबीसी 16वें सीजन पर वापस। बता दें कि अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और समय मिलने पर सोशल मीडिया पर कुछ ना कुछ जरूर पोस्ट करते हैं। कभी वह अपने विचार साझा करते हैं तो कभी अपने इमोशन।

धोखेबाज! तुम्हारी जिंदगी में स्त्री नंबर 2 है : कृति सेनन

-एक्ट्रेस ने वरुण धवन को कहा धोखेबाज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म स्त्री 2 का नया गाना खूबसूरत के रिलीज के बाद अब एक्ट्रेस कृति सेनन ने रिएक्ट करते हुए एक्टर वरुण धवन को धोखेबाज कहा है। श्रद्धा कपूर के साथ वरुण को रोमांटिक डांस करता देख एक्ट्रेस ने अपना रिएक्शन शेयर किया है। कृति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कृति सेनन ने लिखा, धोखेबाज! तुम्हारी जिंदगी में स्त्री नंबर 2 है। बता दें कि वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में कैमियो रोल में दिखाई देने वाले हैं। वरुण ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मजेदार एडिट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कृति सेनन से बदला लेने वाली बात कही है। इस वीडियो में फिल्म स्त्री जो 2018 में रिलीज हुई थी उसका गाना आओ कभी हवेली पे दिख रहा है, जिसमें राजकुमार को कृति के साथ डांस करते देखा जा सकता है। वहीं उसके दूसरे पार्ट में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर स्त्री 2 के खूबसूरत गाने पर रोमांस करते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो पर कृति ने वरुण को जवाब देते हुए कहा, हाहाहाहाहा.. देखो, वही हवेली है जहां मुझे काटा गया था! लेकिन मुझे लगता है कि तुम भूल गए हो कि किसने तुम्हें काटा था! नए गाने के लिए उन्हें मजाकिया अंदाज में वरुण को आगे कहा, धोखेबाज! स्त्री नंबर 2 तुम्हारी जिंदगी में है! स्त्री 2 में पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी लीड रोल में हैं। जियो स्टूडियो और दिनेश विजान द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी। बता दें कि मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित सुपरनैचुरल यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म स्त्री 2, स्वतंत्रता दिवस 2024 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं इस फिल्म में भी एक नए किरदार का कैमियो देखने को मिलने वाला है। हाल ही में, स्त्री 2 का नया गाना खूबसूरत रिलीज हुआ है जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें श्रद्धा कपूर के साथ वरुण धवन रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

युवाओं को स्वास्थ्य को देना चाहिए प्राथमिकता : मनीषा कोइराला

मुंबई (ईएमएस)। कैंसर की बीमारी से उबर चुकीं एक्ट्रेस मनीषा कोइराला का कहना है कि आज युवाओं के लिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वह नहीं चाहतीं कि किसी को भी कैंसर जैसी बीमारी का सामना करना पड़े। मनीषा कोइराला को 2012 में ओवेरियन कैंसर का पता चला था और लंबे उपचार के बाद 2014 में उन्हें कैंसर मुक्त घोषित कर दिया गया था। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी या स्वास्थ्य समस्या को मात देने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा, आज के समय में युवा पीढ़ी को बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें उचित स्वास्थ्य योजना बनानी चाहिए। मैं भी एक कैंसर रोगी थी, जो जागरूकता की वजह से बच गई। कोइराला ने आगे मनीषा ने कहा, अगर मैं कैंसर को हरा सकती हूं, तो कोई और क्यों नहीं? जब मुझे कैंसर होने का पता चला तो मेरे लिए बहुत मुश्किल समय था। मैं नहीं चाहती कि किसी को भी इस तरह की बीमारी का सामना करना पड़े। मैं सभी से अपील करती हूं कि कृपया स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वर्कफ्रंट पर 53 साल की मनीषा कोइराला को हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार में देखा गया था। इसमें उनके किरदार को लोगों द्वारा खूब सराहा गया था। बता दें कि एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज से जूझ रही हैं। वह इस गंभीर बीमारी को मात देने के लिए हर मुसीबत का डटकर सामना कर रही हैं और अन्य कैंसर पीड़ितों को प्रेरणा भी दे रही हैं।

इवेंट में तमन्ना साड़ी लुक में आई नजर

हाल ही में अपनी अपकमिंग मूवी के सॉन्ग लॉन्च इवेंट में तमन्ना भाटिया साड़ी लुक में नजर आई। तमन्ना भाटिया ने पेस्टल आइवरी-क्रीमी शेड साड़ी पहनी थी जिसके साथ मैचिंग ब्लाउज और साड़ी पर थ्रेड वर्क था। गले में सिंपल सा पर्ल नेकलेस पहनकर उन्होंने अपनी एलीगेंस लुक कंप्लीट की। इससे पहले तमन्ना भाटिया, अंबानी वेडिंग में ब्राउन लहंगा पहनकर पहुंची थी। तमन्ना की इस लुक को लोगों ने हीरामंडी की लुक से कंपेयर किया था। तमन्ना ने इसके साथ लंबी चोटी की और झुमके- मांग टीका लगाया। उनकी इस लुक ने तो अदिति राव हैदरी को पीछे छोड़ दिया था। तमन्ना ने डिजाइनर गौरव गुप्ता की कलैक्शन द ब्राइड साइड से एक नई कई खूबसूरत शिमरी लहंगे पहने थे और फोटो शूट करवाया था। डार्क ग्रीन, शिमरी ब्लू और सिल्वर ग्रे कलर का लहंगा जिसके साथ नेकलेस भी मैचिंग थे। बता दें कि तमन्ना भाटिया, बॉलीवुड की खूबसूरत हीरोइनों में से एक हैं। लोग उनकी एक्टिंग तो पसंद करते हैं ही लेकिन साथ उनका फैशन और ग्लोइंग स्किन भी।

आज भी प्रोड्यूसर्स को नहीं है मुझ पर भरोसा : जॉन अब्राहम

- फिल्मों के सपोर्ट के लिए करना पड़ता है स्ट्रगल

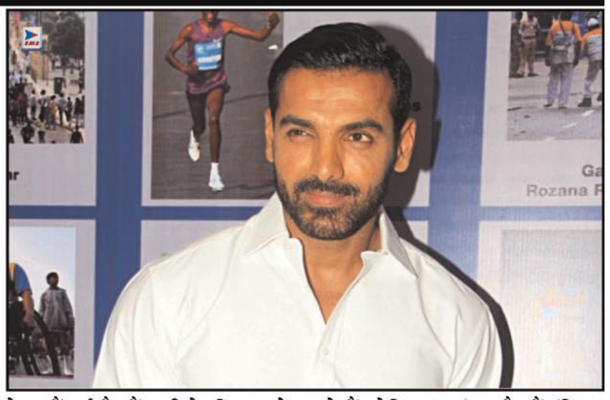

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बॉलीवुड स्टार जॉन अब्राहम ने बताया कि आज भी मेकर्स उन पर और उनकी फिल्ममेकिंग पर भरोसा नहीं करते हैं। उनका कहना है कि उन्हें आज भी अपनी फिल्मों के सपोर्ट के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है, क्योंकि प्रोडक्शन हाउस के लोग उनके मैसेजेस को इग्नोर कर देते हैं। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्टर पर जॉन अब्राहम ने कहा, मैंने विक्की डोनर को प्रोड्यूस किया। मद्रास कैफे, बाटला हाउस जैसी फिल्में बनाई, लेकिन आज भी मुझे स्टूडियो के चीफ को यह विश्वास दिलाना पड़ा कि यह एक अलग फिल्म है और प्लीज मेरी फिल्म में इनवेस्ट करिए। आज भी वे मुझ पर 100 फीसदी भरोसा नहीं करते हैं और वे मुझसे कहते हैं कि बजट बहुत ज्यादा है। जॉन अब्राहम ने अपनी फीस को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया, एक एक्टर के तौर पर मेरी फीस फिल्म पर बोझ नहीं डालती। मुझे लगता है कि अगर फिल्म पैसा कमाती है, तो मैं भी कमाऊंगा। मैं फिल्म पर किसी तरह का भार नहीं डालना चाहता। तो मेरी जो औकात है, जो मेरा स्टैंडर्ड है, मैं उसी के हिसाब से फिल्में बनाता हूं। मुझे अपने कॉन्टेंट पर गर्व है। जॉन अब्राहम ने खुलासा किया कि स्टूडियो वाले अक्सर उन्हें जवाब नहीं देते हैं। उन्होंने बताया, मैं व्हाट्सएप यूज नहीं करता हूं। अगर मैं एसएमएस भेजता हूं, तो वे मुझे जवाब नहीं देते हैं। मैंने एक स्टूडियो चीफ को मैसेज किया था और उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे बताएंगे। 4-5 महीने बीत गए, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मुझे बुरा नहीं लगता है, लेकिन मुझे कम से एक रिप्लाई तो मिलना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर लोग मुझ पर थोड़ा भरोस करें, तो मैं कोशिश करूंगा और मैं इंडियन सिनेमा को थोड़ा बदलना चाहूंगा। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं गेम चेंजर हूं, लेकिन मैं कोशिश करना चाहता हूं। वर्क फ्रंट की बात करें जॉन अब्राहम बहुत जल्द फिल्म वेदा में नजर आएंगे, जिसमें उन्होंने शरवरी वाघ और अभिषेक बैनर्जी के साथ काम किया है। ये मूवी 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि बॉलीवुड स्टार जॉन अब्राहम पिछले दो दशक से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। वह सिर्फ शानदार एक्टर ही नहीं, बल्कि प्रोड्यूसर भी हैं।

गौहर खान संग उनके बेटे की तस्वीर खूब हो रही वायरल

हाल ही में एक्ट्रेस गौहर खान को जेहान के साथ एक कैफे के बाहर स्पॉट किया गया, जहां से मां-बेटे की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि गौहर खान अपने हेल्पर के साथ कैफे से बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही हैं। वह चेहरे पर स्माइल लिए हाथ हिलाकर कैमरे की तरफ पोज दे रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस अपने लाडले को गोद में लिए नजर आ रही हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में जेहान का चेहरा नजर नहीं आता। वहीं, गौहर इस दौरान ब्लैक टी-शर्ट और व्हाइट पैंट में कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं। खुले बालों और नो मेकअप में उनका सिंपल अंदाज देखने को मिल रहा है। फैंस मां-बेटे की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फिल्म और टीवी एक्ट्रेस गौहर खान ने साल 2023 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। मां बनने के बाद एक्ट्रेस काम पर कम और बेटे के साथ ज्यादा वक्त बिताती नजर आती हैं। उन्हें अक्सर लाडले जेहान संग आउटिंग पर स्पॉट किया जाता है।

कपिल शर्मा पुनः लेकर आ रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा पुनः द ग्रेट इंडियन कपिल शो लेकर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शो का दूसरा सीजन जल्द ही आने वाला है। शो की टीम नए सीजन के लिए मंगलवार से शूटिंग शुरू करेगी। पहले एपिसोड में फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की कास्ट स्पेशल गेस्ट बनेगी। बता दें कि कपिल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर पहली बार यह शो लेकर आए थे। इसका पहला एपिसोड इसी साल 30 मार्च को स्ट्रीम हुआ था, जबकि लास्ट एपिसोड 22 जून को आया था। सीजन में 13 एपिसोड देखने को मिले। फैंस ने शो पर बेशुमार प्यार लुटाया, लेकिन कई लोगों को यह पसंद नहीं आया। उन्होंने शो को दोहराव वाला बताकर इसकी आलोचना की थी। उनका मानना था कि शो में कुछ भी नया नहीं था। मेकर्स ने साफ कर दिया था कि वे दूसरा सीजन लेकर आएंगे। अभी शो की लॉन्च डेट सामने नहीं आई है। शो में सबसे ज्यादा चर्चा में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की एंट्री की थी, क्योंकि कपिल से लड़ाई के 7 साल बाद वे शो में लौटे थे। शो में कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह व राजीव ठाकुर ने भी खूब तड़का लगाया।

अभिषेक ने ऐश्वर्या के नाम पर शादी की अंगूठी दिखाई और बोले- मुझे पता है लोग क्या कह रहे हैं

मुंबई(ईएमएस)। फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के तलाक की खबरों को लेकर खूब चर्चा बनी हुई है। पिछले कई महीनों से दोनों के तलाक अफवाहें सामने आ रही हैं। यह अफवाहें उस वक्त तेज हुईं, जब एक शादी समारोह में ऐश्वर्या राय बच्चन अपनी बेटी आराध्या के साथ अलग से अकेले पहुंची, जबकि अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन नंदा अलग से पहुंचे। इसके बाद, अभिषेक बच्चन ने एक पत्रकार की उस पोस्ट को लाइक किया, जिसमें डिवोर्स से जुड़ी बातें लिखी थीं। लेकिन एक डीपफेक वीडियो में अभिषेक भी तलाक को कंफर्म करते नजर आए। इस बीच, अभिषेक बच्चन पेरिस पहुंचे और ओलंपिक 2024 को एन्जॉय करते नजर आए। अब उन्होंने चुप्पी तोड़ी है और कहा की वह अब भी शादीशुदा हैं। यानी उनका तलाक नहीं हुआ है। बॉलीवुड यूके मीडिया को दिए इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी वेडिंग रिंग दिखाई और कहा, अभी भी शादीशुदा हूं। अभिषेक बच्चन ने कहा, मुझे इन सबके (तलाक) बारे में कुछ नहीं कहना है। दुखद है कि पूरी चीजें सीमा से बाहर हैं। मुझे पता है कि लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं। लोगों को कुछ स्टोरीज फाइल करनी है। कोई बात नहीं। हम सेलिब्रिटीज हैं, हम इसे समझ सकते हैं। इससे साबित होता है कि जो वीडियो वायरल हुआ, वो पूरी तरह फर्जी है। बता दें, अभिषेक बच्चन हाल में पेरिस ओलंपिक 2024 के मैच देखने गए थे। उन्होंने ओलंपिक्स में हिस्सा लेने भारतीय खिलाड़ियों का चीयर और सपोर्ट किया। नीरज चोपड़ा के सिल्वर मेडल जीतने के बाद अभिषेक ने उन्हें बधाई दी और गले मिले। इसका वीडियो भी वायरल हुआ, जिसे देखकर हर कोई अभिषेक के व्यवहार की तारीफें कर रहे हैं।

सुहागन चुड़ैल सीरियल में निया ने पहनी ट्रेडिशनल ड्रेस

छोटे परदे की एक्टेस निया शर्मा, सुहागन चुड़ैल सीरियल में एक से बढ़कर एक ट्रेडीशनल ड्रेस पहन रही हैं। निया ने मल्टीकलर ब्लैक लहंगा के साथ ब्रालेट चोली पहनी थी और पर्ल मोतियों वाली माथापट्टी नेकलेस, ईयररिंग्स और कमरबंध बाधा था। निया की ड्रेसेज के टॉप और ब्लाउज देखने वाले होते हैं। अब उनकी ये पिंक ड्रेस देखिए । स्लिट स्कर्ट के साथ निया ने मैचिंग ऑफ शोल्डर सेक्सी सा ब्लाउज कैरी किया था। ब्लाउज के साथ जो लूज स्लीव थी वो काफी स्टाइलिश लग रही थी। निया ने एक बैलून शेप शॉर्ट ब्लैक ड्रेस पहनी थी। इस ड्रेस के साथ निया ने मेकअप भी बोल्ड किया और गले में एक सिल्वर चैन पहनी थी। वैसे इस ड्रेस में निया को ट्रोल भी किया गया। एक यूजर ने लिखा- भाई ऐसे कपड़े मिल कहा जाते हैं। बता दें कि इस समय निया शर्मा अपने सीरियल सुहागन चुड़ैल और रिएलिटी शो लाफ्टर शेफ के चलते खूब सुर्खियों में हैं। यहां भी निया अपनी सेक्सी लुक्स से सबको अपना दीवाना बनाती दिख रही हैं हालांकि कुछ यूजर्स को उनका लुक ओवर बोल्ड लगता है। चलिए आपको उनकी कुछ ड्रेसेज आपको दिखाते हैं।

सूडोकु नवताल- 6884

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6883 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7631

दा	रा	अ	ति	थि	ग	दा	मा	य	क	चि
मा	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	भू
द	आ	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ख
प	जा	खि	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	द	र	री	हा	मि	री	अ	न	प	ढ़
ह	ह	प	व	ड	ह	ला	प	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	कू	ट	ना	ला	ह	क
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	खू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

शब्द जाल में 1978 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आखिरी डाकू, अनपढ़, अपना खून, भूख, अतिथि,आजाद,बदलते रिश्ते, दामाद, दो मुसाफिर, अंखियों के झरोखे से

शब्दजाल - 7630 का हल

आ	धा	र	शि	ला	का	धि	का	र	प	गो
धा	म	क	म	इं	डो	बा	ग	ति	मा	ला
र	दा	ने	ला	मा	ग	जा	द	अ	शां	ति
सि	ग	ल	सा	जा	न	र	ध	प	लि	अ
त	अ	अ	र	म	न	मे	ह	मा	न	ग्नि
अ	ना	का	र	व	ने	का	त	न	र	प
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	री
र	बे	मि	सा	ल	प	स	अं	ल	वि	क्षा
क	जु	बा	अ	लं	का	र	गू	न	जू	दे
र	बा	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
बां	न	ल	प	ब	गा	व	त	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6584

4		6	7		2	3
	33	2	34	3	29	6
	3		5		7	
6	28	1	36		30	
		5		7		
5	30	7	41		37	5
1		3		5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6583 का हल

6	1	4	7	2	5	3
5	33	3	35	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	35	2	37	7	32	6
7	4	5	2	3	6	1
2	29	1	33	4	30	5
1	3	6	7	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी को लेकर रवि शास्त्री बोले–भारत के पास हैट्रिक बनाने का मौका

नई दिल्ली।
भारतीय टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने वाली है, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा।सीरीज से पहले भारत के पूर्व दिग्गज रवि शास्त्री ने बॉर्डर–गावस्कर सीरीज के विजेता को लेकर भविष्यवाणी की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस बार फिर से भारतीय टीम विजेता बनेगी और सीरीज जीतने की हैट्रिक बनाएगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी बयान में रवि शास्त्री ने कहा कि यह एक शानदार सीरीज होगी और भारतीय टीम के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी करते हैं, तो वे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर टेस्ट सीरीज (बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी) 2–1 के समान अंतर से जीती थीं। भारतीय टीम ने पिछली चार बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बकरार रखा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में बात करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम के 3–1 से सीरीज जीतने की भविष्यवाणी की थी। शास्त्री का मानना है कि अगर भारतीय टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखनी है तो उनके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी बहुत रोमांचक होने वाली है। उन्होंने कहा कि याद रखें, भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है और ऑस्ट्रेलिया ने लगभग एक दशक से बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। यही कारण है कि पिछले पांच से आठ वर्षों से हर कोई टेस्ट क्रिकेट की इन दो दिग्गज टीमों के आमने–सामने होने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं, तो वे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि रवि शास्त्री की कोचिंग में ही भारतयी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में पिछली दो टेस्ट सीरीज में हराया है।

न्यूज ब्रीफ

स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण छह सप्ताह के लिए खेल से दूर हुईं श्रीजा अकुला

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण छह सप्ताह के लिए खेल से दूर हो गई हैं। चोट का मतलब है कि वह 22 अगस्त से शुरू होने वाले आगामी अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगी। वर्तमान में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी अकुला ने ओलंपिक डॉट कॉम के हवाले से एक बयान में कहा, फ्रमुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला है और मेरे डॉक्टर की सलाह पर, मुझे छह सप्ताह तक आराम करने की आवश्यकता होगी, जिसका दुर्भाग्य से मतलब है कि मैं यूटीटी 2024 में भाग नहीं ले पाऊंगी। अकुला को यूटीटी 2024 में जयपुर पैट्रियट्स के लिए खेलने के लिए चुना गया था। अब उनकी जगह टीम में अंडर–19 यूथ नेशनल चैंपियन और यूटीटी डेब्यू करने वाली नित्याश्री मणि होंगी। पिछले हफ्ते, श्रीजा अकुला ने पेरिस 2024 ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला एकल में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 22वीं रैंकिंग हासिल की थी। पेरिस 2024 में, अकुला ने राउंड ऑफ 64 में स्वीडन की तत्कालीन दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना कल्बर्ग को हराया और फिर राउंड ऑफ 32 में सिंगापुर की 52वीं रैंक वाली जेंग जियान को हराया। अकुला और मनिका बत्रा ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में राउंड ऑफ 16 में पहुंचने वाली देश की पहली टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं। हालांकि, अकुला राउंड ऑफ 16 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की दुनिया की नंबर 1 यिंगशा सुन से हार गईं। श्रीजा और मनिका महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं।

हॉकी इंडिया ने सेवानिवृत्त गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में नंबर 16 जर्सी किया रिटायर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में 16 नंबर की जर्सी को रिटायर कर रहा है, जिन्होंने भारत के पेरिस ओलंपिक अभियान के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश की प्रतिष्ठित नंबर 16 जर्सी को रिटायर कर दिया है, जिससे उत्कृष्टता का एक युग समाप्त हो गया है। असंभव बचाव से लेकर पीढ़ियों को प्रेरित करने तक, श्रीजेश की विरासत हमेशा भारतीय हॉकी के इतिहास में अंकित रहेगी। श्रीजेश ने 14 साल के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया और पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2–1 से हराकर भारत के कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, केरल के इस गोलकीपर ने चीन में 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक, इंग्लैंड में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक और 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक भी जीता है। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण और जकार्ता–पालेमबांग में 2018 एशियाड में कांस्य पदक भी जीता। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम और भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे।

सासुओलो के डिफेंडर ट्रेसोल्डी लोन पर साओ पाउलो में शामिल हुए

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के सेरी ए क्लब साओ पाउलो ने इटली के सासुओलो से सेंट्रल डिफेंडर रुआन

ट्रेसोल्डी को ऋण पर अनुबंधित किया है। ट्रेसोल्डी, जिनके सासुओलो अनुबंध में दो साल बाकी हैं, अगले जून तक साओ पाउलो से जुड़े रहेंगे। इस समझौते में साओ पाउलो के लिए ऋण अवधि समाप्त होने पर 25 वर्षीय खिलाड़ी को स्थायी सौदे पर सुरक्षित करने का विकल्प शामिल है। साओ पाउलो फुटबॉल निदेशक कार्लोस बेलमोंटे ने कहा, यह हमारे लिए एक अच्छा सौदा है क्योंकि अगर ऋण ठीक रहता है, तो हम हस्ताक्षर पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रेसोल्डी सेंटर–बैक डिएगो कोस्टा के लिए सीधे प्रतिस्थापन थे, जो पिछले महीने रूस के क्रास्नोडार में शामिल होने के लिए चले गए थे। अगस्त 2021 में ग्रेमियो से क्लब में शामिल होने के बाद से ट्रेसोल्डी ने सासुओलो के लिए 64 प्रथम–टीम प्रदर्शन किए हैं। पिछले सीजन में 20–टीम सीरी ए में 19वें स्थान पर रहने के बाद सासुओलो को इतालवी फुटबॉल के दूसरे स्तर पर भेज दिया गया था। साओ पाउलो वर्तमान में ब्राजील की शीर्ष–स्तरीय स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है, जो लीडर बोटाफोगो से पांच अंक पीछे है।

दुनियाभर के क्रिकेटर और क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी

124 साल बाद ओलंपिक में होगी क्रिकेट की वापसी

नई दिल्ली।
पेरिस ओलंपिक 2024 खत्म हो चुका है। इसके बाद भारतीय एथलीट स्वदेश लौट चुके हैं। अब सभी लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में जुटने वाले हैं। लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 खेलों में 124 साल के लंबे अंतराल के बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। 16 अक्टूबर 2023 को ओलंपिक में टी20 क्रिकेट को शामिल करने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद भारत में उत्साह का माहौल बन गया था। इस खबर ने ना सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में बल्कि भारत के मशहूर खिलाड़ियों और बॉलीवुड सितारों के दिलों में भी खुशी की लहर ला दी थी।

ओलंपिक : क्रिकेट का इतिहास

क्रिकेट को पहली बार 1900 में ओलंपिक में शामिल किया गया था, जब पेरिस ने अपना पहला ओलंपिक आयोजित किया था। उस समय सिर्फ एक पुरुष मैच खेला गया था, जो ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों के बीच था। ग्रेट ब्रिटेन ने यह मैच 158 रनों से जीता था। अब क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में एक बार फिर शामिल किया जाएगा और इस बार टी20 फॉर्मेट शामिल किया गया है।

भारत को क्यों है स्वर्ण की आशा

भारत हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीतने में सफल रहा है, जिसका आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में किया गया था। पेरिस ओलंपिक 2014 के खत्म होने के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के बीच भारत चार आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहा है, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025, टी20 वर्ल्ड कप 2026 और वनडे वर्ल्ड कप 2027 शामिल हैं। इसमें टीम इंडिया से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

कई क्रिकेटर ओलंपिक में खेले हैं दूसरे खेल

लॉस एंजिल्स । सन 1900 के बाद क्रिकेट कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा हालांकि तब के कुछ क्रिकेटरों ने ओलंपिक में अन्य खेलों में भी भाग लिया था और ये विजेता भी रहे थे।

सूज बेट्स – न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर सूजी बेट्स ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में न्यूजीलैंड की बास्केटबॉल टीम से खेला था।

कीथ थॉमसन – न्यूजीलैंड के कीथ थॉमसन ने 1968 में भारत के खिलाफ दो टेस्ट खेले बाद वे म्यूनिख ओलंपिक 1972 में न्यूजीलैंड की हॉकी टीम के शामिल रहे।

क्लाउड बकेनहैम – क्लाउड बकेनहैम क्रिकेट से अलावा किसी अन्य गेम में ओलंपिक में भाग लेने वाले पहले क्रिकेटर हैं। साल 1900 के ओलंपिक में हालांकि क्रिकेट का खेल शामिल था पर बकेनहैम ने इन खेलों में ब्रिटेन की ओर से फुटबॉल खेला।

जॉनी डगलस – 1908 के लंदन ओलंपिक में जॉनी डगलस ने मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता।

जैक मैकब्रायन – जैक मैकब्रायन वर्ष 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली ब्रिटेन की हॉकी टीम के सदस्य थे।

ब्रायन बूथ – ब्रायन बूथ मेलबर्न में 1956 में हुए ओलंपिक में वे ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम के सदस्य थे। उनकी टीम हालांकि ओलंपिक में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी। ओलंपिक के अलावा कुछ अन्य मैचों में भी वे ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीम में शामिल थे।

मशहूर खिलाड़ियों और बॉलीवुड सितारों ने जताई थी खुशी

भारत में जहां क्रिकेट को धर्म की तरह माना जाता है, वहीं इस खबर के आते ही सभी भारतीयों में खुशी का माहौल साफ देखने को मिला था। इस दौरान एथलीट नीरज चोपड़ा, पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज, क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण समेत कई हस्तियों ने अपनी खुशी जाहिर की थी। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा था, यह भारत के लिए बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि हमारे पास एक बेहतरीन क्रिकेट टीम है। लॉस एंजेलिस 2028 में क्रिकेट का शामिल होना इस खेल के वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा था, यह क्रिकेट के लिए एक बड़ा मौका है। खिलाड़ी ओलंपिक में भाग लेकर स्वर्ण पदक जीतने का सपना साकार कर सकेंगे। जब इसकी घोषणा हुई थी तब सचिन ने अपने ट्वीट में लिखा, एक सदी से ज्यादा के इंतजार के बाद हमारा प्यारा खेल ओलंपिक स्टेज पर वापस आ गया है। ये नए क्रिकेटरों के लिए एक सुनहरा मौका है। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने कहा था, क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी बेहद रोमांचक है। भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है, और यह देखना रोमांचक होगा कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टी20 टीम, क्वेना मफाका नया चेहरा

नई दिल्ली।
क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। क्वेना मफाका को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

17 वर्षीय तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम में शामिल किया गया है। मफाका का चयन दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं का एक साहसिक कदम है, जिन्होंने युवाओं में निवेश करने और भविष्य के लिए एक मजबूत नींव बनाने की इच्छा दिखाई है। इस किशोर ने अपनी तेज़ गति और सटीकता से प्रभावित किया है, और टीम में उनका शामिल होना घरेलू स्तर पर उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम है।

इसके अलावा, चयन समिति ने टीम में अनकैप्ड जेसन स्मिथ को शामिल करके भी सबको चौंका दिया है, जो दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट के लिए एक नए युग का संकेत है। स्मिथ का शामिल होना घरेलू क्रिकेट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुरंत प्रभाव डालने की उनकी क्षमता में चयनकर्ताओं के विश्वास का प्रमाण है। व्हाइट–बॉल के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने एक्स बाय प्रोटियाज मेन पर साझा किए गए एक बयान में कहा, हम जेसन [स्मिथ] और क्वेना [माफाका] को इस सीरीज के लिए टीम में शामिल करने के लिए उत्साहित हैं। जेसन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, और बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की उनकी क्षमता हमारे लाइन–अप में मूल्यवान गहराई जोड़ती है। क्वेना को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में पहचाना गया है जिसमें महत्वपूर्ण क्षमता है, और यह दौरा उसे प्रोटियाज वातावरण में शामिल करने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है।

वेस्टइंडीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम

एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, डोनोवन फरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, लुंगी एनगिडी, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रुगर, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, रयान रिकेलटन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, लिजाड विलियम्स।

वन-डे कप और प्रथम श्रेणी मैचों के लिए नॉर्थम्पटनशायर से जुड़ेंगे चहल

लंदन।
भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल नॉर्थम्पटनशायर के साथ अपने अंतिम रॉयल लंदन वन–डे कप मैच में केंट के खिलाफ खेलेंगे और टीम के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के शेष पांच मैचों में भी हिस्सा लेंगे। क्लब ने कहा कि 34 वर्षीय लेग स्पिनर चहल बुधवार को कैंटरबरी में केंट के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम से जुड़ जाएंगे और फिर लाल गेंद के बाकी अभियान के लिए उपलब्ध रहेंगे। चहल ने 2023 सीज़न में केंट में समय बिताया था, और दो मैचों में नौ विकेट लिए थे।

नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच जॉन सैडलर को लगता है कि चहल क्लब के गेंदबाजी आक्रमण में अतिरिक्त विविधता और गहराई लाएंगे। उन्होंने कहा, युजवेंद्र एक और हाई–प्रोफाइल विदेशी खिलाड़ी हैं, जो अपने साथ ढेर सारा अनुभव और कुछ अविश्वसनीय कौशल लेकर आए हैं। उनका रिकॉर्ड अपने आप में सब कुछ बयां करता है और उनकी विकेट लेने की क्षमता हमारे आक्रमण को मजबूती देगी।

अप्रैल 2024 में, चहल आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। वह भारत की 2024 टी20 विश्व कप विजेता टीम में चार फ्रंटलाइन स्पिनरों में से एक थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि चयनकर्ता सीनियर लेगस्पिनर को अपनी बैक–अप सूची में रखना जारी रखा है, खासकर सबसे छोटे प्रारूप के लिए, इससे उन्हें मैच–फिट रहने और अपने रेड–बॉल गेम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा।

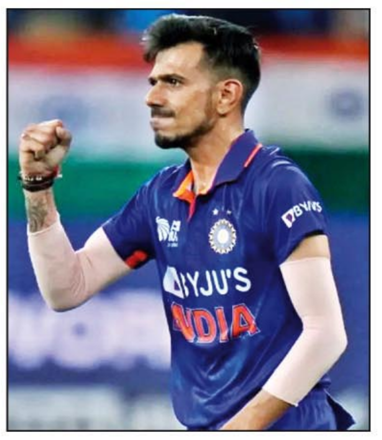

नॉर्थम्पटनशायर वर्तमान में नौ टीमों के वन–डे कप ग्रुप ए तालिका में सबसे नीचे स्थान पर है, जिसने अब तक सात मैचों में से केवल एक में जीत हासिल की है।

स्वयं ने एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में भारतीय पैरालिंपिक समिति के साथ किया करार

नई दिल्ली।
पेरिस पैरालंपिक 2024 से पूर्व स्वयं ने आधिकारिक एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के साथ करार किया है। करार के तहत एक्सेसिबिलिटी संगठन स्वयं भारतीय पैरा–खिलाड़ियों के पूरे दल के लिए परिवहन को सुगम्य और समावेशी बनाया जाएगा, जिससे उनकी आवाजाही सुचारू और सहज हो सकेगी।

28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक आयोजित होने वाले पेरिस पैरालंपिक 2024 में, विश्व भर से 4,000 से अधिक खिलाड़ी 22 विभिन्न खेलों में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता अपने विविधता और रोमांच के लिए प्रसिद्ध होगी।

स्वयं, जो कि स्मिनू जिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट की एक गैर–लाभकारी पहल है, पिछले 4–5 वर्षों से पीसीआई के साथ मिलकर सुगम्यता के क्षेत्र में काम कर रही है।

स्वयं, सुगम्य परिवहन सेवाएं प्रदान करने और उन होटलों एवं भवनों का विस्तृत ऑडिट आयोजित करेगी, जहां पैरा–खिलाड़ी नई दिल्ली में ठहरेंगे, और इसे सुगम्यता को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखेगी। स्वयं ने इससे पहले भी पीसीआई को पूर्णत: सुगम्यवाहन डोनेट कर, सुगम्यता को बढ़ाने और दिव्यांग खिलाड़ियों के समर्थन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्वयं की संस्थापक–अध्यक्ष,स्मिनू जिंदल ने इस साझेदारी पर कहा, एक्सेसिबिलिटी पार्टनर बनना हमारे लिए अत्यंत सम्मानजनक और जिम्मेदारी पूर्ण है। हमारी इस भागीदारी ने बाधाओं को दूरकर, समानता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने का कार्य निरंतर जारी रखा है। इस वर्ष भी, स्वयं यह सुनिश्चित करेगा कि देश भर से आने वाले पैरा–खिलाड़ियों की गरिमा और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न हो। हम एक ऐसा गरिमामय वातावरण बनाने के प्रति समर्पित हैं, जहां प्रत्येक खिलाड़ी सुगम्यता की चिंताओं से मुक्त होकर, अपने प्रदर्शन पर पूर्ण ध्यान केंद्रित कर सकें। हम भविष्य में ऐसे और भी अवसर मिलने की अपेक्षा करते हैं।

स्वयं का खेलों में सुगम्यता बढ़ाने और विभिन्न आयोजनों में पीसीआई का समर्थन प्रदान करने का एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है, जिसमें टोक्यो पैरालंपिक 2021 और 2023 में बेंगलुरु में आयोजित 5वीं इंडियन ओपन पैरा–एथलेटिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता और क्षेत्रीय खेल प्रशिक्षण शामिल हैं। स्वयं, वर्ष 2020 से डिसएबिलिटी क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़ा है और 2023 में भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत आयोजित पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भी शामिल था।

पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम पर हुई नोटों की बारिश

सीएम के बाद अब पीएम ने भी किया 15 करोड़ देने का ऐलान

इस्लामाबाद।
पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम पर नोटों की बारिश हो रही है। मंगलवार को पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने स्टार एथलीट के घर पहुंचकर 10 करोड़ रुपये और नई कार सौंपी थी। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें 15 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने बीते दिन नदीम और उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने 10 करोड़ रुपये और कार की चाबियां भेट की। उन्होंने कहा, 'अरशद हर उस चीज का हकदार है जो उसे मिल रहा है क्योंकि वह देश के लिए बहुत खुशी और गौरव लेकर आया है।' वहीं, नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को भी 50 लाख रुपये दिए गए।

अब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने उन्हें 15 करोड़ रुपये देने का एलान किया है। मंगलवार को पीएम ने नदीम और उनके परिवार को पीएम आवास में आमंत्रित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, आपने 25 करोड़ पाकिस्तानियों की खुशी दोगुनी कर दी है क्योंकि हम कल अपना स्वतंत्रता दिवस भी मनाएंगे। आज हर पाकिस्तानी खुश है और पूरे देश का मनोबल आसमान छू रहा है।

नदीम ने 40 वर्षों में पहला स्वर्ण जीता

नदीम ने 40 वर्षों में पाकिस्तान का पहला ओलंपिक स्वर्ण जीता। इससे पहले पुरुष हॉकी टीम ने 1984 के लॉस एंजिलिस खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। पाकिस्तान का पिछला ओलंपिक पदक 1992 के बार्सीलोना खेलों में हॉकी का कांस्य पदक था। उनके थ्रो ने आसानी से नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्डसन के 2008 में बनाए गए 90.57 मीटर के पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को पार कर लिया। यह टोक्यो खेलों के चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा के प्रयास से भी काफी आगे था जिन्होंने 89.45 मीटर का अपना सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम दुनिया को किया प्रभावित

कई देशों को भी ऐसे ही मिली आजादी

भारत कल अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। स्वतंत्रता के लिए भारत ने लंबी लड़ाई लड़ी। इस लड़ाई की वजह से ही हमें 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिली। देश को यह आजादी अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों और कड़े संघर्ष के बाद हासिल हुई थी। इस स्वतंत्रता सग्राम ने हमें अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराया ही, साथ ही इसने दुनियाभर के राजनीतिक आंदोलनों को भी काफी प्रभावित किया। आज हम उन्हीं आंदोलनों के बारे में जानेंगे जिन पर भारत के स्वाधीनता संग्राम का असर पड़ा...

दक्षिण कोरिया : 1947 में भारत की स्वतंत्रता ने राष्ट्रवादी आंदोलनों को प्रेरित किया और पूरी दुनिया में उपनिवेशवाद से मुक्ति और स्वतंत्रता के लिए एक बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया। 1950 तक, पुरानी औपनिवेशिक व्यवस्था ने अपनी ताकत और अपनी ऐतिहासिक प्रासंगिकता खो दी थी। भारत की स्वतंत्रता ने अन्य देशों के लिए स्वतंत्रता की मांग के लिए उत्प्रेरक की तरह काम किया। इस वजह से अंग्रेज, जापान और फ्रांस को अपने-अपने उपनिवेशों को खोना पड़ा। 1921 में अपने चरम पर पहुंचे असहयोग आंदोलन का कोरियाई स्वतंत्रता आंदोलन पर अप्रत्याशित प्रभाव पड़ा था। भारत और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच स्वतंत्रता-पूर्व संबंधों के सबूत मध्य सियोल के एक छोटे से पार्क में मिलते हैं। भारत की आजादी से ठीक दो साल पहले, उसी तारीख को, कोरियाई प्रायद्वीप 35 साल के जापानी कब्जे से मुक्त हो गया था। ग्वांगवामुन से कुछ ही दूरी पर स्थित टैपगोल पार्क 1919 के एक मार्च आंदोलन का स्थल है। कई इतिहासकारों का मानना है कि यहीं से कोरियाई स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत हुई थी। दक्षिण कोरिया के इसी पार्क से स्वतंत्रता की उद्घोषणा की गई थी। कुछ कोरियाई शिक्षाविदों का मानना है कि भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मार्च फर्स्ट आंदोलन से प्रेरित था। 1910 और 1945 के बीच जापानी साम्राज्य ने 1876 की जापान-कोरिया संधि के बाद कोरियाई प्रायद्वीप पर कब्जा कर लिया था। 1905 की जापान-कोरिया संधि या एल्सा संधि ने कोरियाई प्रायद्वीप को जापान का संरक्षित क्षेत्र बना दिया। इसके पांच वर्षों बाद इस पर औपचारिक रूप से जापान ने कब्जा कर लिया। कोरियाई प्रायद्वीप को 35 साल के संघर्ष के बाद 1945 में जापान से आजादी मिली। 1920-1930 के बीच डोंग-ए-इल्बो और चोसोन इल्बो जैसे अखबारों में प्रकाशित लेख बताते हैं कि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारतीय उपमहाद्वीप की लड़ाई देश तक पहुंच रही थी। इन रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कैसे आधिकारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद कोरियाई प्रायद्वीप भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन विशेषकर महात्मा गांधी के बारे में जागरुक था। भारत के 1920-22 के असहयोग आंदोलन और 1931-34 के सविनय अवज्ञा आंदोलन पर लगभग दैनिक रिपोर्टें इन अखबारों में आती थीं। कोरियाई राष्ट्रवादी नेता चो मान-सिक ने गांधी के स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित थे। सिक ने घरेलू उत्पादन पर भरोसा करके विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के गांधी के अभियान से प्रेरित होकर कोरियाई औद्योगिक उत्पादन का समर्थन करने का प्रस्ताव रखा था। दिसंबर 1922 में योम ताए-जिन और यी क्वांग-सु जैसे अन्य राष्ट्रवादी नेताओं ने कोरियाई लोगों के बीच स्थानीय वस्तुओं की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए सियोल में सेल्फ प्रोडक्शन एसोसिएशन नामक एक समूह का गठन किया। डोंग-ए-इल्बो अखबार के अध्यक्ष किम सुंग-सू द्वारा अक्तूबर 1926 में महात्मा गांधी को एक पत्र भेजा गया था जिसमें उनसे कोरियाई लोगों को एक संदेश भेजने के लिए कहा गया था। आधुनिक दक्षिण कोरिया में गांधी भारत की सबसे अधिक मान्यता प्राप्त राजनीतिक हस्तियों में से एक हैं। 2019 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन की उपस्थिति में सियोल में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण किया था।

श्रीलंका : 1948 में अपनी आजादी पाने वाले श्रीलंका का स्वतंत्रता आंदोलन भी गांधीजी के आदर्शों से प्रेरित था। श्रीलंकाई स्वतंत्रता सेनानी चार्ल्स एडगर कोरिया द्वारा आमंत्रित किए जाने के बाद गांधी ने 1927 में श्रीलंका का दौरा किया था। देश की उनकी एकमात्र यात्रा के दौरान गांधीजी ने कई भाषण दिए और श्रीलंका में एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। सीलॉन टुडे के एक लेख में उल्लेख किया गया कि कैसे गांधी की अहिंसा की नीति ने श्रीलंका की स्वतंत्रता संघर्ष को *अत्यधिक प्रभावित* किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने बौद्ध पुनरुत्थानवादी अनागारिका धर्मपाल सहित कई उल्लेखनीय नेताओं को आंदोलित किया। लेख में बताया गया है कि कैसे धर्मपाल ने गांधी के विदेशी निर्मित कपड़ों के बहिष्कार और स्थानीय स्तर पर उत्पादित कपड़े को अपनाने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका : देश में 1961 के दशक से शुरू होकर लगभग तीन दशक तक चलने वाले रंगभेद विरोधी आंदोलन को भी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से प्रेरणा मिली। आंदोलन के अग्रदूत नेल्सन मंडेला ने गांधी को अपना *आदर्श* बताया था। जेल में बिताए गए लगभग तीन दशकों के दौरान उन्होंने गांधीजी की किताबें बड़े चाव से पढ़ीं। जेल से रिहा होने पर मंडेला रंगभेद मुक्त दक्षिण अफ्रीका के पहले राष्ट्रपति बने और अपने सत्य के रास्ते पर चलकर देश को एक साथ लाए। प्रोग्रेसिव मैगजीन ने भारत में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राजदूत हैरिस माजेके के हवाले से लिखा कि नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पिता हैं, जबकि महात्मा गांधी हमारे दादा हैं।

म्यांमार : सेना द्वारा तख्तापलट से पहले, म्यांमार की आंग सान सू की को दशकों तक म्यांमार पर शासन करने वाले जनरलों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में देखा जाता था। किंग और उनसे पहले मंडेला की तरह, सू की ने भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और गांधी द्वारा अपनाए गए अहिंसक सिद्धांतों से प्रेरणा ली। 2012 की भारत यात्रा पर सू ने एक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा था कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम और गांधी और नेहरू सहित इसके नेताओं ने उन्हें एक लोकतांत्रिक म्यांमार के लिए प्रेरित किया था।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**